खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :31° C
न्यूनतम: 17° C

बरेली, बुधवार 15 अप्रैल 2026 बरेली संस्करण: वर्ष 23 अंक 134 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com वैसाख कृष्ण पक्ष 13 विक्रमी सम्वत् 2083 26 शव्वाल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

नोएडा में वेतन बढ़ाने को श्रमिक आंदोलन सही: राहुल गांधी पेज 2

मिचेल स्टार्क और दीप्ति शर्मा बने विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर खेल टाइम्स

क्या सभ्यताओं का संघर्ष है ईरान का अमेरिका से युद्ध सम्पादकीय

अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी संप्रभुता का घोर उल्लंघनः ईरान पेज 12

संक्षिप्त समाचार

बहू ने ससुराल वालों से मांगा 170 करोड़ का सोना, दावा खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 170 करोड़ रुपये के सोने के दावे से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल वैवाहिक विवाद में बड़ा फैसला सुनाते हुए महिला की ओर से दायर घरेलू हिंसा केस को खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि बिना ठोस और विशिष्ट आरोपों के दर्ज ऐसे मामलों को शुरुआती स्तर पर ही समाप्त कर देना चाहिए। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि सिर्फ परिवार के सदस्यों के नाम लेकर, बिना उनके किसी प्रत्यक्ष भूमिका के आरोप लगाए, आपराधिक मुकदमा चलाना कानून का दुरुपयोग होगा। अदालत ने इस मामले को गढ़ा गया बताते हुए कड़ी टिप्पणी की। मामले में महिला ने आरोप लगाया था कि तलाक समझौते के तहत उसे 120 करोड़ रुपये के गहने और 50 करोड़ रुपये के सोने के बिस्कुट दिए जाने का वादा किया गया था।

सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन करना जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि अगर सेवा नियमों में अनुभव, योग्यता या वरिष्ठता के आधार पर छूट का प्रावधान है, तो किसी कर्मचारी को केवल डिग्री न होने की वजह से प्रमोशन से वंचित नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें एक सहकारी समिति के कर्मचारी को पदोन्नति देने से इन्कार कर दिया गया था। न्यायालय ने माना कि जब अन्य कर्मचारियों को समान छूट दी गई, तो इस मामले में शैक्षिक योग्यता में रियायत न देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि 'भेदभाव अन्याय का ही दूसरा नाम है।' अदालत ने जोर दिया कि सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन करना अनिवार्य है।

राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 41 डिग्री के पार

नई दिल्ली। देश के उत्तर, मध्य और पश्चिमी राज्यों में तापमान बढ़ने लगा है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 41डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मप्र के रतलाम में भी तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो हफ्तों तक कोई नया सिस्टम एक्टिव नहीं होगा। इससे गर्मी तेजी से बढ़ेगी। हालांकि पूर्वोत्तर राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा दक्षिण भारत में केरल और कर्नाटक में तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह, उत्तराखंड के केदारनाथ और सिक्किम के लाचेन में बर्फबारी से बंद हुए रास्ते खोलने काम चल रहा है।

फिर इस्लामाबाद में ही होगी ईरान-अमेरिका के बीच शांतिवार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दिए संकेत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया है कि अगले दो दिनों में पाकिस्तान में कुछ महत्वपूर्ण हो सकता है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान बातचीत की मेज पर लौटने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रम्प ने न्यूयॉर्क पोस्ट के एक रिपोर्टर से कहा कि आपको वहीं रहना चाहिए, क्योंकि अगले दो दिनों में कुछ हो सकता है और हम वहां जाने के लिए अधिक इच्छुक हैं। उन्होंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें शानदार बताया। शांति वार्ता के लिए जिनेवा को भी एक संभावित स्थान के रूप में सुझाया गया था, लेकिन ट्रम्प ने इस संभावना को कमतर आंका। हमें ऐसे देश में क्यों जाना चाहिए जिसका इससे कोई लेना-देना नहीं है?

ट्रम्प ने पीएम मोदी से फोन पर की बात

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच 40 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी फोन कॉल थी। इससे पहले मार्च के अंत में पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। दोनों नेताओं ने होर्मुज के बंद होने पर चिंता जताई थी। इस वार्ता के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि मुझे राष्ट्रपति ट्रम्प का फोन आया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है।

लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने की तैयारी कर रही है। सरकार इसके लिए संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 लाएगी। सरकार ने इनसे जुड़े ड्राफ्ट सभी सांसदों को भेजे हैं।

इसके मुताबिक, 850 सीटों में से 815 सीटें राज्यों को और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों को दी जाएंगी। इसके लिए 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। इसमें महिला आरक्षण बिल पर भी चर्चा होगी। एक और जरूरी बदलाव आबादी की

- 2029 से लागू होगा, महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिलेगा
- सीटें बढ़ाने पर दक्षिणी राज्यों का विरोध

परिभाषा है। इससे संसद को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए। परिसीमन बिल के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई है। इन बदलावों को 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना है। हालांकि इस पर विरोध भी शुरू हो गया है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि सरकार यह सब 2029 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक फायदा लेने के उद्देश्य से कर रही है। अगर सरकार महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देना चाहती है, तो मौजूदा 543 सीटों में ही यह लागू किया जा सकता है। सीटों के पुनर्वितरण से उत्तर भारत को ज्यादा फायदा होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर सीटें अनुपात के आधार पर बढ़ाई गईं, तो दक्षिणी राज्यों में महिलाओं,एससी और एसटी समुदायों को नुकसान हो सकता है।

यह कदम दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक ताकत को कम करने की साजिश हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला आरक्षण के बाद यूपी में सबसे ज्यादा 40 लोकसभा सीटें बढ़ सकती है। यहां 80 से बढ़कर 120 हो जाएंगी। महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए 24 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। यहां लोकसभा की सीटें 48 से बढ़कर 72 हो जाएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिहार में महिला सीटों की संख्या 20 हो सकती है। यहां कुल सीटें 40 से 60 तक पहुंच सकती है। एमपी में 15 महिला आरक्षित सीटें बढ़ सकती हैं। तमिलनाडु में 20 और दिल्ली में 4 यानी महिला सीटें होंगी। झारखंड में 7 महिला आरक्षित सीटें बढ़ने का अनुमान है।

पीएम मोदी ने किया दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

उत्तराखंड, यूपी व दिल्ली को 212 किमी लम्बे इकोनॉमिक कॉरिडोर की दी सौगात

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के लिए मंगलवार का दिन बेहद खास और ऐतिहासिक रहा। प्रदेशवासियों का इंतजार उस समय खत्म हो गया जब पीएम नरेंद्र मोदी ने देहरादून- दिल्ली इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इससे पहले पीएम मोदी ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

केन्द्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पीएम मोदी को ब्रह्मकमल का स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी को शॉल और नंदा देवी राजजात यात्रा का स्मृति चिह्न भेंट किया। पीएम बनने के बाद मोदी मंगलवार को 28वीं बार उत्तराखंड पहुंचे। उन्होंने 11,963 करोड़ की लागत से बने 212 किमी लंबे दून-दिल्ली एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे की सौगात दी। इसके अलावा एक हजार मेगावाट क्षमता के देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण किया। देहरादून में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है, जो पहले अकल्पनीय था। अमृतसर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर समेत कई बड़े प्रोजेक्ट प्रगति के नए द्वार खोल रहे हैं, जिनसे लोगों की उम्मीदें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से समय की बचत होगी, यात्रा सस्ती होगी और किराया-भाड़ा कम खर्च होगा। साथ ही हजारों श्रमिकों को रोजगार मिला है और इंजीनियरों सहित कई क्षेत्रों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के पर्यटन को इससे बड़ा फायदा होगा। देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा के लिए यह इंफ्रास्ट्रक्चर अहम साबित होगा। राज्य विंटर टूरिज्म, विंटर स्पोर्ट्स और वेड इन इंडिया के लिए तेजी से उभर रहा है, वहीं शीतकालीन धार्मिक यात्राओं में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

- पीएम मोदी ने कई जल विद्युत परियोजनाओं का भी दिया तोहफा
- 21वीं सदी का भारत बना रहा विकास की नई भाग्य रेखाएं

पीएम मोदी ने सहारनपुर में किया रोड शो डाट मंदिर में की पूजा-अर्चना

सहारनपुर/बिहारीगढ़/छुटमलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण करने से पूर्व सबसे पहले सहारनपुर में रोड शो किया। प्रधानमंत्री का विमान सुबह करीब 11 बजे उतरा, लेकिन आमजन सुबह 7 बजे से ही कतारों में खड़े होकर उनके दर्शन के लिए उत्सुक दिखाई दिया। जैसे ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का काफिला रोड शो पर निकला, पूरे क्षेत्र में मोदी-मोदी और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठा। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान सिद्धपीठ मां डाट काली मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन की अपील

पीएम मोदी ने कहा कि 16 अप्रैल से संसद में विशेष चर्चा होगी। सभी राजनीतिक दल नारी शक्ति वंदन बिल को मिलकर आगे बढ़ाएं। कहा कि मैंने आज देश की सभी बहनों के नाम एक खुला पत्र लिखा है। बड़े आग्रह के साथ देश की माताओं और बहनों को इस कार्य में शामिल होने का आह्वान किया है। मैं आज देवभूमि से देश के सभी दलों से फिर अपील करूंगा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में समर्थन करें। पीएम मोदी ने कहा कि लंबे इंतजार के बाद संसद ने नारी शक्ति वंदन बिल पास किया है, जो महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार देता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस अधिकार को लागू करने में देरी नहीं होनी चाहिए। 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद होने वाले चुनावों से ही इस व्यवस्था को लागू किया जाना चाहिए, ताकि महिलाओं की भागीदारी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में और मजबूत हो सके।

विकास की नई सौगात लेकर आता है पीएम का दौरा: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक दौरा उत्तराखंड के लिए नई ऊर्जा और विकास की नई सौगात लेकर आता है। उन्होंने कहा आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और उत्तराखंड को 12 हजार करोड़ की लागत से बने एशिया के सबसे लंबे ऐलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की सौगात मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड देश का श्रेष्ठ राज्य बनने के लिए अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ 'विकास भी और विरासत भी' की अवधारणा के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में कार्य कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार अभूतपूर्व काम कर रही है। ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए साल में पूरे देश में दो लाख करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

सम्राट के हाथ होगा बिहार का राजपाट

नीतीश युग का अंत, भाजपा को मिलेगा पहला सीएम

पटना। भाजपा पहली बार बिहार में अपना सीएम बनाने जा रही है। सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। एनडीए के विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी लोक भवन पहुंचे और वहां राज्यपाल से मिलकर नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

सम्राट चौधरी के साथ सभी दलों के प्रमुख भी शामिल थे। अब बुधवार को 11.00 बजे सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। एनडीए की नई सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी लोकभवन पहुंचे हैं। उनके साथ नितिन नवीन और शिवराज सिंह पहुंचे हैं। जदयू की ओर से उमेश सिंह कुशवाहा भी लोकभवन पहुंचे हैं। बिहार विधानसभा के सेंट्रल हाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुन लिया गया। नीतीश कुमार ने उन्हें माला पहनाई। इसमें एनडीए के सभी विधायक और वरिष्ठ नेता पहुंचे हैं। भाजपा नेता नीरज कुमार सिंह ने सम्राट चौधरी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा कि बरसों के बाद भाजपा को यह मौका मिला है। एनडीए का शासन होगा, बिहार सम्राट चौधरी के नेतृत्व में काफी विकास करेगा। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने सम्राट चौधरी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा कि बहुत खुशी की बात है कि सम्राट चौधरी भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए हैं।

- राजभवन पहुंचे, सरकार बनाने का दावा पेश किया, आज सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण

वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटा, 10 मजदूरों की मौत

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 10 मजदूरों की मौत हो गई है। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने 4 मौतों की पुष्टि की है।

वहीं 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फॉर्टिस अस्पताल लाया गया, जहां 6 मजदूरों ने दम तोड़ दिया है। बाकी 12 घायलों की हालत भी गंभीर है। मजदूर 80 फीसदी झुलस गए हैं। घटना डभरा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हर रोज की तरह सामान्य काम चल रहा था। इस दौरान अचानक दोपहर करीब 2 बजे बायलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलसे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और प्रशासन अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्यूब फटने से हादसा हुआ है।

- 30-40 मजदूर झुलसे, 12 की हालत गंभीर, 80 फीसदी जले, परिजनों का हंगामा

अतीत की गलतियों को सुधारेगा दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर

अबूबकर शिब्ली

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार अब राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास को सुदृढ़ औद्योगिक अवसंरचना के साथ जोड़कर देख रही है। जिसके चलते सरकार राज्य के परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के प्रयास में लगी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंगलवार को राष्ट्र को समर्पित किया गया ग्रीनफील्ड दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडोर इसी श्रृंखला की अगली कड़ी है। दरअसल, उत्तर प्रदेश लंबे समय से विकास की दौड़ में एक पिछड़ा राज्य रहा है। जिसका मुख्य कारण वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद राज्य की अर्थव्यवस्था का प्राथमिक क्षेत्र (कृषि) से सीधे तृतीय क्षेत्र (सेवा) में चले जाना रहा है। लगभग तीन दशकों तक द्वितीय क्षेत्र (उद्योग) इस राज्य में उपेक्षित ही रहा। जिसका परिणाम यह हुआ कि राज्य में अपेक्षित रोजगार सृजन नहीं हो पाया, क्योंकि उद्योग ही रोजगार सघन क्षेत्र हैं। इसी उपेक्षा के कारण दीर्घकाल में राज्य सामाजिक आर्थिक विकास की दृष्टि से पिछड़ता चला गया और उत्तर प्रदेश की गिनती 'बीमारू' राज्यों में की जाने लगी। अतीत में हुई इस नीति गतिहीनता से सबक लेते हुए मौजूदा सरकार प्रदेश में उद्योग आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। राज्य में निजी निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर व सुरक्षित परिवहन अवसंरचना पहली और अनिवार्य शर्त है। मंगलवार को प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया दिल्ली देहरादून आर्थिक कॉरिडोर निवेश आकर्षण की दिशा में एक नवीन अध्याय है। यह कॉरिडोर न केवल उत्तराखंड -शेष पृष्ठ दो पर

- राज्य में उद्योग आधारित विकास को मिलेगी गति
- ब्रांड के रूप में स्थापित होगी वुड कार्विंग व होजरी इंडस्ट्री

नोएडा हिंसा के बाद योगी सरकार ने बढ़ाई मजदूरी

नोएडा/लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा में श्रमिकों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद अंतरिम मजदूरी दरों में वृद्धि करते हुए नई दरें एक अप्रैल 2026 से लागू कर दी हैं।

सरकारी आदेश के अनुसार मजदूरी दरों को तीन श्रेणियों गौतमबुद्ध नगर (नोएडा)-गाजियाबाद, नगर निगम क्षेत्र तथा अन्य जिलों में विभाजित किया गया है। गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद -शेष पृष्ठ दो पर

कर्मचारियों के प्रदर्शन में फिर हुआ बवाल

नोएडा। जिले में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार को हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद नोएडा के फेज 2 में प्रदर्शनकारी मंगलवार को फिर से जमा हो गए। उन्होंने पत्थरबाजी की है। हालात को काबू में करने के लिए यहां पुलिस तैनात कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों को भीड़ से हटाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आशा भोसले के निधन पर सोनिया ने परिजनों को लिखा भावुक पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को एक भावुक शोक पत्र लिखा है। श्रीमती गांधी ने आशा भोसले के बेटे आनंद और हेमंत भोसले को संबोधित पत्र में कहा कि आशा भोसले के निधन के साथ भारतीय संगीत का एक स्वर्णिम युग समाप्त हो गया है। उन्होंने आशा जी को एक महान कलाक. ार, प्रतीक और करोड़ों लोगों को अपनी आवाज से खुशी देने वाली हस्ती बताया। पत्र में उनकी बहुमुखी प्रतिभा का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें उन्होंने शास्त्रीय, लोक और पॉप संगीत में अपनी अमिट छाप छोड़ी।

एसएसपी के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट चलाने पर मामला दर्ज

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बडगाम जिले में एसएसपी के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट चलाने और लोगों को प्रभावित करने के आरा. प में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पल्लर बडगाम निवासी समीर अली भट फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट के जरिए चैट के स्क्रीनशॉट साझा कर खुद को एसएसपी का करीबी बताकर लोगों पर प्रभाव डालने की को. शिश कर रहा था। जांच में पाया गया कि आरोपी पहले से कई मामलों में संलिप्त है और वह एसएसपी बडगाम के नाम से फर्जी अकाउंट संचालित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 319 और आईटी अधिनियम की धारा 66-सी के तहत मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

आसमान छूती महंगाई के साथ मजदूरी बढ़ाने की बात वाजिब

नोएडा में वेतन बढ़ाने को श्रमिक आंदोलन सही

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नोएडा में श्रमिकों के वेतन बढ़ाने को लेकर किए गए आंदोलन को सही ठहराते हुए कहा है कि आसमान छूती महंगाई के साथ मजदूरी बढ़ाने की बात वाजिब है और उनकी इस मांग पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान दिया जाना चाहिए।

गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर नोएडा में कल कई कंपनियों में श्रमिकों द्वारा वेतन बढ़ाने के लिए किए आंदोलन का समर्थन किया और कहा कि जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, उसके अनुसार उनकी न्यूनतम मजदूरी भी बढ़नी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वह इस देश के श्रमिकों की आखिरी पुकार थी-जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले एक मजदूर की 12,000 रुपये मासिक आय में से 4,000-7,000 रुपये किराए में चले जाते हैं। जब तक 300 रुपये की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 रुपये सालाना किराया बढ़ा देता है। आय बढ़ने से पहले ही यह बेलगाम महंगाई जीवन का गला घोंट देती है और कर्ज की गहराई में डुबो देती है, यही है 'विकसित भारत' का सच। उन्होंने आगे लिखा कि एक महिला मजदूर ने कहा रसोई गैस के दाम बढ़ते हैं, पर हमारी आय नहीं। इन लोगों ने शायद इस गैस संकट के दौरान अपने घर का चूल्हा जलाने के लिए 5,000 रुपये तक का गैस सिलेंडर खरीदा होगा। यह सिर्फ नोएडा की बात नहीं है और न ही सिर्फ भारत की। दुनियाभर में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं।

■ जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, उसके अनुसार न्यूनतम मजदूरी भी बढ़नी चाहिए: राहुल

पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। मगर अमेरिका के शुल्क युद्ध, वैश्विक महंगाई और बाधित आपूर्ति शृंखला का बोझ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मित्र' उद्योगपतियों पर नहीं पड़ा। इसकी सबसे बड़ी मार उस मजदूर पर पड़ी है, जो दिहाड़ी कमाता है और तभी रोज खाता है। वह मजदूर, जो किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जिसने कोई नीति नहीं बनाईजिसने बस काम किया, चुपचाप, बिना शिकायत और अपने अधिकार की मांग करने पर उसे मिलता क्या है। दबाव और अत्याचार।

संशोधन विधेयक सांसदों को उपलब्ध न कराना लोकतंत्र का मजाक : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि जिस संविधान संशोधन विधेयक को लेकर सरकार 16 अप्रैल से संसद की बैठक बुला रही है, उसे अब तक सांसदों को उपलब्ध न कराना सरकार की मनमानी और लोकतंत्र का मजाक उड़ाने जैसा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को यहां एक बयान में कहा कि सरकार ने पहले 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाने की विपक्ष की मांग ठुकराकर मनमानी की और अब तक सांसदों के साथ इस विधेयक को साझा न कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अवहेलना की है। उन्होंने कहा कि संसद की बैठक 16 अप्रैल से शुरू हो रही है। यह बैठक ऐसे समय बुलाई जा रही है जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार चरम पर होगा।

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे परियोजना का मुख्य आकर्षण है वन्यजीव गलियारारा

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ एक्सप्रेस-वे दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा

सहारनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून तक निर्मित 212 किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे को राष्ट्र को समर्पित किया। यह एक्सप्रेस-वे दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा। करीब तीन वर्ष में तैयार इस एक्सप्रेस-वे पर वाहन बिना रुके तेज गति से संचा. लित हो सकेंगे और दिल्ली से देहरादून की यात्रा लगभग ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी।

परियोजना में 16 प्रवेश एवं निकास प्वाइंट, 12 टोल प्लाजा तथा 76 किलोमीटर सर्विस रोड का निर्माण किया गया है। करीब 13 हजार करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेस-वे पर 62 फ्लाईओवर और 113 अंडरपास बनाए गए हैं। परियोजना में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। वन्यजीवों की आवा. जाही के लिए विशेष अंडरपास तथा हाथियों के लिए सुरक्षित गलियारा विकसित किया गया है। परियोजना का मुख्य आकर्षण 12 किलोमीटर लंबा वन्यजीव गलियारा है। इसके नीचे राजाजी नेशनल पार्क और शिवालिक वन क्षेत्र में हिरण, हाथी तथा अन्य वन्यजीव सुरक्षित रूप से आवागमन कर सकेंगे। गलियारे का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि वाहनों की रोशनी और ध्वनि का वन्यजीवों पर न्यूनतम प्रभाव पड़े।

इस एक्सप्रेस-वे से उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बीच संपर्क मजबूत होगा। इसके साथ ही पर्यटन, व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। राज्यमंत्री जसवंत सैनी और भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा ने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क मार्ग नहीं, बल्कि विकास और रफ्तार का नया मार्ग है।

मायावती ने केंद्र-राज्य सरकारों पर साधा निशाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बी आर अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए देशवासियों, विशेषकर पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का पूरा जीवन गरीबों, वंचिंतों, शोषितों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सम्मान के लिए संघर्ष में बीता। मायावती ने अपने संदेश में कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से समानता और न्याय की गारंटी सुनिश्चित की, जिससे वे अमर हो गए और देश हमेशा उनका कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने बसपा समर्थकों द्वारा पूरे देश में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए धन्यवाद भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्यों की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि बाबा साहेब के मानवतावादी और बहुजन-कल्याणकारी संविधान के उद्देश्यों को सही ढंग से लागू किया गया होता, तो आज देश पूरी तरह आत्मनिर्भर और विकसित बन चुका होता। उन्होंने आरोप लगाया कि अभी भी देश में करोड़ों लोग गरीबी, बेरोजगारी, जातिवाद और शोषण जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

■ संविधान के उद्देश्य सही ढंग से लागू होते, तो देश पूरी तरह आत्मनिर्भर और विकसित बन चुका होता

नोएडा में हिंसा के लिए सरकार जिम्मेदार

इंटेलिजेंस पूरी तरह फेल रही: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने नोएडा में हुई घटना को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इसे सरकार की नाकामी बताते हुए कहा कि इंटेलिजेंस पूरी तरह फेल रही और प्रशासन को पहले से जानकारी होने के बावजूद घटना को होने दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर यह कोई बड़ी साजिश है तो इसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय जनता पार्टी पर आती है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाया जाएगा और उनकी पार्टी बाबा साहब के संविधान पर आधारित समाज की स्थापना करेगी। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि उनसे बड़ा झूठ बोलने वाला कोई संत नहीं है। उन्होंने उन्हें नकली संत बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार का संविधान से कोई सरोकार नहीं है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा नेता हार के डर से भूमिगत हो गए हैं, लेकिन जनता मिलकर उन्हें हराने और सत्ता से हटाने का काम करेगी। उन्होंने भीमराव अंबेडकर के संविधान को ष्लोहे की तलवारष बताते हुए कहा कि यह देश के लोगों को न्याय और सम्मान दिलाने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दौरान बाबा साहब की प्रतिमाओं को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया गया है और चुनाव से पहले बजट के जरिए जनता को गुमराह करने की को. शिश की जाती है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों, पिछड़ों और पीडीए वर्ग के खिलाफ भेदभाव जारी है, हालांकि जनता अब इन साजिशों को समझ चुकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा 400 से अधिक सीटें जीतने और संविधान बदलने के दावे किए गए थे, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने मतदान के जरिए संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है।

अंबेडकर जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने बाबा साहब के आदर्शों को बताया पथप्रदर्शक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' बी आर अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने बाबा साहब के आदर्शों को बताया पथप्रदर्शक बताया। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि बाबा साहब ने समता, न्याय और बंधुत्व के उच्च आदर्शों से आलोकित, समरस एवं समावेशी समाज की मजबूत आधारशिला रखी। भारतीय संविधान के निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है, जिसने देश को लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि अंत्योदय और लोक-कल्याण के प्रति समर्पित बाबा साहब सच्चे अर्थों में मां भारती के अमूल्य रत्न हैं। उनका संपूर्ण जीवन समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब का प्रेरक जीवन और उनके आदर्श हम सभी के लिए सदैव पथप्रदर्शक रहेंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि बाबा साहब के विचारों को आत्मसात कर समाज में समानता, न्याय और समरसता स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स	77550.25
निफ्टी	24050.60
सोना (प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट))	151700
चांदी रु. (प्रति किलो)	239685

पश्चिम एशिया संकट: वाहन उद्योग के लिए अप्रैल में होगी अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली, वार्ता

वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर अप्रैल में अग्नि परीक्षा होगी।

सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने मंगलवार को वाहनों की थोक बिक्री के आंकड़े जारी करने के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि मार्च में उत्पादन प्रभावित नहीं हुआ है, लेकिन अप्रैल में कंपनियां दबाव महसूस कर रही हैं और इस महीने कंपनियों की 'अग्नि परीक्षा' होगी। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि युद्ध लंबा न चले यदि ऐसा होता है वाहनों की बिक्री में एकल अंक की वृद्धि के कुछ अनुमान सही साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल लोग जानकारी लेने के लिए शोरूम में आ रहे हैं, लेकिन खरीदारी का फैसला लेने में देरी कर रहे हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रमुख श्री चंद्रा ने कहा कि अप्रैल के पहले दो सप्ताह में पश्चिम एशिया संकट का दबाव पड़ना शुरू हो गया है और उत्पादन की लागत बढ़ी है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले एल्युमीनियम की आपूर्ति पहले पश्चिम एशिया से होती थी, अब कंपनियां उसका विकल्प खोज रही हैं। उन्होंने कहा अप्रैल में यह साफ होगा कि आपूर्ति बढ़ने की रफ्तार और पहले से मौजूद कलपुर्जों और कच्चे माल के भंडार की खपत की रफ्तार में कितना संतुलन बन पाता है। चंद्रा ने कहा कि वाहन उद्योग में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले प्रोपेन और एलपीजी की कमी चिंताजनक है। कुछ चुनिंदा पेट्रो-रसायन के दाम बढ़ रहे हैं और परिवहन की लागत भी बढ़ी है।

सियाम के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में वाहनों की घरेलू बिक्री 10.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,82,65,519 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 7.9 प्रतिशत बढ़कर 46,43,439 इकाई पर पहुंच गई। दुपहिया की बिक्री 10.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,17,05,974 इकाई पर रही। श्री चंद्रा ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में सभी खंडों में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। सात साल बाद यह स्थिति बनी है जो वाहन निर्माता कंपनियों के लिए खुशखबरी है। उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर की दरों में पिछले साल सितम्बर में की गई कटौती से ग्राहक धारणा मजबूत बनी हुई है।

इंडिगो की चार दिन की सेल, टिकट पर 10 प्रतिशत तक छूट

नई दिल्ली। प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार से चार दिन की सेल की घोषणा की है जिसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर बुकिंग में 10 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। 'समर गेटअवे' सेल के तहत 14 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच बुकिंग कराई जा सकती है, जबकि यात्रा की तारीख 01 जुलाई से 09 अक्टूबर 2026 के बीच होने की शर्त रखी गई है। यात्री इंडिगो की वेबसाइट, मोबाइल एप, एआई-संचालित असिस्टेंट 6ईस्काई, इंडिगो के व्हाट्सएप नंबर (91-70651 45858), या चुनिंदा ट्रैवल पार्टनर के वेबसाइट्स और ऐप के माध्यम से बुकिंग करते समय 'एसयूएमआर 10' (अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में) प्रोमो कोड का उपयोग करके इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं।

वाहनों की घरेलू बिक्री 10.4 प्रतिशत बढ़कर नए रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली।

पहली छमाही के सुस्त प्रदर्शन के बावजूद वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और रेपो दरों में कटौती के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में वाहनों की घरेलू बिक्री 10.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,82,65,519 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पूरे वित्त वर्ष के दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 7.9 प्रतिशत बढ़कर 46,43,439 इकाई पर पहुंच गई। दुपहिया की बिक्री 10.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,17,05,974 इकाई पर रही। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्र ने रिपोर्ट जारी करने के मौके पर बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में सभी खंडों में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। सात साल बाद यह स्थिति बनी है जो वाहन निर्माता कंपनियों के लिए खुशखबरी है।

वित्त वर्ष के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 12.6 प्रतिशत मजबूत वृद्धि देखी गई और यह एक साल पहले के 9,58,679 इकाई से बढ़कर 10,79,871 इकाई पर रही। तिपहिया की बिक्री में भी 12.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 8,36,231 इकाई हो गई। हालांकि तिपहिया के खंड में ई.रिक्शा की बिक्री में 29.6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। श्री चंद्रा ने कहा कि जीएसटी की दरों में पिछले साल सितम्बर में की गई कटौती से ग्राहक धारणा मजबूत बनी हुई है।

इसके साथ ही रिजर्व बैंक द्वारा पिछले साल रेपो दरों में की गई कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती और सरकार द्वारा आयकर छूट की सीमा बढ़ाने से भी बिक्री बढ़ाने में मदद मिली है।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
- HEALTH WITH CARE -
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मैडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

पीएम मोदी...

भी खर्च नहीं होते थे, आज 12 लाख करोड़ से ऊपर होते हैं। उत्तराखंड में ही सवा दो लाख करोड़ से ऊपर की परियोजनाओं पर काम जारी है। कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थी। अब सड़क गांव तक पहुंच रही है। वीरान गांव फिर जीवंत हो रहे हैं।

ये रहे उपस्थित' कार्यक्रम में मंच पर प्रदेश के राज्यपाल ले.ज. (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, विजय बहुगुणा, डा. रमेश पोखरियाल निशंक, तीरथ सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, रेखा आर्य, खजान दास, डा. धन सिंह रावत, सौरभ बहुगुणा, मदन कौशिक, राम सिंह कैड़ा, भरत चौधरी, प्रदीप बत्रा, सांसद अनिल बलूनी, अजय भट्ट, माला राज्यलक्ष्मी शाह, नरेश बंसल उपस्थित रहे। वहीं, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वर्चुअल माध्यम से शामिल हुईं। कार्यक्रम में इनके अलावा उत्तराखंड के विधायकगण, दायित्वधारी, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम जनता मौजूद रही।

अतीत की...

से लेकर दिल्ली तक विकास की एक श्रृंखला स्थापित करेगा, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद के लिए भी विकास के नए द्वार खोलेगा, क्योंकि इस कॉरिडोर का एक तिहाई से अधिक हिस्सा सहारनपुर से होकर गुजरता है। यही कारण है कि यह कॉरिडोर जनपद में परिवहन कनेक्टिविटी और बेहतर जीवन स्तर के साथ ही औद्योगिक विकास के नए अवसर पैदा करेगा। इस कॉरिडोर के किनारे राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक क्लस्टर्स विकसित करने की योजना है। जिससे न सिर्फ पर्याप्त रोजगार सृजन होगा। बल्कि सहारनपुर की वुड कार्विंग और होजरी इंडस्ट्री को भी ब्रांड आधारित उन्नति के अवसर मिलेंगे।

इसके साथ ही यह उत्तराखंड की चारधाम महामार्ग परियोजना के साथ जुड़कर धार्मिक पर्यटन को भी मजबूत करेगा। इतना ही नहीं यह कॉरिडोर वर्तमान में तनाव से गुजर रहे मानव-वन्यजीव संबंधों को भी बेहतर बनाते हुए हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र के साथ संतुलित विकास का वाहक बनेगा। यह हाईवे शिवालिक रेंज में 12 किमी. लंबे वन्यजीव गलियारे के ऊपर से होकर गुजरेगा। जिसमें 6 वन्यजीव व 2 पृथक हाथी अंडरपास शामिल हैं। इससे मानव व वन्यजीव अपने अपने क्षेत्र में संतुलित एवं विकसित जीवन यापन का अनुभव करेंगे। संक्षेप में कहे तो यह कॉरिडोर केंद्र व राज्य सरकार के व्यापक विजन का हिस्सा है, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित सहारनपुर में क्षेत्रीय व पर्यावरणीय संतुलन के साथ सुदृढ़ औद्योगिक अवसंरचना पर केंद्रित है। इससे सामाजिक आर्थिक विकास के नए अवसर उत्पन्न होंगे। साथ ही यह उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने का दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

नोएडा हिंसा...

में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 11,313 रुपये से बढ़ाकर 13,690 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों की 12,445 रुपये से बढ़ाकर 15,059 रुपये तथा कुशल श्रमिकों की 13,940 रुपये से बढ़ाकर 16,868 रुपये कर दी गई है। नगर निगम वाले अन्य शहरों में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 11,313 रुपये से बढ़ाकर 13,006 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों की 12,445 रुपये से बढ़ाकर 14,306 रुपये तथा कुशल श्रमिकों की 13,940 रुपये से बढ़ाकर 16,025 रुपये निर्धारित की गई है। सरकार ने सोशल मीडिया पर न्यूनतम मजदूरी 20 हजार रुपये प्रतिमाह तय किए जाने के दावों को भ्रामक और निराधार बताया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति की बैठक के बाद सोमवार देर रात लिया गया।

प. बंगाल विधानसभा चुनाव में 2,926 उम्मीदवार मैदान में

नई दिल्ली/कोलकाता। चुनाव आयोग ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की है। चुनाव आयोग के अनुसार नामांकन वापसी की अंतिम तिथि के बाद राज्य में कुल 2,926 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर 1,478 उम्मीदवार और दूसरे चरण में 142 सीटों पर 1,448 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि नौ अप्रैल थी, जबकि 10 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटिनी) और 13 अप्रैल को नाम वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। चुनाव कार्यक्रम के तहत दूसरे चरण के लिए मतदान 29 अप्रैल को कराया जाएगा।

अंबेडकर के विचारों से प्रेरित हैं सरकार की योजनाएं: नितिन

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को कहा कि सरकार की योजनाएं बाबा साहब अंबेडकर के विचारों से प्रेरित है और इसी का अनुकरण करते हुए केंद्र सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रही है।

श्री नितिन ने आज यहां भाजपा मुख्यालय में संविधान के शिल्पकार डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलित अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से बाबासाहेब को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय ने समावेशी विकास के जरिए विकसित भारत का सपना देखा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार साकार करने का प्रयास कर रही है।

महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाते हुए केंद्र सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अतीत में अंबेडकर को उचित सम्मान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित सरकार बनने के बाद ही बाबा. साहेब को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थों का विकास, संविधान दिवस की शुरुआत और अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना जैसे कदम उठाकर उनके विच. ारों को सम्मान दिया है। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलेभर में हर्षोल्लास से मनाई डा. अम्बेडकर जयंती

शोभायात्रा में शामिल झांकियों ने मोहा मन

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्मोहत्सव हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया।नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें शामिल झाकियां आकर्षण का केंद्र रही।

मंगलवार को आधुनिक भारत के निर्माता भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर का जन्म दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया।एक शाम बाबा साहब के नाम की पूर्व संध्या पर स्टार सिंगर अनुज जाटव पियावली ने अपने गीतों से कार्यक्रम में धूम मचाई। स्कूली बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए और कवियों ने बाबा साहब की कविताएं पढ़ी। दोपहर को मोहल्ला भीम नगर कुरैशी स्थित संत रविदास मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। चेयरपर्सन शशि जैन , एसएमएसआईटी के अध्यक्ष राज. कुमार अरुण, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कमलेश आर्य, हेम सिंह आर्य व हरि सिंह मौर्य ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शोभा यात्रा का उदघाटन किया। शोभायात्रा मे स्ट्रीट लाइट में पढ़ते बाबा साहब, बैरिस्टर के रूप में बाबा साहब एवं अंबेडकर जी की पालकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा मोहल्ला भीम नगर, तहसील कोतवाली मार्ग, कोट चौराहा व आईएम इंटर कॉलेज मार्ग से होती हुई आंबेडकर पार्क में एक सभा में परिवर्तित हुई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अभिषेक सिंह भारती, डॉ. डी चंद्रा, शोभित सिंह, अरविंद कुमार, मास्टर करतार सिंह, एडवोकेट पवन कुमार, भीम बहादुर मौर्य, सुरेंद्र व्यास मास्टर मुन्ना लाल गौतम, देवेंद्र भगत,आकाश सागर, अवधेश कुमार, एडवोकेट सुंदर लाल, आशीष चंद्रा, शिवकुमार आदि मौजूद रहे।

अम्बेडकर ने दबे कुचलों को उनका हक दिलाया: तंवर

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। सांसद कंवर सिंह ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने देश से छुआछूत मिटा लोगों को बराबरी का हक दिलाया। उनके द्वारा लिखा गया संविधान विश्व का सबसे शानदार संविधान है।

भाजपा जिला कार्यालय पर बाबा साहब भारत रत्न भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर जिला संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर अमरोहा लोकसभा सांसद कंवर सिंह तंवर जी ने भारत के संविधान के प्रति लोगों को कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सभी ने बाबा साहब श्री भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला गया इस अवसर पर जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, ऋषिपाल नागर बृजेश चौधरी, प्रेम सिंह सैनी, राजीव चौहान, भूप सिंह बेनीवाल, ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र ढिल्लो, ममता गुर्जर, राम सिंह सैनी, सुनील गुप्ता, हिमांशु त्यागी, अतुल चौधरी, शुभम जालान, सुधीर चौहान, पवनीत दिवाकर, विकास बाबू प्रजापति, भगवंत चौहान, मनोज वर्मा, प्रमोद गुप्ता, श्रीमती आशु अग्रवाल, मनीष दक्ष, पूरन सिंह सैनी, चंद्रभान भाटी, रमेश कलाल, केएस सैनी आदि मौजूद रहे।

अम्बेडकर के रास्ते पर चलकर मिलेगी तरक्की: कमाल

बाबा साहेब ने लोगों को दिलाया बराबरी का हक

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। कांठ विधायक कमाल अख्तर ने कहा कि बाबा साहेब के संघर्षों से ही समाज में बदलाव आयेगा।

मंगलवार को संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कांठ विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अखध्तर ने हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गाँवों का दौरा किया। उन्होंने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कमाल अख्तर ने कहा कि बाबा साहेब का पूरा जीवन शोषितों और वंचितों के अधिकारों के लिए समर्पित था। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समाज की एकता ही सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी ताकत है। पूर्व मंत्री ने युवाओं से बाबा साहेब के मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा, आज के दौर में संविधान के मूल्यों की रक्षा करना और हर वर्ग को सम्मान दिलाना हमारा सामूहिक उत्तरदायित्व है। इस दौरान मिंटू जाटव, नवल जाटव, अखिलेश जाटव, विजय, आरिफ अख्तर, शाहनवाज अंसारी, बदर कुरैशी, यूसुफ कुरैशी समेत बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

बाबा साहेब के विचारों पर चलने का दिया संदेश

नगर पालिका में धूमधाम से मनी जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर मंगलवार को नगर पालिका परिषद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प दोहराया।

इस दौरान अधिशासी अधिकारी अवधेश वर्मा, लेखाकार सोनू पिवाल, वरिष्ठ लिपिक उमेश सैनी, नामित सभासद प्रत्यक्ष शर्मा, दिवेश तंवर, जितेश कुमार, निशांत युद्धवंशी समेत पालिका के कर्मचारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने बाबा साहब के संविधान निर्माण और सामाजिक समरसता में दिए योगदान को याद किया। इसके बाद पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नगर के मोहल्ला सुभाष नगर स्थित अंबेडकर पार्क, ग्राम खाई खेड़ा के अंबेडकर पार्क तथा कमाल. पुरा काजी गांव स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचे। यहां भी उन्होंने बाबा साहब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के विच. ारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश को संविधान देकर हर वर्ग को सम्मान और बराबरी का अधिकार दिलाया। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में शिक्षा, स्वच्छता और समानता का संदेश फैलाना चाहिए। नगर पालिका बाबा साहब के आदर्शों के अनुरूप नगर के विकास और जनसेवा के लिए लगातार काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान नगर में श्रद्धा और सम्मान का माहौल बना रहा। लोगों ने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए उन्हें सच्चा राष्ट्र निर्माता बताया।

अम्बेडकर का जीवन न्याय के लिए समर्पित रहा

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। शिक्षक विधायक डा. हरि सिंह ढिल्लो ने संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर की अतरासी चौराहा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डा. अम्बेडकर का जीवन संघर्ष, समानता, न्याय की स्थापना के लिए समर्पित रहा। इस अवसर पर भूप सिंह, विकास बाबू, श्रीमति रेखा, जीत सिंह, राजीव चौधरी, अनूप चौधरी, संदीप चौधरी आदि मौजूद रहे।

अम्बेडकर ने सभी को बराबरी का हक दिलाया: महबूब

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। लोक लेखा समिति के सभापति एवं सदर विधायक महबूब अली ने कहा कि डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा लिखे संविधान में सभी वर्गो के धर्मो को बेहतर प्रतिनिधित्व, भेदभाव से आजादी तथा एक लोकतांत्रिक संविधान दिया। अम्बेडकर आजाद भारत के पहले कानून मंत्री रहे। कुछ लोगों की नकारात्मक मानसिकता के बावजूद वह सामाजिक न्याय को बचाने में सफल रहे।

नगर में धूमधाम से निकाली गयी डा. अम्बेडकर शोभायात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित शोभा यात्रा में मौजूद मनमोहक झांकियो ने मन को मोह लिया।

मंगलवार को अंबेडकर जयंती पर रहरा बस स्टैंड चौराहा से निकाली गई शोभायात्रा को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। जय भीम के नारों से शहर गूँज उठा। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर पूरे शहर में भारी उत्साह और उल्लास देखा गया। सुबह से ही विभिन्न संगठनों और अनुयायियों द्वारा बाबा साहब को श्रद्धांजलि देने का सिलसिला शुरू हो गया था। जिसने दोपहर होते-होते एक विशाल भव्य शोभा यात्रा का रूप ले लिया। नीले रंग में रंगा शहर नजर आ रहा था। अंबेडकर चौराहे पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। यात्रा में हजारों की संख्या में लोग हाथों में पंचशील के झंडे और बाबा साहब के चित्र लेकर शामिल हुए। पूरा मार्ग जय भीम और जब तक सूरज चाँद रहेगा, बाबा तेरा नाम रहेगा... के उद्घोष से गूँज उठा। युवाओं की टोली डीजे की धुनों पर थिरकती नजर आई। जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया। घ्आकर्षक झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। शोभा यात्रा में बाबा साहब के जीवन संघर्ष, भारतीय संविधान के निर्माण और महिला सशक्तिकरण पर आधारित सजीव झांकियां निकाली गईं। इन झांकियों ने न केवल लोगों का मन मोहा, बल्कि नई पीढ़ी को बाबा साहब के विचारों से भी रूबरू कराया। सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। घ्यात्रा के समापन पर वक्ताओं ने बाबा साहब के शशिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करोश के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया। देर शाम तक शहर में उत्सव का माहौल बना रहा। व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता द्वारा व्यापारियों के साथ शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की गई। इससे पहले विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, पालिक. ाध्यक्ष राजपाल सैनी ने शोभा यात्रा का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, रामवीर सिंह, विनोद गौतम, लता सागर, महेश सागर,चंचल सागर, सोम सिंह, जगत सिंह, अरविंद अन्ना, नवल कुमार, सुशील भगत जी, नवाब सैफी, फतेहचंद, जयपाल सिंह, राजेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू, मुखिया जाटव, अशोक मौर्य आदि मौजूद थे।

जयंती पर बाबा साहेब को किया नमन

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। रामसरन एवं सुशीला आनंद हाई स्कूल में डॉ० भीमराव अम्बेडकर जयंती जयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंगलवार को भारतीय संविधान निर्माता, आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं भारत रत्न डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं छात्र/छात्राओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक श्री सुशील चन्द सक्सेना ने बताया कि अम्बेडकर जी ने संविधान निर्माण कर भारतवर्ष को एक नई दशा व दिशा दी। इस अवसर पर निशांत त्यागी, सोमवती कश्यप, अंशु त्यागी, अनुराधा चौधरी, भावना सक्सेना, मंजरी दीक्षित, नीलम सक्सेना मौजूद रहे।

बाबा साहेब के जयघोष से गुंजायमान हुआ नगर

शाह टाइम्स संवाददाता

सैदनगली। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्षा डॉ. अनुकृति चौधरी ने फीता काटकर किया। इस दौरान नीले झंडों के साथ बाबा साहब के जयघोष से पूरा कस्बा गुंजायमान हो उठा।

जुलूस पूरे बाजार और बस स्टैंड मार्ग से होता हुआ अंबेडकर मूर्ति पर जाकर संपन्न हुआ। रास्ते में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर जुलूस का जोरदार स्वागत किया गया। शोभायात्रा में विभिन्न प्रकार की मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भीम नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोग हाथों में नीले झंडे लेकर उत्साह के साथ शामिल हुए।इस गौरवशाली अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अभिनव कौशिक, विजयपाल सैनी, दीपक प्रधान और वीर सिंह सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। जुलूस के सफल आयोजन में संघ के अध्यक्ष रवि कुमार, उपाध्यक्ष सतीश कुमार, मंत्री शिवम कुमार, कोषाध्यक्ष दीपक कुमार, संगठन मंत्री राकेश कुमार, संयुक्त मंत्री विकास सागर, रॉकी सागर, रोहित सागर, अरविंद घोष,भाजपा जिला चंद्रपाल सैनी, पूर्व प्रधान दीपू अवधेश, सचिन दीवान, कौशल कुमार, परविंदर, समर पाल सिंह, दिनेश सिंह और शिवम कुमार , बदन सिंह गौतम, नीटू भाटी, जगपाल कटारिया, सभासद अमित गुर्जर, सभासद अमित भाटी आदि का विशेष सहयोग रहा। सभी ने बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया।

वाईएमएस में धूमधाम से मनी अम्बेडकर जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। मंगलवार को नगर के वाईएमएस पीजी कॉलेज में भारत रत्न, संविधान निर्माता और महान समाज सुधारक डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज परिसर में स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा पर फूल-माला और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। महाविद्यालय के सभी प्रवक्ताओं और स्टाफ ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक रियाज अहमद सैफी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। कार्यक्रम के दौरान मौ. हनीफ, इंद्रबहादुर सिंह, संजय सिंह, सतेंद्र सिंह, ब्रह्मदेव, सानिया, सार्थक सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

शोभायात्रा में सजी झांकियों ने किया मंत्रमुग्ध

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डा. अम्बेडकर जयंती पर नगर में भव्य रूप से शोभायात्रा निकाली गयी। इस दौरान सजी झांकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कस्बे में जाटव कॉलोनी से डॉ आंबेडकर जयंती का शुभारंभ हुआ। जिसमें चार रथ से साथ झांकियां निकाली गई। डीजे के साथ डॉक्टर अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। शोभायात्रा अमरोहा रोड चौकीदरान से होती हुई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के फ्लाई ओवर के नीचे से होती हुई मोहल्ला खेड़ा जोया चौकी से होते हुए जाटव कॉलोनी मे जाकर समाप्त हुई। इस मौके पर अध्यक्ष सोमराज सिंह, राजवीर सिंह, महिपाल सिंह, रवि कुमार, गुड्डू सिंह, ठाकुर सिंह ,राम अवतार, जीवन सिंह, कैलाश सिंह, छोटू सिंह,अजय अंबेडकर कमल सिंह आदेश सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कलेक्ट्रेट, विकास भवन सहित सभी तहसीलों में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि बाबा साहेब के सिद्धांतों को केवल मनाने तक सीमित न रखकर उन्हें दैनिक जीवन और कार्यों में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि समानता, न्याय और सभी को बराबर अवसर देना ही बाबा साहेब का मूल संदेश है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्यों में निष्पक्षता रखें और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। उन्होंने महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति बाबा साहेब के योगदान को भी याद किया। अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह ने बाबा साहेब को भारतीय संविधान का प्रमुख निर्माता बताते हुए उनके संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला, जबकि अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने उनके विचारों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मसीह नजम, शशिभूषण पाठक सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

युवाओं से नशामुक्ति का किया आह्वान

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। भारत रत्न, संविधान शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मोहल्ला सुभाष नगर स्थित बाबा साहब पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान पालिका अध्यक्ष राजेश सैनी ने कमेटी के पदाधिकारियों और क्षेत्रवासियों के साथ बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश सैनी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय की मिसाल है। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष शीतल जाटव, नौबहार सिंह, पूर्व सभासद चित्रेंद्र, निगम जाटव, जगमोहन जाटव, डॉ. एस. खान, हरिओम जाटव, मास्टर दिलीप जाटव, हरिओम एडवोकेट, संतराम जाटव, भाजपा पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सौरभ सैनी, रामकिशोर, शिवलाल, संजीव सैनी मौजूद रहे।

डॉ.अंबेडकर के सिद्धान्तों पर चलकर देश व समाज को आगे बढ़ाएं

धूमधाम से मनी भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती, शहर में निकली शोभायात्रा

गजरौला। डॉ.अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते भूपेन्द्र चौधरी।

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती नगर व क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान कई स्थानों पर शोभायात्राएं भी निकाली गईं, जिनमें डॉ.अंबेडकर के जीवन से जुड़े प्रसंगो को सुन्दर झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

मंगलवार को डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में चौपला स्थित अंबेडकर पार्क में आयोजित जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल के डीआईजी डॉ.नरेन्द्र सिंह ने कहा कि, डॉ. भीमराव अंबेडकर महान विचारक, सामाजिक समरसता के शिल्पकार एवं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के संविधान निर्माता हैं। हमें उनके बताए सिद्धान्तों पर चलकर देश व समाज को आगे बढ़ाना चाहिए। यहां पर चेयरपर्सन राजेन्द्री उर्फ उमा देवी ने कहा कि, कहा कि डॉ.अंबेडकर ने दबे, कुचले, शोषित, पिछड़े, कमजोर की आवाज उठाई और उनका अधिकार दिलाया। उनका व्यक्तित्व हम सबके लिए वंदनीय हैं। यहां पर पूर्व विधायक हरपाल सिंह, पूर्व विधायक अशफाक अली खां, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कमलेश आर्या, रेडियोमैन राम सिंह बौद्ध, पीसीएस सतीश चंद्रा, वन क्षेत्राधिकारी गढ़ रेंज करन सिंह, भाजपा नेता हेम

शेखचिल्ली ने दर्शकों को अपनी अदाकारी से लुभाया

सिंह आर्य, भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष रामरतन सिंह, अंबेडकर युवक संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश चन्द मौर्य, विपिन सागर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधन करके डॉ.अंबेडकर के जीवन दर्शन पर रोशनी डाली। यहां पर समिति के अध्यक्ष महेश प्रधान, जयवीर सिंह, मुकेश कुमार, किरनपाल सिंह, बीपी सिंह, रविराज सिंह, डॉ.पृथी सिंह, प्रो.ओमकार सिंह, डॉ. सुरेन्द्रपाल सिंह, ओमप्रकाश त्रिपाठी, होरी सिंह, डॉ.दीपक गंग. वार, दीपाली गंगवार, डॉ.राजीव शुक्ल, डॉ.रविन्द्र शुक्ल, डॉ.डीएस हर्ष, परमेश्वरी लाल, निर्मल सिंह, ऋषभ मौर्य, दीपचंद, पीतम सिंह आदि मौजूद रहे। यहां पर कलाकार हरिराम तूफान उर्फ शेखचिल्ली ने डॉ.अंबेडकर के जीवन से जुड़े प्रसंगों को अपनी शानदार प्रस्तुतियों से यादगार बना दिया। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष इंद्रवती ने भी अपने आवास पर डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्सास के साथ मनाई। इस मौके पर बलवीर सिंह, मीनाक्षी चौधरी, विपिन कुमार, समीक्षा चौधरी, धर्मेश चंद्रा, दिनेश चंद्रा, टीकाराम, रिंकू सागर आदि मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी ने पार्टी कार्यालय पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्सास के साथ मनाई। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह, मंडलाध्यक्ष सरजीत सिंह, किसान प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष हरपाल सिंह, पुष्पराज चौधरी, हरपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, अमित चौधरी, प्रदीप जाटव आदि मौजूद रहे। मिशन सुरक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने फाजलपुर में डॉ.अंबेडकर की जयंती मनाई। इस मौके पर प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार, सचिन पिंटू, अरुण, कुलदीप सिंह, रोहित कुमार, विकास कुमार आदि मौजूद रहे। वहीं डॉ.अंबेडकर नव युवक संघ के तत्वाधान में नगर के अंबेडकर नगर में बाबा साहब की जयंती धूमधाम से मनाई। यहां पर केक काटकर और मिष्ठान वितरित किया गया। यहां पर पूर्व विधायक हरपाल सिंह, सभासद रौनकी, अरविंद कुमार, रामरतन सिंह, रवि. राज सिंह आदि ने यहां शोभायात्रा को झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर कपिल कुमार, नितिन कुमार, कलुआ सिंह, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे। नगर के वार्ड संख्या-13 बुद्धनगर में डॉ.अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस मौके पर फुरकान अली, अजय पाल, अमीचंद, गुरूदेव सिंह, देवेन्द्र सिंह, इकबाल अहमद, जयविंद्र, प्रियंक, आकिल कस्सार आदि मौजूद रहे। वहीं नगर ब्राह्मण सभा के द्वारा पुष्पवर्षा करके डॉ. अंबेडकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ. रविभूषण शर्मा, कृष्ण अवतार शर्मा, प्रमोद उपाध्याय, रोहित शर्मा, उत्तम शर्मा, देवराज शर्मा आदि सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला। पूर्व विधायक अशफाक खां को स्मृति चिन्ह देते पदाधिकारी।

गजरौला। डॉ.अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं चेयरपर्सन राजेन्द्री उर्फ उमा देवी एवं अन्य।

बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चलें:भूपेन्द्र

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने धनौरा विधानसभा के गजरौला ब्लॉक के ग्राम सलेमपुर गोसाई, बैरमपुर भूड, चौड़पुर माफी आदि गांवो में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस मौके पर युवा नेता अमन सिरोही, कुलदीप देवल, अनिल प्रधान, संजय प्रधान, रविंद्र प्रधान, अरुण चौधरी, सतेंद्र चौधरी, विपिन चौधरी,, चिराग वर्मा, विशाल वाल्मीकि, निशांत राजपूत, नेमपाल जाटव, प्रशांत जाटव आदि मौजूद रहे।

मकान बेचने के नाम पर साढ़े 17 लाख ठगे

कोर्ट के आदेश पर दम्पति के खिलाफ रिपोर्ट

शाह टाइम्स संवाददाता
जोया। मकान बेचने का सौदा तक करने के बाद 17 लाख 50 हजार रुपये ले लिए तथा बाद में मकान का बैनामा नहीं कराया। जब पैसे मांगे तो मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में अदालत के आदेश पर दंपती के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

यह मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र से जुड़ा है। बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव लखमिया निवासी अशांत सिंह का जान पहचान रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव कलाली निवासी सोनू कुमार से थी। सोनू ने अशांत सिंह से अमरो. हा में सपा कार्यालय के पास अपना मकान बताया था। कहा था कि वह मकान को बेच रहा है। अशांत सिंह व उसके पिता ने मकान देखा तथा खरीदने की बात कही। दोनों पक्षों में 21 लाख रुपये में मकान का सौदा तय हो गया। जिस पर अशांत सिंह ने डेढ़ लाख रुपये नकद देने के साथ ही 15 लाख रुपये सोनू व उसकी पत्नी पिंकी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। शेष पैसे बैनामे पर देने की बात तय हो गई। आरोप है कि सोनू व उसकी पत्नी ने मकान का बैनामा नहीं कराया तथा टालते रहे। जब पीडित ने पैसे मांगे तो जल्दी ही लौटाने का वादा किया। इस मामले में पंचायत भी हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। 25 जनवरी को अशांत डिडौली के गांव इकौंदा स्थित रिश्तेदारी से घर लौट रहा था। आरा. प है कि रास्ते में सोनू, उसकी पत्नी पिंकी व दो अज्ञात लोगों ने घेर लिया तथा मारपीट की। पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। पीडित की तहरीर पर डिडौली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की थी। जिस पर उसने अदालत की शरण ली थी। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र बालियान ने बताया कि इस मामले में अदालत के आदेश पर सोनू सिंह, पिंकी व दो अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

ट्रैक्टर से तोड़े खेत में लगे खम्भे

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। जमीन को लेकर चल रहे विवाद के चलते किसान के खेत में खड़े सीमेंट के खंभे ट्रैक्टर चलाकर तोड़ दिए। यह मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव फतेहपुर जिवाई का है। यहां रहने वाले धर्म सिंह का आरोप है कि गांव के ही जितेंद्र उर्फ बल्लू व हरिओम का खेत उनके खेत के पास में है। वह आए दिन खेत की मेड़ तोड़ देते हैं। इसलिए उन्होंने खेत में सीमेंट के खंभे खड़े कर दिए थे। आरोप लगाया कि दोनों ने ट्रैक्टर से वह खंभे तोड़ दिए हैं। विरोध करने पर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र बालियान ने बताया कि धर्मसिंह की तहरीर पर दोनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की जांच की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटरों की चैकिंग करने पर जोर

पुलिस अधीक्षक ने किया कोतवाली का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता
जोया। एसपी लखन सिंह यादव मंगलवार को डिडौली कोतवाली पहुंचे। उन्होंने कोतवाली में बने महिला हेल्प डेस्क, कार्यालय अभिलेख, मैस, थाना परिसर व ऑपरेशन दृष्टि के तहत स्थापित किए गए सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर अधीनस्थ को दिशा-निर्देश दिए। मैस का निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं भोजन की गुणवता को परखा। त्योहार रजिस्टर, टॉप-10 अपराधियों की सूची का अवलोकन कर अपराधियों पर और अधिक प्रभावी कार्रवाई करने की बात कही। हिस्ट्रीशीटरों की समय-समय पर चेकिंग करने एवं फ्लाई सीट में चेकिंग की प्रविष्टियां पूर्ण कराने के लिए आदेश दिया। प्रभारी निरीक्षक को महिला संबंधित शिकायतों/अपराधों को प्राथमिकता पर लेते हुए गुण-दोष के आधार पर निष्पक्ष, त्वरित, प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मिशन शक्ति अभियान के तहत अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित कराकर महिलाओं को जागरुक करने की बात कही। आम जनता के लिये स्वच्छ वातावरण स्थापित करते हुए जन सामान्य के बैठने एवं स्वच्छ पेयजल व प्रसाधन आदि की व्यवस्था करने तथा थाने को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान के साथ वृक्षारोपण करने पर भी जोर दिया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार बालियान समेत अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

लव मैरिज से खफा परिजनों ने बोला हमला

ससुराल में की तोड़फोड़, 21 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता
नौगांवा सादात। प्रेम विवाह से नाराज युवती के परिजनों ने उसके ससुराल पर धावा बोलकर जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि घर में तोड़फोड़, मारपीट के साथ नकदी और जेवरात भी लूट लिए गए। पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने पर पीड़ित ने डीआईजी से शिकायत की, जिसके बाद 21 नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मामला नौगावां सादात थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाले एक किसान की रिश्तेदारी शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में है। किसान के बेटे का प्रेम प्रसंग रिश्तेदार युवती से चल रहा था। करीब दो महीना पहले दोनों घर से लापता हो गए थे। बालिग होने पर दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली थी। धार्मिक रीति रिवाज के मुता. बिक मंदिर में जाकर सात फेरे भी लिए थे। वहीं, बेटी के लापता होने के बाद परिजनों ने देहात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में पुलिस ने प्रेमी युगल को बरामद कर लिया था। अदालत में युवती ने प्रेमी के साथ जाने की इच्छा जताई थी लिहाजा कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उसे प्रेमी के सुपुर्द कर दिया था। इसके बाद युवती अपनी ससुराल चली गई थी। आरोप है कि युवती के परिजनों ने बीती 3 अप्रैल को बेटी की ससुराल में जाकर धावा बोल दिया। घर में तोड़फोड़ की तथा मारपीट की। जान से मारने की धमकी भी दी। आरोप है कि 33 हजार रुपये और जेवरात भी लूट लिए। थाना पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़ित ने शिकायती पत्र डीआइजी को दिया था। सोमवार रात को नौगावां सादात पुलिस ने इस मामले में डीआइजी के आदेश पर 21 लोगों को नामजद करते हुए 8-10 अज्ञात पर भी एफआईआर दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने मामले में जांच शुरू करने की बात कही।

नगर पालिका में बाबा साहेब की जयंती मनाई

शाह टाइम्स संवाददाता अमरोहा। नगर पालिका में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकी जयंती धूमधाम से मनायी गयी। इस दौरान उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित किये गये। पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि जैन, अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार व पालिका के सभासदगण व पालिका स्टॉफ द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उनके जीवन व समाज के लिए किये गए महान कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शो व मूल्यों को जीवन मे आत्मसात किये जाने का आह्वान किया गया।

बाबा साहब का जीवन संघर्ष का प्रतीकः तरारा

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। विधायक राजीव तरारा ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चोहड़पुर माफी, वारसाबाद, कलाली, मोहद्दीनपुर, सुजमना, चकनवाला, नौनेर, सलेमपुर गोसाई, रतनपुर, ढकिया भूड़, अख्त्यारपुर भूड़, वास. ीपुर,अलीपुरा, शाहपुर, रझेड़ा, कमालपुर, काजी आदि गांवो में आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में पहुंचकर बाबा साहब को नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने देश को ऐसा संविधान दिया जिसने समाज के हर वर्ग को अधिकार और सम्मान दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस मौके पर पवन कुमार, सतवीर सिंह, सतपाल पाल, सुरेंद्र सिंह, निहार त्यागी, विनोद, भारत सिंह, गौरव सागर, सुशील सिद्धू आदि मौजूद रहे।

छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। 13 व 09 वर्ष की दो सगी बहनों के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करके चालान कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र में एक किसान अपने परिवार के सदस्यों के साथ गेहूं की कटाई कर रहा था। उसकी 13 व 09 वर्ष की बेटी भी खेत पर थीं। आरोप है कि गांव शाहपुर निवासी तसुव्वर ने दोनों बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ की। बालिकाओं ने शोर मचाया तो उनका पिता बचाने दौड़ा। पिता को आता देखकर आरोपी वहां से भाग गया। किसान ने थाने पहुंचकर आरोपी के विरूद्ध तहरीर दी। पुलिस ने मंगलवार को पुलिस ने आरोपी तसुव्वर को गिरफ्तार करके चालान किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसएसआई अभिलाष प्रधान व कांस्टेबल बंटी कुमार शामिल रहे।

चोरों ने सिपाही व कारोबारी के घर खंगाले

दस हजार की नकदी समेत सात लाख के जेवर चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता
अमरोहा। बेखौफ चोरों ने सिपाही व कारोबारी के मकान को निशाना बनाते हुए दस हजार रूपये की नकदी समेत करीब सात लाख के जेवर चोरी कर लिये। घटना उस समय हुई जब मकान मालिक और किरायेदार दोनों परिवार बाहर गए हुए थे, जिससे चोरों को मौका मिल गया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

घटना मंडी समिति रोड पर स्थित मकान की है। यहां रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव चांदनगर निवासी फौजी यशपाल सिंह का बड़ा मकान है। फिलहाल समय यशपाल सिंह की तैनाती पंजाब में चल रही है। इसके चलते यह मकान उन्होंने गांव मूंढ़ा मुकारी निवासी कारोबारी गौरव चौधरी को दे दिया था। गौरव चौधरी यहां परिवार के साथ रहते हैं। जबकि कुछ दिन पहले दूसरी मंजिल पर मूल रूप से मुजफ्फरनगर के गांव आर्यपुरी निवासी सिपाही अमन राज पत्नी राधेश के साथ यहां किराए पर रहने आए थे। अमन राज की तैनाती पुलिस लाइन में चल रही है। 20 मार्च को वह वीआईपी ड्यूटी के लिए आयोध्या चले गए थे जबकि उनकी पत्नी राधेश भी महिला थाने में सिपाही हैं तथा इन दिनों वह चाइल्ड केयर लीव पर अलीगढ़ स्थित अपने मायके गई हुई हैं। लिहाजा उनके कमरे में ताला लगा हुआ था। वहीं गौरव चौधरी सोमवार शाम को मकान पर ताला लगाकर परिवार समेत बालाजी दर्शन के लिए राजस्थान चले गए थे। रात में किसी समय चोरों ने मकान का ताला तोड़ लिया और अंदर दाखिल हो गए। चोर यहां से गौरव चौधरी के घर से एक लाख रुपये की नकदी तथा करीब छह लाख रुपये कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए जबकि अमन राज के मकान से 10 हजार रुपये की नकदी व लगभग सात लाख रुपये के जेवरात समेट लिए। इसके अलावा चोरों ने पास ही स्थित ताराचंद, ओमवीर सिंह व भुवनेश के मकान के भी ताले तोड़ लिए लेकिन तीनों मकान खाली थे। परिवार के लोगों को घटना की जानकारी मंगलवार सुबह में हुई। मोहल्ले में खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सीओ अवधभान भदौरिया व थाना प्रभारी शौकेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। दोनों ने घटना की जानकारी ली। फोरेंसिंक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। पीड़ित परिवारों ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दे दी है। सीओ की ओर से जल्दी घटना का खुलासा करने की बात कही गई है।

vkmV lkfl x delpkfj ;k dk 'kk"k.k cnk'r ugh% çnhi

vyhx<A नगर निगम में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का किसी भी तरह का शोषण बर्दाश्त नहीं होगा। कर्मचारियों की समस्याओं का शीध्र निदान नहीं किया गया तो सभी कर्मचारी संघर्ष के लिए तैयार रहें उक्त विचार श्रमिक नेता प्रदीप शर्मा ने नगर निगम कर्मचारी यूनियन की आवश्यक बैठक में व्यक किए। नगर निगम कर्मचारी यूनियन, अलीगढ़ की एक महत्वपूर्ण बैठक भारतीय मजदूर संघ जिला कार्यालय, रेलवे स्टेशन रोड, मधेपुरा में संपन्न हुई। बैठक में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए सभी सदस्यों का पटका पहनाकर सम्मान किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ श्रमिक नेता श्री प्रदीप शर्मा ने की, जिसमें बड़ी संख्या में श्रमिकों एवं विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अध्यक्षता करते हुए श्री प्रदीप शर्मा ने कहा कि यदि श्रमिक संगठित रहेंगे, तो उनकी कोई भी जायज मांग रोकी नहीं जा सकती। उन्होंने नगर निगम में व्याप्त वेतन विसंगतियों एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के शोषण के खिलाफ निरंतर संघर्ष जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार सत्ताधारी दल एकजुट हो सकते हैं, उसी प्रकार श्रमिक संगठनों को भी एकजुट होकर मजदूरों के हितों की रक्षा करनी चाहिए। इसके उपरांत संभाग संगठन मंत्री श्री शंकर लाल जी ने संगठन के इतिहास और विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 23 जुलाई 1955 को स्थापित भारतीय मजदूर संघ ने राष्ट्रहित में कार्य करते हुए श्रमिक कल्याण और औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है। उन्होंने संगठन के मूलमंत्र "देश के हित में करेंगे काम, काम लेंगे पूरे दम" को दोहराते हुए कहा कि न्यूनतम मजदूरी श्रमिकों का अधिकार है और इसे सुनिश्चित कराया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष (रोडवेज) श्री विनोद शर्मा ने कहा कि श्रमिकों को अपने अधिकारों के लिए संगठित होना अत्यंत आवश्यक है। एकजुट होकर उठाई गई आवाज ही संगठन को मजबूत बनाती है और मांगों को पूरा कराने में निर्णायक भूमिका निभाती है। बैठक में भगवान सिंह ने यह गंभीर मुद्दा उठाया कि नगर निगम में 20 वर्षों की सेवा के बावजूद उनका स्थानांतरण किया जा रहा है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। वहीं, शेखर जीवन (ड्राइवर संघ अध्यक्ष) ने भी कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

बाबा साहेब डॉ० अम्बेडकर जन्मजयन्ती पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

y[kuÅA कार्यक्रम से पूर्व बाबा साहेब की प्रतिमा पर डॉ0 अम्बेडकर पार्क में माल्यार्पण कार्यक्रम किया गया, उसके बाद सभागार, जिला पंचायत में बाबा साहेब और भारत माता के चित्रों पर अथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। सभा की अध्यक्षता करते हुए नरेन्द्र सिंह क्षेत्र सामाजिक समरसता संयोजक पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र ने कहा कि बाबा साहेब ने जिन विकृतियों के कारण बौद्ध धर्म को अपनाया, अगर ऐसा न करते तो देश में जगह जगह केरल और जम्मू कश्मीर हो जाते। मुख्य अतिथि राजेन्द्र क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्षो भरा रहा उनके जीवन संघर्ष को देश सदा स्मरण करेगा, उन्होंने हिन्दू धर्म को बटने नहीं दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ0 सौरभ मालवीय प्रदेश महामंत्री विद्या भारती, लखनऊ ने कहा कि बाबा साहब को यदि बाबा साहेब को ऋषि की संज्ञा दी जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। कार्यक्रम डॉ0 राम नरेश, परिक्रमा प्रसाद प्रधानाचार्य, श्याम किशोर बेचैन कवि, गंगा राम एडवोकेट ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजन चन्दन लाल वाल्मीकि ने बताया कार्यक्रम में वंचित समाज के प्रबुद्ध और अपने अपने क्षेत्र में दक्ष लोगों को डॉ0 अम्बेडकर रत्न सम्मान के रूप में, प्रतीक चिन्ह, अंग वस्त्र, मीठी नीम का पौधा और पुष्प माला देकर सम्मानित किया। श्याम किशोर बेचैन को अपने स्वच्छकार के राष्ट्रीय मंचों पर झाडू छोडे कलम उठाओ के लिए, दुर्गे उर्फ दुर्गा प्रसाद गिहार समाज, सदस्य जिला पंचायत, शहीद भगत सिंह निःस्वार्थ सेवा समित के संस्थापक जसपाल पाली, डॉ0 राजेश गौतम गरीबो और बेसहायों को निशुल्क चिकित्सा और परामर्श दे कर देश की सेवा में अपना योगदान दे रहे है। सभा में सदर विधायक विधायक योगेश वर्मा, डॉक्टर राम नरेश,सह संयोजक सामाजिक समरसता अवध प्रांत, अवधेश जिला संघ चालक, अविनाश विभाग प्रचारक, संजीव जिला कार्यवाह, अमरेश सह कार्यवाह, हरबंश पासी संपर्क प्रमुख, मुकेश धीमान सह जिला कार्यवाह, नीरज सिंह विभाग संपर्क प्रमुख, विजय सह नगर कार्यवाह, पवन गुप्ता ब्लाक प्रमुख, दिव्या सिंह ब्लाक प्रमुख, देव दत्त चढ्ढा, मंजू लता श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, आशु मिश्रा, संतोष कुमार, गंगा राम एडवोकेट, सुरेंद्र शरण वाल्मीकि, कुंवर विकेंस, बबलू वाल्मीक, अभ्यास वाल्मीकि, संजय वाल्मीकि, बंपी वाल्मीकि, बी एल गौतम, अयोध्या प्रसाद गौतम कुमार अभिनव, आयुष्मान, सहित भारी संख्या में अम्बेडकर के अनुयाई उपस्थित रहे।

खेत की डोल तोड़ने व हमला करने में मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो रजबपुर। थाना क्षेत्र में खेत की डोल तोड़ने और जानलेवा हमला करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के गांव बड़ी बदोनिया निवासी मुन्नी देवी द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि घटना 8 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे की है। मुन्नी देवी और उनके पति लीलपत सिंह जब गेहूं की कटाई के लिए खेत पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि छोटी बदोनिया निवासी ओमप्रकाश पुत्र राम सिंह अपने खेत की ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। आरोप है कि ओमप्रकाश ने ट्रैक्टर हैरो से उनके खेत की डोल तोड़ दी। तहरीर के आधार पर, पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है, जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। नगर के शेरों वाली मठिया के समीप ब्रह्मदेव बाबा के मंदिर प्रांगण में मंगलवार से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ।

कथा के शुभारंभ से पहले शेरो वाली मठिया से कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा से पहले विधि विधान से अखंड ज्योत जलाकर पूजा अर्चना की गई जिसमें मुख्य यजमान राकेश राठौर-पूनम, जय सिंह राठौर- राधा रहीं। उसके बाद 21 कलश के साथ यात्रा शुरू की गई, यात्रा में श्री हरिवंश परीकरो ने ढोल मजीरो की थाप पर श्री राधा नाम कीर्तन किया। जिसमें सभी भक्तजन और राधा नाम में सरावोर होकर नाचते झूमते हुए गए। यात्रा छोटी मार्केट,इमली चौराहा, साहूकारा, जमीनी चौराहा, चौक बाजार होते हुए वापस कथा प्रांगण में पहुंची। शाम को श्रीधाम वृंदावन से आए बृजवासी रासबिहारी लाल व्यास गोकुल ठाकुर महाराज के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा शुरू हुई। यहां राजेश राठौर, अजय पाल राठौर, घनश्याम टहलानी, मोहन स्वरूप मौर्य, संजय कश्यप, उमेश चंद्र राठौर, सुनील, हिमांशु, उत्कर्ष, लकी, निशा, पूजा, उर्वशी, मन्नत, मनशा, शशि, अंजू रामवती और न्यूरिया, मझोला, उत्तराखंडसे आए भक्तजन शामिल रहे।

पीलीभीत पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चपरासी इल्हामउर्रहमान शम्सी केश में 58 खातों में फ्रीज किए सरकारी गबन के पांच करोड़ 28 लाख 57 हजार रुपये

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। पुलिस द्वारा सरकारी धन गबन के अभियुक्त डीआईओएस कार्यालय के चपरासी इल्हाम उर्र रहमान शम्सी द्वारा ट्रेजरी सरकारी धन गबन प्रकरण में अब तक प्रकाश में आये 53 खातों में संदिग्ध लेनदेन का 5,28,57,605 (पाँच करोड़ अट्ठाईस लाख सत्तावन हजार छह सौ पाँच) धनराशि फ्रीज किए हैं। 13 फरवरी को राजीव कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक पीलीभीत ने थाना कोतवाली पर सूचना दी कि इल्हामउर्रहमान शम्सी, जोकि जनता टेक्निकल इण्टर कालेज बीसलपुर, पीलीभीत में कार्यरत था तथा विगत वर्षों से जिला विद्यालय निरीक्षक, पीलीभीत में अटैच था।

इसके द्वारा वेतन बिल, टोकन जनरेशन आदि का कार्य देखा जा रहा था। इसके द्वारा फर्जी एवं कूटरचित तरीके से वेतन मद से गलत तरीके से बनाकर दिनांक 12/09/2024 से कुल 98 ट्रांजेक्शन के माध्यम से 1,01,95,135 रुपये की धनराशि प्रारंभिक जांच में अपनी पत्नी के खाते में ट्रेजरी के माध्यम से नेफ्ट द्वारा आहरण एवं वितरण कर गबन किया गया।

सूचना के आधार पर थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा अपराध संख्या 60/26 धारा 336(3)/316(5)/338/340 (2) बीएनएस बनाम इल्हाम उर्र रहमान शम्सी व अर्शी खातून के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। उक्त प्रकरण में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के निर्देशन में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा अभियुक्ता अर्शी खातून को गिरफ्तार किया गया था।

उल्लेखनीय है कि अभियुक्त इल्हाम उर्र रहमान शम्सी द्वारा अपने रिश्तेदार व पत्नी के खाते से जेएचएम इंफ्रा बरेली के खाते में 90,00,000 रूपये व औरिका होम्स बिल्डर बरेली के खाते में 17,18,000 रूपये ट्रांसफर किये जाने सम्बन्धी तथ्य भी जांच के क्रम में प्रकाश में आए जिनको विवेचक द्वारा सम्बन्धित को नोटिस देते हुये रकम से छेड़छाड़ नहीं करने हेतु निर्देश जारी किये गये।

विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में अभियुक्त इल्हाम उर्र रहमान शम्सी द्वारा अपनी पत्नी अर्शी खातून के एकाउंट में 3330229 रूपये की एफडी, तहसीन जहाँ पत्नी इनायतुल्ला खाँ के खाते में 70444 रूपये की एफडी व अजरा पत्नी इल्हाम शम्सी के खाते में 2500000 रूपये की एफडी की बात प्रकाश में आयी है, कुल तीनों खातों में 5900735 रूपये की एफडी की गई जिनको विवेचक द्वारा फ्रीज कराया गया है। प्रकरण में अब तक लगभग 53 खातों में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन चिन्हित किए गए हैं, पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अभी तक लगभग ₹5,28,57,605 (पाँच करोड़ अट्ठाईस लाख सत्तावन हजार छह सौ पाँच) की धनराशि को फ्रीज कराया जा चुका है, जिसमें अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

प्रकरण में प्रत्येक अभियुक्त के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जायेगी, अभियुक्त के संभावित सहयोगियों, अन्य लाभार्थी खातों एवं वित्तीय लेनदेन की गहनता से जांच की जा रही है। प्रकरण की विवेचना हेतु 4 सदस्यी टीम बनायी गयी है, जिसका प्रतिदिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गहन पर्यवेक्षण किया जा रहा है।

गांधी स्टेडियम में शुरू होगी स्केटिंग, डीएम ने मांगा प्रस्ताव

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद की रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा हाल ही में जिले में पहली बार अखबार स्केटिंग चौंपियनशिप का आयोजन हुआ था जिसमें बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और विशिष्ट अतिथि जयवीर सिंह सम्मिलित हुए थे। कार्यक्रम में एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मांग संरक्षक अमिताभ अग्निहोत्री ने जिलाधिकारी से रखी जिस पर मंच से ही जिलाधिकारी ने गांधी स्टेडियम में जल्द स्केटिंग शुरू कराए जाने का आश्वासन दिया था जिसे अब प्रशासन ने अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया है।

स्केटिंग से जुड़ी प्रतिभाओं के लिए शहर के गांधी स्टेडियम में स्केटिंग रिंग का जल्द निर्माण किया जाएगा, जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन द्वारा इसका प्रस्ताव तैयार कराया जा रहा है। जिला क्रीड़ाधिकारी ने इस विषय पर बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर स्टेडियम में स्केटिंग रिंग बनाए जाने के लिए प्रस्ताव कराया जा रहा है जहां 25 से 30 प्रतिभागी एक साथ स्केटिंग कर सकेंगे। प्रशासन के इस निर्णय के बाद पीलीभीत रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सौरभ सक्सेना ने बताया इस आयोजन के पीछे की प्राथमिक भूमिका एसोसिएशन के सचिव अभिषेक पाण्डेय की थी जिसने सभी के सहयोग से मूर्त रूप लेकर एक सफल कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसके परिणामस्वरूप आज स्केटिंग के खिलाड़ियों के लिए नई संभावनाओं का निर्माण हो रहा है।

एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष अंशुमन तिवारी ने प्रशासन के इस निर्णय पर हर्ष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी महोदय ज्ञानेंद्र सिंह और क्रीड़ाधिकारी जयवीर सिंह का आभार व्यक्त किया और बताया श अभिषेक पाण्डेय के जुनून ने पीलीभीत में स्केटिंग की आधारशिला रख दी है जो भविष्य में देश को शानदार स्केटर्स देकर पीलीभीत का मान बढ़ाने का काम करेगी।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत एक की मौत

पीलीभीत में फिर एक बार रोडों की खस्ता हालत से घर का चिराग बुझा

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। शाहजहांपुर मार्ग पर सड़क के गड्ढे एक बार फिर हादसे का कारण बने। सोमवार को दोपहर खननका पुलिस चौकी के पास गड्ढा बचाने के प्रयास में दो बाइकों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई इस दुर्घटना में 20 वर्षीय एक युवक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है और उसे बरेली रेफर किया गया है।

यह दुर्घटना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खननका के पास स्थित खालसा ढाबे के पास हुई। दुर्घटना में ग्राम रोहनिया निवासी 20 वर्षीय गो. विंद उर्फ गोविंदा अपनी एच एफ डीलक्स बाइक से खननका गांव की ओर आ रहा था। दूसरी ओर से खननका निवासी अरुण कुमार

अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से बीसलपुर से अपने गांव लौट रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार बताया गया की सड़क पर गहरे गड्ढे थे खालसा ढाबे के पास पहुंचते ही गोविंद ने अपनी बाइक को गड्ढे से बचने के लिए मोड इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और सामने से आ रही अरुण की बुलेट बाइक से टकरा गया टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल और लहू लोहान हो गए।

हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीसलपुर ले जाया गया गोविंदा की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

बुलेट सवाल अरुण कुमार के हाथ की हड्डी टूट गई और उसे शरीर पर कई गंभीर चोटे आई हैं परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए बरेली के एक निजी अस्पताल ले गए हैं गो. विंदा की मौत की खबर उसके ग्राम रोहनिया पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बीसलपुर कोतवाली निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पर पुलिस ने विधि कार्रवाई शुरू कर दी है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है स्थानीय लोगों ने सड़क के गड्ढों को लेकर प्रशासन के प्रति भारी रोष व्यक्त किया है।

पीलीभीत में कटना नदी के पुनरुद्धार कार्य का भव्य शुभारंभ

बंगाली समुदाय को शीघ्र मिलेगा भौमिक अधिकारः जिलाधिकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत के विकास खंड मरौरी में मंगलवार को जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। ग्राम पंचायत कंजा हरैया एवं अजीतपुर पटपरा में कटना नदी का पुनरुद्धार कार्य का विधिवत पूजन कर शुभारंभ किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता वर्मा एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, उप जिलाधिकारी सदर श्रद्धा सिंह, नायब तहसीलदार ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

विशिष्ठ अतिथि सम्यता वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नदियों का पुनरुद्धार न केवल जल स्तर को बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि स्थानीय किसानों और वन्यजीवों के लिए भी जीवनदायिनी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य कटना नदी का पुनरूद्धार एवं गहरीकरण करना है। उन्होंने सरकार की जल संचयन प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए ग्रामीणों से इस अभियान में सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास खंड मरौरी के लिए यह एक गौरवशाली क्षण है कि हम अपनी प्राकृतिक धरोहर को सहेजने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस महायोगदान में अपना योगदान जरूर दें, ताकि हम इस नदी को पुनर्जीवित कर सौ वर्ष पूर्व की स्थिति में ले आयें। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से बहुत जल्द ही आपको जो आपकी जमीन है, उसका भौमिक अधिकार मिलने वाला है, ये बहुत हर्ष का विषय है। जितने भी बंगाली परिवार यहॉ पर आए थे उन सबको पट्टे हुए थे लेकिन उन पट्टों पर भौमिक अधिकार नहीं था। राज्य सरकार द्वारा यह एक बहुत बड़ा ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि आपको बहुत जल्दी ही भौमिक अधिकार मिलने जा रहा है। सरकार की तरफ से अध्यादेश जारी हो गया है। सरकार की तरफ से जो औपचारिकताएँ थीं वो पूरी कर दी गई हैं। अब बस तहसील स्तर से हम लोगों को पूरी कार्यवाही करके, सबको पट्टा वितरण किया जाना है। माननीय मुख्यमंत्री जी भी आपके क्षेत्र में बहुत जल्दी आने वाले हैं, उनका बहुत जोरदार ढंग से आप लोग स्वागत करें। उनको भी एहसास हो कि उन्होंने जो इतना बड़ा काम किया है, उसके बदले में क्षेत्र की जनता ने भी उनका धन्यवाद प्रेषित किया है, सभी को बधाई देता हूँ और ये आशा करता हूँ कि इस कार्य में आप सभी लोग अपना योगदान करेंगे और हमारे साथ मिलकर इस नदी को पुनर्जीवित करके, इसको पूर्व स्थिति में ले आयेंगे।

जय भीम के नारों से गूंजा पूरा सहसवान

बड़ी धूम धाम से मनाई गई 115 वी डा. भीम राव अम्बेडकर जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसवान। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की 115 वी जयंती बड़ी धूमधाम से मनाया गया हजारो अम्बेडकर वादी ने इस प्रभात फेरी मे हिस्सा लिया बड़ी तादाद मे खूबसूरत झाकिया जिसमे बच्चों को अम्बेडकर जी की भेषभूषा खड़ा किया था जो बहुत दिलो को भा रहे थे बुजुर्ग ट्रैक्टर मे बैठे थे फूलो से झाकियों को सजाया गया था देश की आजादी मे हिस्सा लेने वाले सभी पूर्वज की फोटो भी झाकियों मे लगाई गई थी सेकड़ो महिला व बच्चे भी मौजूद रहे ये फेरी फतनपुर टप्पा हवेली आवासीय परिसर बौद्ध पार्क से लोगों ने गाजे बाजे के साथ डीजे के धुन पर प्रभात फेरी निकाली जो सैफुल्लागंज,डार्लिग रोड से कचहरी,बाजार विल्सन गंज, कोतवाली से नवादा होते हुए बौद्ध पार्क जाकर संपन्न हुई बाबा साहब अमर रहे के नारों के साथ पूरा शहर गूंज उठा इस मौके पर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया कोतवाल सहसवान अपनी फोर्स के सात बारात की अगुवाही की।

जायंट्स संगठन केवल एक संस्था नहीं सेवा और समर्पण का जीवंत प्रतीकः मनोज माहेश्वरी

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। जायंट्स ग्रुप ऑफ बिसौली रॉयल्स फेडरेशन फाइव का तृतीय ष्अधिष्ठापन समारोहष मुड़िया धूरे की स्थिति भोज रिजॉर्ट में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष क्षमा वार्ष्णेय एंव वाइस प्रेसिडेंट मुनीश गुप्ता ने पूर्व अध्यक्ष राहुल गुप्ता से पदभार ग्रहण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डाक्टर मनोज माहेश्वरी डाक्टर उमेश अग्रवाल ने गणेश पूजन से किया। पीहू वार्ष्णेय द्वारा आकर्षक गणेश वंदना नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉक्टर मनोज माहेश्वरी ने अपने संबोधन में कहा कि जायंट्स संगठन केवल एक संस्था नहीं बल्कि सेवा और समर्पण का जीवंत प्रतीक है। आईपीपी डाक्टर उमेश अग्रवाल ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए एकता, अनुशासन और सेवा भाव सबसे बड़े साधन हैं। इस दौरान अनीता अग्रवाल, स्पेशल कमेटी मेंबर डॉ. सुधा चौधरी, केंद्रीय कमेटी मेंबर पदमा भार्गव, फेडरेशन फाइव की उपाध्यक्ष बबीता शर्मा, यूनिट डायरेक्टर अनुपम वार्ष्णेय, पूर्व उपाध्यक्ष अनु रस्तोगी के साथ ही जायंट्स के अनेक ऑफिसर उपस्थित रहे। ग्रुप के मुख्य अतिथि के रूप में षबिसौली के गौरवष डॉक्टर मनोज माहेश्वरी व डॉक्टर सुविधा माहेश्वरी उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम सभी अतिथियों का स्वागत राम नाम के पटके पहनकर और उन्हें पुष्प देकर किया गया। बिसौली रॉयल्स के संचालक मंडल में शेखर वार्ष्णेय, शशांक वार्ष्णेय, तरुण वार्ष्णेय, पंकज अग्रवाल, मनीष वार्ष्णेय, रजनीश शर्मा, सुप्रीत वार्ष्णेय, डॉक्टर गौरव वार्ष्णेय को सम्मिलित किया गया। यूनिट डायरेक्टर अनुपम वार्ष्णेय ने सभी को शपथ दिलाई। उसके बाद फेडरेशन ऑफिसर नितिन वार्ष्णेय व रूपम गुप्ता का सम्मान किया गया। यहां सौरव गुप्ता, शशांक भिल्ला, कंचन सक्सेना, आदित्य गुप्ता, साक्षी गुप्ता, साहू सार्वेंद्र समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

बेन-हर स्कूल में धूमधाम से मनाई गई बैसाखी

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बेन- हर पब्लिक स्कूल एवं बेन-हर गुरुकुल में विद्यार्थियों द्वारा बैसाखी का पर्व बड़े ही उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंग-बिरंगे परिधानों और सांस्कृतिक गतिविधियों से जीवंत को उठा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पारंपरिक पंजाबी नृत्य,गीत एवं लघु नाटिकाओं की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं।

ढोल की थाप पर बच्चों ने भांगड़ा और गिद्दा प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की मासूम अदाओं और ऊर्जा से भरपूर प्रदर्शन ने विद्यालय के सभी लोगों का मन मोह लिया और वातावरण को उत्सवमय बना दिया। एक्टिविटी इंचार्ज रोशनी बग्गा एवं गुरसेवक सिंह के मार्गदर्शन में संपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय की संस्थापिका रंजीत सैहमी, प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी (बेन-हर पब्लिक स्कूल), प्रधानाचार्या डॉ. निर्मल कौर (बेन-हर गुरुकुल) ने इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बैसाखी फसल कटाई का पर्व होने के साथ-साथ सिखों के दसवें गुरु,

गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना का पावन दिवस भी है, जो खुशहाली, नई शुरुआत और भाईचारे का प्रतीक है। मैनेजिंग डायरेक्टर परविंदर सिंह सैहमी और मैनेजिंग डायरेक्टर बेन-हर गुरुकुल गुरदित्त सिंह सैहमी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रदर्शन की प्रशंसा की। हेडमिस्ट्रेस रचना वाधवा, हेडमिस्ट्रेस पल्लवी पांडे, एवं ऐकडेमिक इंचार्ज आयुषी दीक्षित ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब अंबेडकर की जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

उघैती। सिद्ध बाबा इंटर कालेज शरह बरौलिया में डॉ.भीमराव अंबेडकर जज की 135वीं जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम में शिक्षकों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कालेज के शिक्षक नितिन मिश्रा ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान,उपलब्धियों और भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का विस्तार से उल्लेख किया। कालेज के प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को दलितों का मसीहा बताते हुए उनके सामाजिक न्याय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे महापुरुष बहुत कम होते हैं जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ बाबा साहब के संघर्ष और सभी नागरिकों को समान अधिकार दिलाने के उनके प्रयासों की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर नीरज चौहान,विपलव भारती, रामौतार मौर्य,डॉ प्रमोद शर्मा,अश्वनी शर्मा,विपुल प्रताप सिंह,यशपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

शान्ति पूर्ण रूप से मनाई गई अम्बेडकर जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

उसावां। क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती बड़े धूम धाम से मनाई गई। चेयरमैन पति अनिल सिंह चौहान ने अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई।

ग्राम गूरा बरेला में इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद वक्ताओं ने उनके जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।बाबा साहब का जीवन परिचयः डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। वे एक महान समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, विधिवेत्ता और भारतीय संविधान के शिल्पकार थे। उन्होंने दलितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया।भारतीय संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाई इस लिए उन्हें संविधान शिल्पी भी कहा जाता है।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।अंत में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर सामाजिक समानता और शिक्षा के प्रसार का संकल्प लिया।

एक नजर

धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती शोभायात्रा और गोष्ठियों से गूंजा शहर

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती आज बीसलपुर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। सुबह से ही विभिन्न संगठनों और अनुयायियों द्वारा बाबा साहेब को याद करने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा।

नगर के मुख्य चौराहों से निकाली गई भव्य शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रही। नीले ध्वजों और बाबा साहेब के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। शोभायात्रा में शामिल झांकियों में बाबा साहेब के जीवन संघर्ष और भारतीय संविधान के महत्व को जीवंत रूप में दर्शाया गया। युवाओं की टोलियां गाजे-बाजे की धुन पर नाचते हुए उत्साह प्रदर्शित कर रही थीं। विभिन्न स्थानों पर आयोजित गोष्ठियों में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के मार्गदर्शक थे। उन्होंने शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के उनके मूल मंत्र को आत्मसात करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने संविधान द्वारा दिए गए समानता के अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प भी लिया। इस उपलक्ष्य में कई जगह शरबत और फल वितरण के शिविर लगाए गए। जयंती समारोह को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए। बीसलपुर कोतवाली निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला पूरे बल के साथ रूट पर मुस्तैद दिखे। आंबेडकर पार्कों को विशेष रूप से सजाया गया था, जहाँ हजारों की संख्या में लोगों ने दीप जलाकर बाबा साहेब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पालिक अध्यक्ष ने किया आंबेडकर जयंती पर गोष्ठी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। नगर पालिका परिषद पीलीभीत में आज डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल सहित सभासद एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों एवं उनके सामा. जिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। आयोजन का उद्देश्य समाज में समानता, न्याय एवं बंधुत्व के मूल्यों को बढ़ावा देना रहा।

धूमधाम से निकली बाबा साहब अंबेडकर जयंती शोभायात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

इस्लामनगर। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती मंगलवार को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। डीजे की धुनों पर युवा उत्साह के साथ झूमते नजर आए और बाबा साहब के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

इस दौरान वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष और उनके द्वारा बनाए गए संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग, समाजसेवीमुस्लिम राष्ट्रीय सह संयोजक नाईम शास्त्री व ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद रही। पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुस्तैद रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस मौके पर सत्यवीर जाटव , जगसिह सागर,मनोज कुमार, रामवीर सिंह आदि थे।

औरछी में आंबेडकर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

औरछी। कस्बे में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में बाबा साहेब की आकर्षक झांकियों के साथ-साथ देश के महान महापुरुषों की झांकियां भी शामिल रहीं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं।

शोभायात्रा औरछी के निर्धारित मार्गों से होती हुई निकली, जिसमें सैकड़ों की संख्या में बाबा साहेब के अनुयायियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया, जिससे माहौल पूरी तरह श्रद्धा और उत्साह से भर गया।

कार्यक्रम के दौरान अनुयायियों ने बाबा साहेब के विचारों को अपनाने और समाज में समानता, शिक्षा व अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संद. श भी दिया। शोभायात्रा शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से संपन्न हुई। सुरक्षा की दृष्टि से शोभायात्रा में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

फीडर पर फॉल्ट ठीक करने खुद पहुंचे जेई, लोगों ने की सराहना

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। क्षेत्र के शाही बिजली घर से जुड़े कुड़का नगरिया फीडर पर ग्राम छोटा बसा. वनपुर में बिजली आपूर्ति बाधित होने का मामला सामने आया। बताया गया कि फीडर पर एक फेस न आने से गांव में बिजली संकट उत्पन्न हो गया था, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति की जानकारी मिलते ही संबंधित अधिकारी जेई रामदेव वर्मा स्वयं मौके पर पहुंचे और बिना देरी किए तकनीकी खामी को दुरुस्त करने में जुट गए। उन्होंने मौके पर ही फॉल्ट को ठीक कर बिजली आपूर्ति बहाल कराई। इस दौरान उनकी कार्यशैली, तत्परता और जिम्मेदारी का भाव साफ नजर आया।ग्रामीणों के अनुसार, कुड़का नगरिया फीडर पर लाइनमैन की कमी के चलते अक्सर इस तरह की समस्याएं बनी रहती हैं। कई बार अधिकारियों को ही स्वयं मौके पर पहुंचकर तार टूटने या फेस संबंधी खराबी को ठीक करना पड़ता है, जबकि सामान्य दिनों में लाइनमैन को भेजा जाता है।हालांकि, इस बार जेई का खुद मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान करना लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। घटना से जुड़ी एक फोटो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें जेई कार्य करते नजर आ रहे हैं।

मुकदमे में सुलह नहीं किए जाने पर घर में घुसकर मारपीट, पति का सर फोड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। क्षेत्र के गांव बरखन की एक महिला द्वारा दर्ज कराए गए छेड़छाड़ के मुकदमे में समझौता न करना एक महिला और पति को भारी पड़ गया। आरोपियों ने घर में घुसकर महिला और उसके पति की जमकर पिटाई कर डाली। पिटाई से पति का सर फूट गया। महिला की ओर से पति पत्नी मां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

ग्राम की महिला द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि उसने कुछ दिनों पहले गांव के राजीव के खिलाफ छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में समझौता करने के लिए उस पर दबाव डाला जा रहा था, जिसकी शिकायत महिला ने एसएसपी से की थी, जिसको लेकर आरोपी नाराज हो गए। आरोप है कि 11 अप्रैल की रात करीब 8 बजे आरोपी राजीव अपनी पत्नी वीना और मां रामवती के साथ घर में घुस आए, और महिला और उसके पति की पिटाई कर डाली। महिला के छोटे-छोटे बच्चों के शोर मचाए में के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इस पिटाई से पति का सर फट गया। घटना की रिपोर्ट महिला की ओर से कोतवाली नवाबगंज में दर्ज कराई गई है।

अंबेडकर जयंती पर भवन व विशाल प्रतिमा का अनावरण, निकली भव्य रैली

■ संगोष्ठी में वक्ताओं ने बाबा साहब के विचारों पर चलने का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। भीमराव अंबेडकर के जन्म उत्सव के अवसर पर नगर में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डिग्री कॉलेज से निकाली गई रैली नैनीताल रोड होते हुए जाजूनगर पहुंचकर संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

जाजूनगर में नव निर्मित अंबेडकर भवन तथा बाबा साहब की विशाल. काय प्रतिमा का अनावरण एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, झारखंड के राज्यपाल की पुत्री श्रुति गंगवार, नगर पालिका अध्यक्षा रश्मि जायसवाल व दीक्षाभूमि नागपुर से आए धम्म गुरु भदंत करुणा बुद्धि ज्योति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। इसके बाद आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि कुंवर महाराज सिंह ने कहा कि संविधान निर्माता अंबेडकर जी के देश के लिए किए गए योगदान और त्याग को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने सभी से उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। श्रुति गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि उनके पिता संतोष गंग. वार ने टेक्सटाइल मंत्री रहते हुए मुंबई में अंबेडकर जी की विशाल प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लिया था, जो अब पूरा हो चुका है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्षा रश्मि जायसवाल द्वारा अंबेडकर भवन निर्माण और प्रतिमा स्थापना के कार्य की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि यहां स्थापित अंबेडकर जी व भगवान बुद्ध की प्रतिमाएं स्वर्ण मूर्ति जैसी प्रतीत होती हैं।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को संविधान की पुस्तक एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष पवन शर्मा, सांसद प्रतिनिधि रवि मल्होत्रा सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र पाल बौद्ध व जितेंद्र सक्सेना ने किया।

संदिग्ध हालात में खेत में मिला युवक का शव, इलाके में सनसनी

■ जहरीला पदार्थ खाने से मौत की आशंका, कर्ज से परेशान होने की चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। ग्राम सिली जागीर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव खेत में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, अखलाक (40) पुत्र अशफाक निवासी ग्राम सिली जागीर का शव गांव के ही दलविंदर सिंह के खेत में पड़ा मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक मृतक कर्ज को लेकर काफी परेशान रहता था, और सुबह से ही गांव के पास मजार के समीप बैठा देखा गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रथम दृष्टया मामला जहरीला पदार्थ खाने से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए, हालांकि चेहरे का रंग काला पड़ा हुआ बताया जा रहा है, जिससे जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका और मजबूत हो रही है। बहेड़ी इंस्पेक्टर दिनेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुटी हुई है।

एक नजर

धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती, पुलिस रही मुस्तैद

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाई गई। कस्बे के मोहल्ला नौगवां स्थित बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर विधायक डीसी वर्मा एवं अजय सक्सेना कैलाश शर्मा सहित भाजपा नेताओं ने माल्यार्पण कर बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। विधायक ने उपस्थित लोगों को डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए सरकार की जनहितकारी योजनाओं की भी जानकारी दी।

नौगवां से रैली शुरू होकर ब्लॉक होते हुए लोधीनगर चौराहा, स्टेशन मार्ग तक गई और पुनः अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। ग्राम कुरतरा के दुर्गा मंदिर से भी शोभायात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई गाँव में पहुंचकर संपन्न हुई।इसके अलावा ठिरिया खेतल, पिपरिया, धनेटा और मीरापुर सहित अन्य गांवों में कार्यक्रम आयोजित हुए। गोष्ठियों में वक्ताओं ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। रैली में अनार सिंह, जितेंद्र मास्टर, फूलचंद जाटव, ओमकार सागर, डॉ. फूल सिंह, ओमपाल सागर, भूपराम सागर, पूर्व प्रधान शेर सिंह सागर, धर्म सिंह सागर, बाबूराम सागर, हीरालाल सागर, राम प्रकाश सागर, कदीर हुसैन, लाल सिंह सागर, रामवीर सागर सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे। सुरक्षा के मद्देनजर थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह व चौकी प्रभारी अनूप सिंह मय पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप, जेवरात भी साथ ले गई, रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग पुत्री को थाना क्योलड़िया क्षेत्र के गांव का युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गया। आरोप है कि किशोरी अपने साथ घर में रखे जेवरात भी ले गई।

किशोरी के पिता द्वारा कोतवाली नवाबगंज में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री को तीन दिन पहले थाना क्योलड़िया क्षेत्र के एक गांव का युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पिता के मुताबिक उनकी पुत्री घर में रखे सोने का हार, चेन, बेसर, टीका, अंगूठी भी अपने साथ ले गई। आरोप है कि जब पिता ने युवक के परिजनों से सम्पर्क साधा तो उन्होंने पुत्री के होने की जानकारी देते हुए बताया कि वह कल उनकी पुत्री को वापस घर भिजवा देगा। लेकिन जब उसने उनकी पुत्री को वापस नहीं भेजा तो पिता ने आरोपी गोविन्द ग्राम वैवाही के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता ने पुत्री के होने अनहोनी की भी आशंका जाहिर की है।

मनकरा में 36 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, किसान बेहोश

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। मंगलवार दोपहर मनकरा के जंगल क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब फूलचंद गंगवार के गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और गेहूं की फसल बारूद की तरह धू-धू कर जलने लगी। तेज हवा के कारण आग एक खेत से दूसरे खेत में तेजी से फैलती चली गई।

सूचना मिलते ही प्रधान, पूर्व प्रधान और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रैक्टर से खेतों के चारों ओर जुताई कर आग को आगे फैलने से रोका, जिससे बड़ा नुकसान होने से बचाया जा सका।आग में अपनी फसल को जलते देख किसान फूलचंद गंगवार सदमे में आकर खेत में ही बेहोश होकर गिर पड़े। ग्रामीणों ने उनके मुंह पर पानी डालकर होश में लाया, लेकिन वे असहाय होकर अपनी मेहनत की फसल को राख होते देखते रहे। सुबह तक जो खेत सोने सी चमकती गेहूं की फसल से लहलहा रहे थे, आग के बाद वहां केवल राख की काली परत रह गई। इस अग्निकांड में फूलचंद गंगवार की 12 बीघा, हरीश गंगवार, सत्यवीर गंग. वार, जसबंत सिंह, रामा देवी की 22 बीघा तथा राजेश सहित कुल लगभग 36 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। पूर्व प्रधान विशाल गंगवार के अनुसार, ट्यूबवेल की लाइन का तार यूकेलिप्टस के पेड़ से टकराने से निकली चिंगारी के कारण आग लगने की आशंका है।

धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

■ विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। तहसील सभागार, ब्लॉक सभागार,सहित ग्राम तिलमास, नगरिया सादात, पैगा नगरी, सिल्लापुर, मनकरा, गुगई और मढ़ी सत्याना में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहब के आदर्शों और उनके विच. ारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा, बरेली मंडल के तत्वावधान में मढ़ी सत्याना में डॉ. अंबेडकर जयंती एवं सामाजिक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध जनों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथियों में निहाल सिंह, पूरन लाल लोधी,विधायक डॉ. डी. सी. वर्मा,ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण, संजय सिंह, जवाहर लाल, मनोहर देवी, श्रुति गंगवार एवं इशान गवाल,राजू भारती,के पी राना,तेज पाल फंजी,महावीर नागर,नरेंद्र गंग. वार, सहित अनेक विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य बाबा साहब के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना तथा समाज के उत्थान के लिए सार्थक संवाद स्थापित करना रहा।आयोजन के संयोजक प्रो. भक्ति सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उधर तहसील सभागार में एसडीएम आलोक कुमार, तहस. ीलदार आशीष कुमार और नायब तहसीलदार अरविंद कुमार को लेखपाल कमलजीत, अनिल कुमार, कृष्ण कुमार सहित अन्य लेखपालों ने बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

518 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर दबोचे, बाइक व मोबाइल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। मीरगंज पुलिस ने दो आरोपियों को 518 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन और एक अपाचे मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी मीरगंज के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। सोमवार की रात्रि दौरान प्रभारी चौकी लभारी सूरजपाल अपनी टीम के साथ संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर कुल्छा खुर्द फ्लाईओवर के पास स्थित मजार के निकट से ग्राम गुलड़िया निवासी प्रेमपाल पुत्र रमईलाल और छंगा खां पुत्र छैला खां को गिरफ्तार किया गया।तलाशी के दौरान प्रेमपाल के पास से 260 ग्राम और छंगा खां के पास से 258 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 518 ग्राम है।

बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा एक अपाचे मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिए है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे स्मैक को ट्रक चालकों को बेचने के लिए लाए थे। दोनों आरो. पियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है और पूर्व में भी इनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सूरजपाल, उपनिरीक्षक अरुण कुमार, कांस्टेबल रजत मलिक, अमित कुमार और विवेक शर्मा शामिल रहे।

बीडीएम स्कूल में बैसाखी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। बीडीएम पब्लिक स्कूल में बैसाखी एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पंजाबी लोकनृत्य गिद्धा और भांगड़ा ने सभी का मन मोह लिया, वहीं किंडरगार्टन के नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।वरिष्ठ छात्रों ने बैसाखी एवं डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके योगदान पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत शबद गायन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया।विद्यालय के डायरेक्टर अचल मिश्रा ने अपने संबोधन में बैसाखी के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपनी परंपराओं और मूल्यों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही डॉ. अंबेडकर के विचारों को अपनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में अनामिका गुप्ता, नीतू गंगवार, सेजल रुहेला, नव्या गुप्ता, रश्मि गंगवार एवं रति चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शबद कीर्तन का गायन शिक्षिका हरलीन और रावलिन द्वारा किया गया।

किंडरगार्टन, मिडिल स्कूल एवं सीनियर सेकेंडरी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जबकि छात्रा आलिमा ने प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या डॉ. चारु खन्ना ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद किया।

अपराध्यियों पर देवरनियां पुलिस का शिकंजा

■ गुंडा एक्ट में पूर्व प्रधान का पुत्र हुआ जिला बदर

■ डीएम के आदेश पर सख्त कार्रवाई, उत्तराखण्ड सीमा तक पहुंचाकर छोड़ा गया

शाह टाइम्स संवाददाता

देवरनियां। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली देवरनियां पुलिस ने एक बार फिर कड़ा कदम उठाते हुए गुंडा एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पूर्व प्रधान के पुत्र को जिला बदर कर पुलिस ने साफ संदेश दिया है कि अपराध करने वालों के लिए क्षेत्र में कोई जगह नहीं है।

कोतवाली देवरनियां क्षेत्र के गांव गिरधरपुर निवासी पूर्व प्रधान शफीक अहमद के पुत्र सद्दाम के खिलाफ पुलिस ने गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए उसे छह माह के लिए जिला बदर कर दिया। आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट समेत कुल आठ गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति का अंदा. जा लगाया जा सकता है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आशुतोष द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 अप्रैल को जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा सद्दाम को छह माह के लिए जिला बदर करने का आद. ेश पारित किया गया था। आदेश के अनुपालन में मंगलवार को पुलिस टीम ने उसे जनपद की सीमा से बाहर कर दिया। पुलिस टीम आरा. ेपी को उत्तराखण्ड प्रदेश के जनपद उधमसिंहनगर स्थित थाना पुलभट्टा क्षेत्र की सीमा में छोड़कर आई, ताकि वह निर्धारित अवधि तक जनपद बरेली में प्रवेश न कर सके। इस दौरान सुरक्षा और विधि-व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा गया। इस कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में एसएसआई नवदीप सिंह, एसआई सुनील कुमार सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

देवरनियां पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है, वहीं आम जनता में सुरक्षा की भावना और विश्वास मजबूत हुआ है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराध के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

कोतवाली शीशगढ़ में हुआ पुलिस मीडिया गोष्ठी का आयोजन

■ मीडिया कर्मी, व्यापारी,चिकित्सा कर्मियों के सीधे संवाद से मजबूत होगी कानून व्यवस्था

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली शीशगढ़ में पुलिस एवं मीडिया के बीच एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक जित. ेंद्र कुमार सिंह ने की दोपहर तीन बजे आयोजित की गई गोष्ठी का मकसद पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर संवाद कायम करना रहा जिससे कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

कोतवाली में बने नए सभागार में आयोजित गोष्ठी में सबसे पहले प्रभारी निरीक्षक ने सभी पत्रकारों से परिचय का आदान प्रदान किया उसके बाद प्रभारी निरीक्षक ने सभी मीडिया कर्मियों से अपनी समस्याओं के बारे में पूछा उन्होंने कहा के मीडिया कर्मी भी कठिन कार्य को अंजाम देते है घटनाओं के पर्दाफाश कराने में पुलिस के सहयोग के अलावा आम जन की आवाज को शासन प्रशासन।

तक पहुंचने में मददगार भी होते है प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने मीडिया कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल से ही क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव भी संभव है उन्होंने कहा कि खबरों का भी अहम रोल होता है।

कई बार छोटी छोटी सूचनाएं भी बड़ी घटनाओं को रोकने में अहम किरदार अदा करती है उन्होंने अपील की कि मीडिया कर्मी भी अपनी खबरों में निष्पक्षता ,सत्यता के सत्ता जिम्मेदारी का भी विशेष ध्यान रखें तभी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा मीडिया कर्मियों ने भी सकारात्मक बदलाब के लिए पुलिस का पूर्ण सहयोग करने की बात कही। उसके बाद स्वास्थ्य विभाग के सरकारी और निजी कर्मचारियों की भी गोष्ठी का आयोजन किया गया प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी चाहे वह निजी हो या सरकारी चित्सक हो या पैरामेडिकल स्टाफ सभी का अपना अपना महत्व है जनता को स्वस्थ सेवाएं मुहैया कराने में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वह जिम्मेदारी से अपने कार्य को अंजाम दें पुलिस हर संभव मदद को तैयार रहेगी। कल पेट्रोल पम्प कर्मियों , आभूषण विक्रेताओं की गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

पीड़ित को न्याय दिलाना ही पहली प्राथमिकता

प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि थाने में फरियाद लेकर आने वाले पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता में शामिल है। पीड़ित को थाने में न्याय नहीं मिलने से उसको कितनी पीड़ा होती होगी यह तो पीड़ित ही बेहतर जानता है कोतवाली में पीड़ित की सुनवाई होने का मतलब अपराध में कमी , कभी कभी मामूली से बात की सुनवाई न होने से वह आगे चलकर बड़ी घटना में परिवर्तित हो जाती है हमारा पहला प्रयास यही रहेगा कि कोतवाली में अपनी फरियाद लेकर आने बाला प्रत्येक व्यक्ति संतुष्ट होकर जाए उसको जब न्याय मिलेगा तो उसमे आत्म वल भी पैदा होगा।

बाबा साहब के जन्मदिवस पर भव्य रैली, सैकड़ों लोग हुए शामिल

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। भीमराव अंबेडकर के जन्मदिवस के अवसर पर बहेड़ी थाना क्षेत्र के कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान नगर के सैकड़ों लोग उत्साह के साथ रैली में शामिल हुए और बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रैली वन विभाग तिराहा, तिक. ोना, थाना गेट और ट्रक यूनियन रोड होते हुए लोदीपुर पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान ढोल-नगाड़ों और आकर्षक झांकियों के साथ पूरे कस्बे का माहौल उत्सवमय बना रहा। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने बाबा साहब के विचारों और उनके योगदान को याद करते हुए जोरदार नारे लगाए। रैली के समापन के बाद लोदीपुर पार्क में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, उनके संघर्ष और समाज के लिए किए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर नसीम अहमद ने कहा कि बाबा साहब अजर-अमर हैं और उनके विचार हमेशा समाज को नई दिशा देते रहेंगे। रैली में नवल किशोर, संजय दत्त, यशपाल, जित. ेंद्र राणा, मुकेश सागर, राजेश दिवाकर, आकाश कुमार, जसविंदर सिंह, मोहम्मद ताहिर सहित कई लोग शामिल रहे।

गंगापुर में अंबेडकर प्रतिमा पर नहीं हो सका माल्यार्पण, पुलिस बल रहा तैनात

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। विकास क्षेत्र के गांव बड़ा गांव के मजरा गंगापुर में रातों रात लगाई गई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर आज माल्यार्पण नहीं हो सका। उच्च न्यायालय के आदेशों पर गांव में बड़ी तादात में पुलिस बल तैनात रहा।

पिछले साल 14 अप्रेल को गांव में अंबेडकर जयंती पर ग्राम सभा की भूमि पर रातों रात जबरन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी गई थी। प्रतिमा लगाए जाने को लेकर गांव के दूसरे समुदाय के लोग भड़क गए थे। इस मामले में जहां गांव के लेखपाल ने प्रतिमा लगाने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी, साथ ही इस मामले में दोनों ओर से एक दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

इतना ही नहीं इस मामले में लाप. रवाही बरते जाने पर कप्तान ने हल्का दरोगा के साथ ही बीट के सिपाहियों को भी लाइन हाजिर कर दिया था।

रोज रो स्कूल में वार्षिक उत्सव की धूम, मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। स्थानीय रोज रो स्कूल में वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य और गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिसमें निब्दा ने स्कूल टॉपर बनकर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

टॉपर सूची में निब्दा, हसन, हम्माद, विनीत, फैज, काशिफा, उमेश, मुंतजिर, अमायरा और सिदरा को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही सर्वाधिक उपस्थिति वाले बच्चों को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें नासिर रजा खान, तारिक रजा खान, सभासद नसीम अहमद, राजकमल सिंह, एडवोकेट सैफुल चमन, अकमल, खिदमत-ए-इंसानियत टीम, खालिद साहब और सईद भाई प्रमुख रूप से शामिल रहे। विद्यालय के प्रबंधक मोहम्मद मोईन आरिफ ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुनियावी शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान भी जरूरी है। वहीं प्रधानाचार्य अखिल प्रताप सिंह ने अभिभावकों से बच्चों के अच्छे संस्कार और शिक्षा में सहयोग देने की अपील की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पुलवामा अटैक और नारी शक्ति विषय पर प्रस्तुतियों को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक मोहम्मद आरिज और उम्म

ने किया, जबकि संपूर्ण आयोजन का सफल संचालन और समन्वय सविया अब्बास ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक यूनुस सर, वसीम सर, रजिया मैम, रामश्री मैम, संजू गंगवार, आयशा, नेहा, शोभा, पिंकी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे। अंत में प्रबंधक मोहम्मद मोईन आरिफ ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581-2562222 (बरेली)
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

देश के हालात देखते हुए लें सबक: मौलाना अरशद

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। जमीयत-ए-उलमा हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि देश में जिस तरह के हालात हैं, इससे सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चियों के लिए अलग स्कूल बनाना चाहिए।

गंगोह में मौलाना हुसैन अहमद मदनी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा खोले गए मदनी पब्लिक स्कूल के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने सह शिक्षा (को-एजुकेशन) का विरोध करते हुए कहा कि जमीयत-ए-उलमा हिंद ने एक नीति बनाई है। देश के दौलतमंद लोगों से, वो हिंदू हो या मुसलमान, लड़कियों के लिए अलग और लड़कों के लिए अलग स्कूल बनवाने के लिए कहा जाएगा। देश के मौजूदा हालात को

देखते हुए लड़के और लड़कियों के लिए अलग अलग शिक्षण संस्थानों का होना बेहद जरूरी है। वरना कई तरह के मामले खड़े होते रहेंगे। उन्होंने शिक्षण संस्थानों को शिक्षा के साथ मजहबी शिक्षा देने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मजहबी शिक्षा से बच्चों को यह एहसास होगा कि दुनिया में जो कुछ करेंगे, मौत के बाद उसका हिसाब देना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से तरक्की तो होती ही है वहीं जीने का शऊर भी पैदा होता है। उन्होंने सभी से अपने बच्चों को हर हाल में तालीम दिलाने की अपील की। शाहीन ग्रुप के डायरेक्टर डा. अब्दुल कदीर ने कहा कि लड़कियों को पढ़ना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था देश भर में दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम के लिये इंग्लिश मीडियम स्कूल खोल रही है। जिनमे गरीब, मिस्कीन बच्चों को फ्री शिक्षा का इंतजाम किया जा रहा है। उन्होंने ट्यूशन को कैंसर बताते हुए कहा कि उनके स्कूल में कमजोर बच्चों को अतिरिक्त समय देकर फ्री पढ़ाया जाएगा। मौलाना अजहर मदनी ने कहा कि कम खाएं, भूखे रहें लेकिन बच्चों को हर हाल में पढ़ाएं। शोभित यूनिवर्सिटी के केयर टेकर सूफी जहीर अख्तर ने कहा कि शिक्षा ही ऐसी चीज है जिसे कोई छीन नही सकता। कार्यक्रम के अंत मे मुफ्ती खालिद सैफुल्लाह ने देश की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ कराई। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत कुरान की तिलावत के साथ की गई।

काफी संख्या लोग मौजूद लोगों ने मौलाना हुसैन अहमद मदनी चेरिटेबल ट्रस्ट के इस कदम की सराहना की है।

ढांग गिरने से दो बच्चों की मौत, दो घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। थाना क्षेत्र के गांव संगमौर के निकट ईंट भट्टे पर काम करने वाले मजदूरों के बच्चे खेलते समय अचानक मिट्टी की ढांग गिरने से उसके नीचे दब गए। इस हादसे में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम संगमौर के निकट स्थित एक भट्टे पर काम करने वाली लेबर मजदूरों के पांच बच्चे भट्टे पर लगे मिट्टी के ढेर में बनी गहरी खाई में खेल रहे थे। बच्चों के खेलते समय अचानक ऊपर से मिट्टी की ढांग भरभराकर गिर गई और सभी बच्चे उसके नीचे दब गए। मौके पर मौजूद मजदूरों ने आनन फानन में मिट्टी को हटाकर बाहर उन्हें निकाला।

इस हादसे में नौ वर्षीय जुनैद पुत्र नसीम व 10 वर्षीय आमिया पुत्री हारून निवासी कांधला की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि इनके साथ खेल रहे दो अन्य बच्चो को घायल अवस्था में चिलकाना के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक द्वारा बच्चों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया गया। अचानक इस हादसे में हुई बच्चों की मौत से परिजनो में कोहराम मचा हुआ है तथा उनका रो रो कर बुरा हाल है।

जनपदभर में आस्था के साथ मनाई गई बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर जयंती

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जनपदभर में भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके आर्दशों को अपनाने पर जोर दिया गया।

भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर सपा सपा जिला कार्यालय पर आज बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने जीवन भर संघर्ष करते हुए वंचित समाज को उनके अधिकार दिलाने का जो अमूल्य योगदान दिया उसको कभी बुलाया नहीं जा सकता। इस दौरा पूर्व विधायक वीरेंद्र ठाकुर, प्रदेश सचिव मजहीर राणा, ममता चौधरी, पूर्व मंत्री मांगेराम कश्यप, विजेश शर्मा, रतन यादव, चौधरी अब्दुल गफूर, फैसल सलमानी अच्छन यादव संदीप सैनी कासिफ अल्वी नरेश कश्यप मुस्तकीम राणा विनोद कुमार फुरकान त्यागी सचिन गुर्जर जमाल साबरी हसीन कुरैशी मोहम्मद राजिक मोहम्मद मोहम्मद इस्लाम अल्वी अभिषेक प्रधान विशाल यादव शाहिद मंसूरी जितेंद्र यादव जुबेर राणा प्रिंस चौधरी राजपाल सिंह वेदपाल पटनी आदि मौजूद रहे।

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा लक्ष्मी नगर में जिलाध्यक्ष साधूराम के आवास पर डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाकर उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षा, संगठन, संघर्ष जैसे मूलमंत्र देकर समाज को आगे बढने की प्रेरणा दी। उन्होंने महिलाओं को भी बराबरी का हक दिलाया। इस दौरान प्रदीप

श्रद्धा से मनाई आंबेडकर जयंती

नागल। क्षेत्र मे डा भीमराव अंबेडकर जंयती श्रृद्धा के साथ मनायी

गयी।इस अवसर पर शिक्षण संस्थानों व सामाजिक संगठनों द्वारा उन्हे भावपूर्ण ढंग से याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय जौला डिडोली में आयोजित कार्यक्रम में विश्व हिंदू महासंघ जिला महामंत्री शिव कटारिया व भाजपा नेता सुरेंद्र कोरी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के जीवन से प्रेरणा लेकर छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। प्रधानाचार्य डा वीरेंद्र कुमार ने कहा कि कहा कि किताबी ज्ञान के साथ तर्क शील

कुमार सिंह, विजयपाल सिंह, राजेश भाटला, डा.इसम सिंह, संतोष, पूनम, आशू सिंह, आकांक्षा, दि, पुनीत कुमार, रजत कुमार, विजेंद्र कुमार, लता, सरोज व सुमन आदि मौजूद रहे।

आज देहात विधानसभा के गांव घुन्ना में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बृजलाल, गुरुदास, अक्षय कुमार, ऋषभ, सीमा, राहुल त्यागी, मंजू रानी, दीपक त्यागी, आशालता, नफीस मलिक, शहजाद, डॉक्टर अंजना, चौधरी राजमणि लंबा, शिवपाल सिंह, रामचंद्र, डॉक्टर संदीप, प्रवीण सैनी, हैदर मुखिया विधायक प्रतिनिधि सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यालय अंबाला रोड काजमी कंपलेक्स पर संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती सुभासपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बड़ी धूमधाम से मनाने का काम किया, इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष गुफरान अली, प्रदेश उपाध्यक्ष नौशाद अहमद, परदेस महासचिव कार्य गयासुद्दीन, परदेस मीडिया प्रभारी खलील सागर, डॉ रईस अहमद कमल जिला अध्यक्ष सहारनपुर, नगर विधानसभा अध्यक्ष अमजद मलिक, जिला महासचिव समीर मलिक, जिला सचिव आसान मंसूरी, जिला सचिव सोहेल अहमद, नगर सचिव हसमत हुसैन आदि

लोग इस कार्यक्रम मेंउपस्थित रहे।

बेहट। क्षेत्र के गांव साढ़ौली कदीम में भारतीय संविधान के शिल्पकार और महान समाज सुधारक डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती श्रद्धा, और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान शेखर राणा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशिष्ट अतिथि मास्टर बाबूराम ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहब की भूमिका अतुलनीय है। क्षेत्र पंचायत सदस्य राजकुमार ने भी उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संजय कॉर्नवाल, मास्टर सुधीर, संदीप कुमार, सुंदरपाल, डॉ. विकास जायसवाल, परवीन कुमार, डॉ. सुशील कुमार, अर्जुन सिंह, संजय मिस्त्री, अंकित सूर्यवंशी, विनोद कुमार और स्वराज सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रामपुर मनिहारान। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। ब्लॉक कॉलोनी स्थित श्री बाबा छात्रावास में आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान देश को दिया है। विचार गोष्ठी का बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा में शामिल एक से बढ़कर एक सुंदर झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। नगर भृमण के बाद शोभायात्रा वापस श्री बाबा छात्रावास पर आकर सम्पन्न हुई। चेयरपर्सन रेणु बालियान व कुलदीप बालियान अपनी टीम के साथ आरंभ से समापन तक शोभायात्रा में पैदल श्रद्धालुओं के साथ चले। इस दौरान संदीप कुमार गौतम, बंटी, सोनू, रवि लांबा, राकेश लांबा, संजीव कुमार, डॉ सुखबीर कटारिया, महंत सूरजदास, प्रीतम सिंह, जबर सिंह, अमित सैनी, आफताब मलिक, अमन वाल्मीकि, दिगम्बर सिंह, प्रदीप बालियान आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। शांति व्यवस्था कि दृष्टि से पुलिस बल मौजूद रहा।

अंबेहटा। संत शिरोमणि रविदास मंदिर मोहल्ला नया बां) में डॉ. बी. आर. अंबेडकर उज्जवल भविष्य ट्रूस्ट के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। प्रवेश गर्ग राकेश गर्ग एवं विभोर गर्ग, मनोज गुप्ता ने स्वर्गीय मोहनलाल और बिमला देवी की स्मृति में मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पानी का फ्रिज लगवाया। अतिथियों का कमेटी की ओर से पटका पहनाकर और फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। पूर्व चेयरमैन इनाम शाकिर ने संबोधित करते हुए कहा, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर का जीवन, उनका संघर्ष और संविधान निर्माण में योगदान आज भी समाज को नई दिशा दे रहा है। शिक्षक चौधरी तारिक शाकिर, डॉ. अब्दुल कादिर और शादाब दिलशाद ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के बाद संत शिरोमणि रविदास मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नकुड थानाध्यक्ष सुरेश सिंह, चौकी प्रभारी देवेंद्र अधाना तथा पुलिस फोर्स की पूरी टीम ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। इस दौरान कमेटी संरक्षक मास्टर बिशन सिंह, प्रधान डॉ. बिन्दर पाल कल्याण,उप प्रधान धर्म सिंह, कोषाध्यक्ष रमेश रविदासिया, सुखविंदर सिंह, गुरमीत सिंह, अक्षय कुमार, अमित कुमार, विशाल कुमार, सुधीर भगत, प्रिरथी सिंह, कर्म सिंह, सतपाल सिंह, रोहित कुमार, मोहित कुमार, रजनीश कुमार आदि।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1530/ई-टेण्डर/26-27 दिनांक 06.04.2026

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 16.04.2026 से दिनांक 23.04.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 23.04.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है-

क्रम सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (लाख रु0)	निविदा की धरोहर धनराशि (लाख रु0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+ जी0एस0टी0 (रु0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	जनपद बरेली में वार्षिक अनुरक्षण योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में ए.डी.एम. कम्पाउण्ड रेजीडेन्शियल भवनों की मरम्मत व सुधार कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	32.00	3.20	944.00	दस माह	ए, बी, सी, डी (भवन कार्य हेतु)
2	जनपद बरेली में वार्षिक अनुरक्षण योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में जेल रोड/ डी.एम. कम्पाउण्ड रेजीडेन्शियल भवनों की मरम्मत व सुधार कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	25.00	2.50	944.00	दस माह	ए, बी, सी, डी (भवन कार्य हेतु)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर Login किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0बरेली

UPID: 249744 Date: 13/04/2026
Website: www.up.gov.in

यमुना नदी में धड़ल्ले से चल रहा अवैध खनन का महा घोटाला

शाह टाइम्स संवाददाता

साढौली कदीम। यमुना नदी की जलधारा को चीरकर किए जा रहे अवैध खनन के खेल में जिलाधिकारी की सख्ती के बाद बड़ा धमाका हुआ है। उत्तर प्रदेश की सीमा में घुसकर डाका डाल रहे हरियाणा के खनन माफियाओं और उनके मददगारों के खिलाफ खनन विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। खनन अधिकारी अभिलाष चौबे की तहरीर पर हरियाणा के दर्जन भर नामचीन स्टोन क्रेशर संचालकों, पोकलेन, डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉली स्वामियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पूरा मामला तब गरमाया जब सोशल मीडिया पर यमुना किनारे हो रहे अवैध खनन की तस्वीरें वायरल हुईं। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए। खनन अधिकारी अभिलाष चौबे और थाना बेहट पुलिस की संयुक्त टीम ने जब ग्राम असलमपुर बरथा में छापेमारी की, तो वहां तबाही का मंजर मिला। टीम ने मौके पर पाया कि माफियाओं ने सरकारी संपत्ति को बेरहमी से लूटा है। पैमाइश में करीब 43,645 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध कब्जा पाया गया। औसतन 2 मीटर तक गहरा खोदकर 87,306 घनमीटर आरबीएम चोरी किया गया। मौके पर पोकलेन और जेसीबी मशीनों के चलने के गहरे निशान और डंपरों के टायरों के निशान मिले हैं। जांच में सामने आया कि खनन स्थल से एक कच्चा रास्ता सीधे हरियाणा के उन क्रेशरों तक जा रहा है, जहाँ चोरी का माल खपाया जा रहा था। रडार पर आए प्रमुख क्रेशरों में सूर्या, डीएम, गंगा, महादेव, हिंदुस्तान, गुडविल, सरवरा, पीटीसी (संधू) और कमलेश प्लांट शामिल हैं। घ्प्रशासन का मानना है कि खनन स्थल से महज 500-1000 मीटर की दूरी पर स्थित इन क्रेशरों की संलिप्तता पूरी तरह स्पष्ट है।

सूत्रों का दावा है कि यह सिर्फ सीमा पार का हमला नहीं है, बल्कि इसमें उत्तर प्रदेश के भी कई रसूखदार श्सफेदपोशोंश का हाथ है। चर्चा है कि दोनों राज्यों के माफियाओं ने एक संगठित सिंडिकेट बना रखा है। पुलिस अब उन स्थानीय चेहरों को बेनकाब करने में जुटी है,

कलेक्ट्रेट सभागार में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की जयंती

जिलाधिकारी ने दिलाई संवैधानिक मूल्यों की शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भावपूर्ण नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन न्याय, समानता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने देश को एक मजबूत संविधान प्रदान कर प्रत्येक नागरिक को अधिकार, सम्मान और स्वतंत्रता दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज को "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनके विचारों को आत्मसात कर ही एक समतामूलक समाज की स्थापना संभव है।

जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद के विभिन्न स्थानों पर भी जयंती कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान के मूल्यों-सामाजिक न्याय, समानता और बंधुता-की शपथ दिलाई गई।

सैफनी में अम्बेडकर जयंती पर श्रद्धांजलि: फ्यूचर प्राइड लाइब्रेरी में हुआ माल्यार्पण कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। /रामपुर मंगलवार को नगर पंचायत सैफनी स्थित फ्यूचर प्राइड लाइब्रेरी में भारतीय संविधान के शिल्पकार, महान समाज सुधारक और भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र धर्मप्रसार प्रमुख यशपाल सिंह ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर जीवन भर न्याय और समता पर आधारित समाज की स्थापना के लिए संघर्षरत रहे। उनके विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर एक समतामूलक समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस मौके पर बजरंग दल के विभाग संयोजक विशालवीर तूफानी समेत चन्द्रपाल सिंह, सुमित जोशी, गौतम कुमार, उदयलाल, तनु कुमारी, सजल कुमारी, अलका और सोहनी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह श्रद्धा और प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा, जहां वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों को याद करते हुए समाज में समानता और भाईचारे का संदेश दिया।

डॉ भीमराव अम्बेडकर जी का 135 वा जन्मदिन केक काटकर मनाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज भावाधस ने नगर पालिका परिषद स्वार के सभागार मे बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी का 135वॉ जन्म दिवस उत्सव केक काटकर मनाया

इस मौके पर भावाधस के राष्ट्रीय संयुक्त मंन्त्री दीप सिह राही ने कहा कि बाबा साहब ने अजीवन दलितो पिछडो दबे कुचलो व महिलाओ के अधिकारो के लिए सघर्ष कर उनके अधिकार दिलाकर जीने की राह दिखाई दलित समाज आजीवन अम्बेडकर जी का ऋणी रहेगा समाज को उनके बताए मूलमंत्र शिक्षित बनो,संगठित हो सघर्ष करो को अपने जीवन मे उतारे तथा समाज मे व्यप्त बुराईयो का त्याग कर अपने बच्चो को अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण कराये तभी अम्बेडकर जी को सच्ची श्रध्दांजलि होगी कार्यक्रम मे सरवेश चौधरी, कपिल कुमार एडवोकेट, प्रदीप राजहंस, सुनील वाल्मीकि, अशोक लाला,विक्की, अनिल, सुधीर, हरकिशोर, पवन प्रकाश, रंजीत, महेन्द्र, मनोज, सौरव, विनोद,आकाश,कुन्तादेवी, वीरो देवी, सरीन, पूनम आदि मौजूद रहे।

करोड़ों की जीएसटी चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

25 हजार का इनामी चढ़ा पुलिस के हत्थे

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी के बहुचर्चित मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी वसीम उर्फ बस्सू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने इनाम घोषित किया था। थाना अजीमनगर में दर्ज इस मामले में फर्जी जीएसटी प्रपत्र और ई-वे बिल के जरिए सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी का नाम सामने आने के बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। मंगलवार को अपराध शाखा और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को जसपुर (उत्तराखंड) के टैक्सी स्टैंड से दबोच लिया गया। उसके पास से फर्जी दस्तावेज और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह के अन्य सदस्योंख्र अजीम अहमद, अमन, नवाब अली और नाजिमख्रको पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है और जीएसटी चोरी से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी

ऑपरेशन दहन: 68 किलो से अधिक मादक पदार्थ नष्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। जनपद में चल रहे ऑपरेशन दहन अभियान के तहत मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट से जुड़े 68.164 किलोग्राम मादक पदार्थों का विनष्टीकरण कराया। यह कार्रवाई मुरादाबाद स्थित सुशीला बायो मेडिकल वेस्ट प्लांट में जिलास्तरीय समिति की निगरानी में इन्सीनेटर के माध्यम से की गई। पुलिस के अनुसार नष्ट किए गए कुल 82 माल में 24.887 किग्रा चरस, 41.950 किग्रा डोडा चूर्ण, 0.082 किग्रा स्मैक और 1.245 किग्रा अन्य मादक पदार्थ शामिल रहे। यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में की गई, जिसमें जब्त मादक पदार्थों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत आगे भी जब्त मादक पदार्थों के विनष्टीकरण की कार्रवाई जारी

रवाना गांव में भीषण आग, 6 बीघा गेहूं जलकर राख

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। थाना क्षेत्र के ग्राम रवाना में मंगलवार को अचानक लगी आग से करीब 5-6 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। यह खेत ललिया पत्नी मकसूद हुसैन का बताया जा रहा है।

ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।पीड़ित किसान ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

बाबा साहब के विचारों पर चलने से ही देश और समाज आगे बढ़ेगा: मुस्तफा हुसैन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर: भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती सैदनगर क्षेत्र के गांव बेनजीर में धूमधाम मनाई गई। शोभा यात्रा निकाल कर गोष्ठी सभा आयोजित कर बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। चमरौआ विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे एवं वर्तमान में रामपुर जिला पंचायत के सदस्य मुस्तफा हुसैन भी शोभायात्रा में शामिल हुए और बाबा साहब के विचारों पर चलने का आह्वाहन किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मुस्तफा हुसैन ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर भारत के संविधान निर्माता हैं। उनकी विचारधारा पर चलकर समाज और देश को आगे बढ़ाया जा सकता है।

शोभा यात्रा में महिलाओं, युवाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। ग्राम प्रधान राम स्वरूप, पूर्व प्रधान राम प्रसाद, पूर्व प्रधान सीताराम, भारत सिंह, अरमान पाशा, इशाक अहमद, कैलाश सिंह आदि ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित किए और अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार सागर ने किया और बावा साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला।

दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेसवे पर कट बंद करने के विरोध में धरने पर बैठे किसान

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेसवे पर गांगनौली अंडरपास के पास एक कट बंद किए जाने की सूचना पर क्षेत्र के लोग विरोध में उतर आए हैं। जमकर नारेबाजी करते हुए किसान धरने पर बैठ गए।

ग्रामीणों ने मंगलवार को जमकर धरना प्रदर्शन किया और घोषणा की कि कट बंद न हो इसके लिए वे रातभर पहरा देंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कट बंद किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। किसानों का हंगामा होता देख अधिकारी वहां से खिसक गए। भाकियू नेता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को सहारनपुर से उद्घाटन करेंगे। मार्ग को मंगलवार को वाहनों के लिए खोला जाना है। बताया कि गांगनौली गांव के अंडरपास के पास क्षेत्रवासी काफी समय से कट दिलाए जाने की मांग करते आ रहे हैं और यहां बनाए गए कट को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने देंगे। उन्हें सूचना मिली कि कट बंद करने के लिए अधिकारी व कर्मचारी पहुंच रहे हैं तो इसके विरोध में काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। बताया कि इस कट से करीब 40 गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। इस कट को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने देंगे। लोगों ने कट पर ही रात्रि में पहरा देकर निगरानी शुरू कर दी। मौके पर 11 लोगों को निगरानी के लिए छोड़ा गया है। यदि रात्रि में अधिकारी कट बंद कराने पहुंचे तो वह सूचना दे सकें। इस मौके पर बिजेंद्र प्रधान, पूर्व प्रधान धर्मेंद्र राठी, विपिन राठी, संजीव राठी, रणसिंह, पवन राठी, राजेंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

अम्बेडकर जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। अम्बेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। जयंती के मौकें पर कस्बें में शोभा यात्रा निकाली गई। वही एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बाबा सहाब भीम राव अंबेडकर के विचारों और समाज के हित के लिए की गयी बातो को साझा किया गया।

रटौल में अंम्बेडकर जयंती के मौकें पर बस स्टैंड स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर सुबह से ही लोगो नें पुष्प अर्पित किए। कस्बें के चैयरमैन हाजी मुंतजिर नें भी पहुंच बाबा भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माला अर्पण की और बाबा भीम राव अंबेडकर के लिए विचार प्रकट किये। उन्होंने कहा कि बाबा सहाब नें हमेशा देश हित के लिए कार्य किया। वह हमेशा गरीबों और मजलूमों के हित की बात करते थे सविधान में भी उन्होंने देश हित के लिए काम किया माला अर्पण के बाद कस्बें में धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गयी, जो रटौल अंबेडकर भवन से लेकर कस्बें के विभिन्न मार्गो से होते हुए रटौल नाज फार्म हाऊस पर पहुंची जहा युवाओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना है।

एक नजर

धूमधाम से मनाई आंबेडकर जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

बिनौली। आंबेडकर जयंती के अवसर पर दरकावदा गांव के अंबेडकर भवन परिसर में कार्यक्रम हुआ। जिसमें कलाकारों ने सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अनिल प्रधान, सईद प्रधान, भूरा ठेकेदार, इकबाल, दूधन, सुखपाल, मनोज, जयपाल, बिजेंद्र, विनोद, मिंटू, सलेकचंद, नसीम व संदीप ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी विचारधारा, आदर्श व सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया।

बिनौली ब्लाक सभागार में ब्लॉक प्रमुख कुलदीप तोमर, बीडीओ नरेंद्र सिंह, एडीओ प्रेम कुमार व ब्लॉक कर्मियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। बिनौली, बरनावा, , सिरसली, जौहडी, जिवाना, गढ़ीदुल्ला, शेखपुरा आदि गांवों में भी कार्यक्रम हुए। उधर जिवाना के गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, सेंट आरवी कॉन्वेंट स्कूल, तितरौदा के ओमेगा वर्ल्ड सीनियर सेकेंडरी, बुडेढा के श्री नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज, बिनोली के न्यू एरा वर्ल्ड स्कूल, जय पारस पब्लिक स्कूल, बामनौली के आरएस कॉलेज आफ एजुकेशन आदि शिक्षण संस्थानों में भी अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम हुए। इस दौरान उनके चित्र व प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया।

मुबारकपुर में आंबेडकर जयंती पर छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

खेकडा। क्षेत्र के मुबारकपुर गांव में डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर हरिजन चौपाल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन विजेंद्र ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजक प्रदीप कुमार थे।

इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में केटी विंग के संस्थापक कपिल त्यागी और खेकड़ा स्थित महामना मालवीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य जितेंद्र धामा उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन और देश के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि कपिल त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब द्वारा रचित भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता और शिक्षा का अधिकार प्रदान किया है। उन्होंने जोर दिया कि इन्हीं संवैधानिक मूल्यों के कारण आज भारत विश्व पटल पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुका है।

डा. भीमराव आंबेडकर की 35वीं जयंती के अवसर पर दुवासु में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

मथुरा। भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा के प्रशासनिक भवन में एक गरिमामय स्मारक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अभिजित मित्र द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूप में डॉ. बी.आर.आंबेडकर के अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर की जयंती पर किया नमन

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पदाधिकारीयो व कांग्रेस समर्पित कार्यकर्ताओं ने भारतीय संविधान के शिल्पकार महान शिक्षाविद समाज सुधारक महान कानूनविद भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती बडे ही उत्साह पूर्वक धूमधाम से मनाई। उनकी तशवीर पर माल्यार्पण श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण करते हुए शत-शत नमन किया।

इस मौके पर विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रदेश महासचिव एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष चौधरी रामकुमार सिंह ने कहा डा.भीमराव अम्बेडकर ने दुनिया के सबसे सर्वश्रेष्ठ सविंधान का निर्माण किया। बाबा साहब ने भारत का संविधान बनाकर सभी को एक साथ जोडकर चलने का नारा दिया था हमे उनके आदर्शो पर चलना चाहिए। उन्होंने असहाय गरीब दलितो शोषित तबके के लोगों किसान मजदूर महिलाओं को समान अधिकार सम्मान से फलीभूत किया। शहर अध्यक्ष रामहरि पंवार ने कहा कि अम्बेडकर ने शिक्षित बनो संगठित बनो सघर्ष करो का जो सपना देखा था। आज धरातल पर दिखाई देता है यह नारा सामाजिक सुधार और सशक्तिकरण के लिए उनके दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस अवसर पर मदन सिंह, शिवकुमार, औमबीर, डा.सुभाष, शमीम, शोकेन्द्र, रामरंग, चाहीराम, रविन्द्र, नन्दकिशोर, बोबी, प्रेमपाल औकार दत्त आदि उपस्थित रहे।

केटी विंग ने किए बाबा साहब अम्बेडकर के चित्र वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता

खेकड़ा। क्षेत्र व जनपद के सैकड़ो गाँवों में प्रमुख समाजसेवी व व्यावसायिक कपिल त्यागी उर्फ केटी भैया की समाजिक संस्था केटी विंग की टीम ने गाँव-गाँव जाकर गाँव के प्रमुख व्यक्तियों सहित हरिजन बस्तियों में बाबा साहब डा.भीमराव अम्बेडकर के चित्रों को वितरित किया। इस दौरान गाँव मुबारिकपुर में बाबा साहब की जयन्ती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कपिल त्यागी ने कहा बाबा साहब केवल संविधान के निर्माता ही नही अपितु वह स्वतन्त्र भारतवर्ष में कान्ति का विगुल फूंकने वाले केशव है। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए लोगों को शिक्षा रूपी जादुई छड़ी देते हुए कहा शिक्षा शेरनी का वह दूध है इसे जो पियेंगा वह दहाड़ेगा। बाबा साहब के सिद्धान्तों से प्रेरित केटी विंग विकसित बागपत निर्माण अभियान द्वारा बागपत को विकसित करने के लिए निरंतर गतिमान है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एमएम इण्टर कॉलिज के प्रधानाचार्य जितेंद्र धामा ने बाबा साहब की जयन्ती पर शुभकामनाएं देते हुए कहा खेल, शिक्षा और सुरक्षा जैसे अभियानों के माध्यम से बागपत को शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक और वैचारिक रूप से केटी विंग द्वारा विकसित बनाने का यह प्रयास वंदनीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कपिल त्यागी और संचालन बिजेंद्र बाबूजी ने किया। इस अवसर पर प्रदीप, मित्तल पहलवान, अमित त्यागी, राहुल, अजय, राजेन्द्र, मुकेश, सतवीर, सतीश, नकुल, सचिन, अक्षय आरोरा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न बाबासाहेब डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती को पर्व की तरह मनाया

बागपत। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा आज पूरे जनपद में भारत रत्न बाबासाहेब डा.भीमराव अंबेडकर जी की जयंती को पर्व की तरह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाजपाइयों ने सर्वप्रथम बाबासाहेब की प्रतिमाओं एवं सार्वजनिक स्थलों पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया। तत्पश्चात सभी मंडलों, बूथों एवं शक्ति केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित कर बाबासाहेब के चित्र व तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यकर्ताओं ने बाबासाहेब के शशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोश के संदेश को आत्मसात करते हुए उनके बताए पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

lL—fr fofo e 21 fnu fn;k lk¶V fLdYl vkj rduhdh çf'k{k.k

'kkg VkbEl loknnkrk

eFkjkA संस्कृति विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल्स और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए 21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन आईटीसी एकादमी(भारत सरकार की एक पहल) द्वारा रेडिंगटन फाउंडेशन के सहयोग से किया गया था।

कार्यक्रम को दो हिस्सों में बांटा गया था, छह दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण, जिसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी में 15-दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

शुरुआती छह दिनों में आवश्यक पारस्परिक कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अंबेडकर जयंती व बैसाखी पर्व पर रालोद की बैठक

डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष शिक्षा और समानता का प्रतीक : शाहिद हुसैन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। राष्ट्रीय लोक दल के जिला कार्यालय पर 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती एवं बैसाखी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष शाहिद हुसैन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का प्रतीक है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश के हर नागरिक को समान अधिकार, न्याय और स्वतंत्रता दिलाई। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उन्हें अपनाना समय की जरूरत है। उन्होंने अपने राजनी. तिक वक्तव्य में कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन पुनः पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगा और रालोद उत्तर प्रदेश में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी लगातार सशक्त हो रही है और प्रदेश की राजनीति में उनकी भूमिका निर्णायक है। इस अवसर पर रुहैलखंड क्षेत्रीय महासचिव श्रीमती सुमन सिंह परिहार ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज के हर वर्ग, विशेषकर महिलाओं को समानता और सम्मान दिलाने में ऐतिहासिक योगदान दिया। कार्यक्रम के साथ ही रालोद जिला इकाई की मासिक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीमती शशि बाला, रामपुर नगर अध्यक्ष नवाब खान, महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती कुलदीप कौर, महिला जिला महासचिव श्रीमती कालीवती सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन जिला महासचिव प्रभात भारद्वाज ने किया। इसके अलावा सुरेंद्र कुमार, कासिम, गुरबाज सिंह, शंकर लोधी, विनोद कुमार यादव, फरियाद हुसैन, शाकिर अली, मनं. जंदर सिंह, सरदार दर्शन सिंह, राशिद अली, अकख्तर अली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने तथा संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबा साहब की जयंती

कांग्रेस कार्यालय पर संजय कपूर ने किया संबोधित

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। संविधान निर्माता व भारत रत्न बाबा भीमराव आंबेडकर की जयंती जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर विभिन्न संगठनों ने कहीं पर गोष्ठी तो कहीं पर जुलूस निकाला। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर बाबा साहब को नमन किया गया। विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष और उनके द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही संविधान की रक्षा का संकल्प लिया।

आंबेडकर जयंती पर कांग्रेस कार्यालय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। सबसे पहले कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। पूर्व विधायक संजय कपूर ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहब ने केवल एक ग्रंथ नहीं लिखा, बल्कि करोड़ों भारतीयों को सम्मान से जीने का मार्ग दिया है। उन्होंने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि आज देश का संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाएं खतरे में हैं। कुछ शक्तियां बाबा साहब द्वारा दिए गए समानता के अधिकार को समाप्त करना चाहती हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता बाबा साहब के पदचिह्नों पर चलते हुए संविधान की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। हम देश के मूल ढांचे के साथ कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। जिलाध्यक्ष प्रमिल कुमार उर्फ निक्कू पंडित ने संविधान की रक्षा की शपथ दिलाते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को वोट की शक्ति देकर उसे मुख्यधारा से जोड़ा। जिला कांग्रेस कमेटी आज यह संकल्प लेती है कि हम घर-घर जाकर बाबा साहब के विचारों का प्रचार करेंगे और लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। संविधान बचेगा, तभी देश का लोकतंत्र सुरक्षित रहेगा। इस मौके पर शहर अध्यक्ष बाकर अली खान, साहिर रजा खान, अजीब सिंह, दुर्गेश मौर्य, कपिल चौधरी, नोमान मुमताज खान, मोहम्मद रफी, राजेश लोधी, फरीद खान सूरज और पूरन आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितयों में हलवाई की मौत, परिजनों में कोहराम

रात मजदूरों के साथ गया था हलवाई, सुबह ठेले पर पड़ा मिला शव

रामपुर। बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में हलवाई की मौत हो गई। सोमवार की रात वह अपने मजदूरों के साथ कहीं पर गया था। देर रात वह लोग हलवाई को उसके ठेले पर छोड़ गए। सुबह परिजन जब बाहर आए तो ठेले पर हलवाई मृत अवस्था में पड़ा था। इसके बाद परि. जनों में कोहराम मच गया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही अगली कार्रवाई की जाएगी।

बिलासपुर के लक्ष्मी नगर निवासी नन्हें कश्यप हलवाई था। घर के बाहर ही वह ठेला लगाता था। इसके अलावा सहालग आदि करने जाता था। सोमवार की शाम वह साथ काम करने वालों के साथ गया था। बताते हैं कि देर रात वह लोग नन्हें को उसके ठेल पर छोड़कर चले गए थे। सुबह वह मृत अवस्था में ठेले पर पड़ा मिला। दिन निकलने पर जब परिजन बाहर आए तो काफी हिलाया लेकिन शरीर में हरकत न होने पर एक डाक्टर के यहां पर ले गए। जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबा साहब की जयंती, किया याद

विभिन्न संगठनों ने गोष्ठी करने के साथ ही निकाला जुलूस

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। संविधान निर्माता व भारत रत्न बाबा भीमराव आंबेडकर की जयंती जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर विभिन्न संगठनों ने कहीं पर गोष्ठी तो कहीं पर जलूस निकाला। राष्ट्रीय लोक दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला कार्यालय पर अंबेडकर जयंती पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव रोहिलखंड प्रभारी पूर्व जिला अध्यक्ष रामपुर मोहम्मद उस्मान बबलू ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि बाबा के लिखे संविधान को आगे बढ़ाना है। सभी से संविधान का सम्मान करने की अपील की। कहा कि हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी बराबर युवा नारी शक्ति को रोजगार देने का कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय लोकदल का एक ही मकसद है गरीब मजदूर किसान को कैसे फायदा पहुंचाया जाए जनपद रामपुर में राष्ट्रीय लोक दल काझंडा बुलंद किया है और आगे भी करते रहेंगे। इस मौके पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष फैयाज हसन गुड्डू, क्षेत्रीय सचिव नाजिया खान, नगर महासचिव नाजरीन जहां, नगर सचिव शकील सैफी, क्षेत्रीय सचिव महफूज खान, मंजू खान, मुनाजिर हुसैन, गुलवेज अहमद और फुरकान अहमद आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती पर ककरौआ में कार्यक्रम

सहकारी बैंक चेयरमैन मोहन लाल सैनी ने किया माल्यार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। ग्राम ककरौआ में अंबेडकर जयंती के अवसर पर अंबेडकर पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम में सहकारी बैंक चेयरमैन मोहन लाल सैनी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज को समानता और न्याय की राह दिखाते हैं। उन्होंने लोगों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान देवेंद्र सैनी, छत्रपाल सैनी, पप्पू सागर, सोनू सागर, बलराम सागर, राजपाल सैनी, छत्रपाल लोधी, दिलीप बाल्मीकि, राकेश वाल्मीकि, ओम प्रकाश सागर, बलबीर सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के उपरांत बस्ती में जनसम्पर्क कर लोगों से संवाद भी किया गया।

धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबासाहब भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। भूवरा के अंबेडकर पार्क में संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें नगर के सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं श्रद्धांजलि दी गई । इस मौके पर बोलते हुए पूर्व चेयरमैन हरिओम मौर्य ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान की रचना की तथा बाबा साहब ने एक साधारण से परिवार में जन्म लेकर भी विषम परिस्थितियों में भी भारतीय संविधान की रचना की तथा 32 डिग्रीया हासिल की तथा 9 भाषाओं के जानकार थे उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स मैं मात्र 2 साल 3 महीने में 8 साल की पढ़ाई पूरी की उन्होंने दलित शोषित वंचित समाज के उत्थान के लिए कार्य किया जिसके फल स्वरुप आज देश में दलित शोषित वंचित समाज उत्थान के राह पर आगे बढ़ रहा है वही वक्ता ने कहा कि डॉवभीमराव अंबेडकर एक महान देशभक्त न्याय के पुजारी, शिक्षाविद, समाज सुधारक, धर्म-दर्शन, बहु भाषा विद, लेखक ,अर्थशास्त्री, दार्शनिक और दलितों के मसीहा थे भारत के संविधान के निर्माता के रूप में देश भर में प्रसिद्ध हैं अंबेडकर का प्रारंभिक जीवन और शिक्षा बेहद संघर्षपूर्ण रहा उन्हें छुआछूत ऊंच-नीच आदि का बचपन से ही सामना करना पड़ा इसके विप. रीत भी उन्होंने शिक्षा के बल पर दलित शोषित समाज के लिए महान कार्य किया । 14 अप्रैल का दिन देशभर में अंबेडकर जयंती के तौर पर मनाया जाता है वह भारत में दलितों को पिछड़े वर्गों के मसीहा थे उन्होंने भारतीय समाज में समानता लाने में काफी प्रयास किए तथा काबिलियत के बल पर ही वह कानून मंत्री भी बनाए गए ।बाबा साहब ने भारत के संविधान निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभाई जिसके चलते उन्हें संविधान का जनक भी कहा जाता है इस मौके पर नगर में मुख्य मार्गो से अंबेडकर शोभायात्रा भी निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे जिसमें बाबा साहब की झांकी आकर्षण का केंद्र रही इस मौके पर कोतवाली प्रभारी व चौकी इंचार्ज अजय कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ सुरक्षा की दृष्टि से तैनात रहे तथा शोभायात्रा के बाद सभी को सहभोज भी दिया गया गया। इस मौके पर चेयरमैन दिनेश गोयल, पूर्व चेयरमैन हरिओम मौर्य, पूर्व चेयरमैन डाक्टर महेश मौर्य, कपिल गुप्ता, प्रताप सिंह, राजेन्द्र कुमार दिवाकर,राजेंद्र सागर, शाहरूख अंसारी, करतार सिंह सागर, बृजनंदन सागर, परमजीत सागर,,, पवन शर्मा,पूर्व चेयरमैन डाक्टर महेश मौर्य बन्टू गुप्ता, महेंद्र मौर्य, सजीव कुमार वर्मा अनुज गुप्ता, भगवती प्रसाद, जितेंद्र चन्द्रा ,ब्रह्मपाल सागर, सोमपाल सागर, , विजय सिंह सागर, राजू सागर ,हरिराम सागर, राजू सैनी, राजेंद्र सागर, रामप्रसाद सागर, महेंद्र सागर, अनिल सागर आदि काफी संख्या में लोग रहे ।

भक्ति और आस्था के संग शुरू हुई राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा

भव्य कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। श्री सनातन रामलीला कमेटी के तत्वावधान में नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ भक्ति और श्रद्धा के माहौल के बीच धूमधाम से हो गया। यह धार्मिक अनुष्ठान 20 अप्रैल तक विभिन्न वैदिक विधि-विधानों के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें हरदोई से आए विद्वान ब्राह्मणों द्वारा पूजा-अर्चना और अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलवार सुबह भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। कलश यात्रा बाबा लक्ष्मण दास समाधि स्थल से प्रारम्भ होकर सरस्वती विद्या मंदिर मार्ग से होते हुए उत्सव पैलेस स्थित नवनिर्मित राम मंदिर परिसर तक पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कलश यात्रा में सिर पर कलश धारण किए महिलाएं पारंपरिक परिधानों में भक्ति गीत गाती हुई आगे बढ़ रही थीं, वहीं ष्जय श्रीरामष और ष्सीतारामष के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया, जिससे माहौल और भी आध्यात्मिक बन गया। कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन यज्ञ, हवन, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक प्रवचन आयोजित किए जाएंगे। 20 अप्रैल को विधिवत मंत्रोच्चारण के बीच भगवान राम की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर नगर के गणमान्य लोग, रामलीला कमेटी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है और श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

आंबेडकर जयंती के मौके पर जिला अस्पताल में हुई गोष्ठी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। संविधान निर्माता बाबा भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिला अस्पताल में गोष्ठी का आयोजन किया गया। सीएमएस डॉ. बीसी सक्सेना समेत अन्य स्टाफ ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए संविधान की रक्षा करने की बात कही।

14 अप्रैल 2026 को रामपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिसमें उनके विचारों का प्रसार और सामा. जिक समानता का संदेश दिया गया। इस मौके पर जिला अस्पताल में भी एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। सीएमएस डॉ. बीसी सक्सेना समेत अन्य स्टाफ ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस मौके पर वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को वर्तमान समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा, "डॉ. अंबेडकर ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका सपना एक ऐसे भारत का था, जहां भेदभाव न हो और सभी को न्याय मिले। बाबा तेरा मिशन अधूरा, हम सब मिलकर करेंगे पूरा। बाद में सभी ने संविधान की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर ओपी राय, हरीश धोनी, अनुभव, शकील अहमद, सोनम, रेखा, कविता और अनुराग दिवाकर आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती पर भव्य शोभायात्रा, विधायक आकाश सक्सेना ने किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। अंबेडकर युवक संघ की ओर से डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसका शुभारंभ शहर विधायक आकाश सक्सेना ने किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान बनाकर शोषित वर्गों को अधिकार दिलाए और राष्ट्र को सशक्त किया। युवाओं से शिक्षा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मोहल्ला पक्का बाग से निकली शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बाबा साहब और महर्षि वाल्मीकि की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

रास्ते भर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। झांकियों के माध्यम से बाबा साहब के जीवन संघर्ष, शिक्षा के महत्व और सामाजिक न्याय के संदेश को दर्शाया गया। इस दौरान दिनेश कुमार सागर, महेश कुमार सागर, जबर सिंह सागर, महावीर सिंह, अमर सिंह, राकेश सागर, राजेंद्र सागर, आनंद प्रकाश वाल्मीकि, विल्सन कुमार, रामप्रसाद चौधरी, प्रमोद कुमार, नरेश कुमार, सैंपल सिंह, विजय कुमार सागर, राकेश कुमार सागर, रतेंद्र सिंह रवि, रविंदर सिंह रवि, जयपाल सिंह अंबेडकर आदि मौजूद रहे।

सभासद महफूज उर्रहमान खां के निधन पर नवेद मियां ने शोक जताया

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। नगरपालिका परिषद रामपुर के सभासद महफूज उर्रहमान खां के निधन पर पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने शोक जताया है। नूर महल से जुड़े रहे वरिष्ठ सभासद के इंतकाल की खबर सुनकर पूर्व मंत्री नवेद मियां, अपनी मां पूर्व सांसद बेगम नूरबानो, पत्नी बेगम यासीन अली खां उर्फ शाहबानो, बेटे नवाबजादा हैदर अली खां उर्फ हमजा मियां और राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के जिला महासचिव काशिफ खां के साथ मोहल्ला कुंडा स्थित उनके निवास पर पहुंचे और गम का इजहार किया। नवेद मियां ने कहा कि महफूज उर्रहमान खां बहुत अच्छे इंसान थे। 1967 से लेकर अब तक रामपुर में सर्वाधिक बार निर्वाचित सभासद थे। उनकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकेगी।

सभासद महफूज उर्रहमान खां का फाइल फोटो

बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 135 में जयंती पर शोभा यात्रा निकाली गई

शाह टाइम्स संवाददाता

सैदनगर क्षेत्र के ग्राम दिलपुरा में भारत रत्न भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती पर शोभा यात्रा निकाल कर बहुत ही धूमधाम से मनायी। कार्यक्रम आयोजक राजीव कुमार अम्बेडकर ने कहा बाबा साहब ने देश के शोषित वंचित उपेक्षित वर्गों के लिए कार्य किए और बाबा साहब ने शिक्षित होना बहुत जरूरी बताया है। और केक काट कर कार्यक्रम समापन किया। इस अवसर पर राजीव अम्बेडकर जी, सुभाष कुमार सागर जी, दिनेश बाबू एडवोकेट, राज. ेश कुमार सागर, सतीश कुमार जी, शिवम कुमार पूर्व प्रधान प्रतिनिधि, रघुवंश सिंह पूर्व प्रधान, विनोद कुमार जी, अजय कुमार, बंटी कुमार, आकाश कुमार एडवोकेट सुनील कुमार, जित. ेंद्र कुमार अध्यापक आदि मौजूद रहे।

हृदय गति रूकने से अधिवक्ता की मौत, अधिवक्ताओं में शोक की लहर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। नगर के प्रसिद्ध अधिवक्ता देवेंद्र कुमार ओझा के बेटे अधिवक्ता प्रमित ओझा का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। अधिवक्ता के निधन से वकीलों में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार प्रमित ओझा कुछ समय से सक्रिय तौर पर प्रैक्टिस नहीं कर रहे थे, मंगलवार को उन्हें हार्ट अटैक आया। परिजन उन्हें शाहबाद के निजी चिकित्सक के यहां लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें बाहर ले जाने की सलाह दी। जिस पर परिजन प्रमित ओझा को मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां मंगलवार दोपहर में निधन हो गया।

चेन्नई ने कोलकाता को 193 का टारगेट दिया

सैमसन ने 48, ब्रेविस ने 41 रन बनाए, कार्तिक त्यागी ने चटकाए2 विकेट

चेन्नई, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल के 22वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 193 रन का टारगेट दिया। चेपाक स्टेडियम में केकेआर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। सीएसके ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। संजू सैमसन ने 32 बाल पर 4 चौके और 3 छक्कों के सहारे 48 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 29 बाल पर 41 रन की पारी खेली।

आयुष म्हात्रे ने 17 बाल पर 38 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के मारे। केकेआर से कार्तिक त्यागी ने दो विकेट झटके। वैभव अरोरा, अनुकूल राय और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला। चेन्नई की पारी का 20वां ओवर डाल रहे कार्तिक त्यागी ने महज 8 रन बनाए। उनके इस ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई। 18वें ओवर में चेन्नई ने 5वां विकेट गंवाया। यहां पर डेवाल्ड ब्रेविस 41 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कार्तिक त्यागी ने वैभव अरोरा के हाथों कैच कराया। त्यागी को दूसरा विकेट

मिला है। उन्होंने संजू सैमसन (48 रन) को बोल्ड किया। 17वें ओवर में सीएसके ने चौथा विकेट गंवाया। यहां पर सरफराज खान 23 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें सुनील नरेन ने 17वें ओवर की पहली बाल पर बोल्ड कर दिया। इसी के साथ 51 रन की साझेदारी टूट गई। 16वें ओवर में चेन्नई ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। इस ओवर में वैभव अरोरा ने 20 रन खर्च कर दिए। उनके ओवर में दो छक्के और एक चौका पड़ा। ब्रेविस ने दूसरी बाल पर छक्का लगाया, जबकि चौथी बाल पर सरफराज खान के बल्ले से छक्का आया। आखिरी बाल पर ब्रेविस ने चौका मारा। 14वें ओवर में डेवाल्ड ब्रेविस ने वरुण चक्रवर्ती की बाल पर लगातार दो चौके लगाए। चौथी और 5वीं बाल को बाउंड्री के बाहर पहुंचाया। ओवर की दूसरी बाल पर सरफराज खान ने एक छक्का भी मारा। वरुण के इस ओवर से 15 रन आए। सुनील नरेन ने 13वें ओवर में महज 3 रन दिए। ये सभी रन सिंगल के जरिए आए। नरेन के इस ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई। उन्होंने 3 ओवर महज 16 रन ही दिए हैं। सीएसके ने तीसरा विकेट गंवा दिया। यहां पर संजू सैमसन 48 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कार्तिक त्यागी ने 12वें ओवर की दूसरी बाल पर बोल्ड किया, पहली बाल पर छक्का पड़ा था। 10वें ओवर में चेन्नई ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। संजू सैमसन ने कार्तिक त्यागी के ओवर की 5वीं बाल पर अपर कट करके छक्का लगाया। इसी छक्के के सहारे टीम ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। 9वें ओवर में सुनील नरेन ने महज 5 रन दिए। उनकी पहली बाल पर ब्रेविस के कैच आउट होने का मौका बना, लेकिन मिड आन पर कैच उठा था, मिडविकेट, मिड आन और मिड आफ के फील्डर इसे पकड़ने के लिए दौड़े, लेकिन फील्डर्स के पहुचने से पहले बाल जमीन पर गिर गई। टॉस हारकर बैटिंग कर रही चेन्नई की शुरुआत मिलीजुली रही। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 72 रन बनाने में दो विकेट गंवा दिए।

मिचेल व दीप्ति शर्मा बने विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

लंदन, वार्ता। मिचेल स्टार्क को विजडन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना है। उन्होंने 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और एशेज में अहम भूमिका निभाई। वहीं दीप्ति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का सम्मान मिला है।

नवम्बर में घरेलू जमीन पर भारत की ऐतिहासिक विश्व कप जीत में उनका बड़ा योगदान रहा। इन पुरस्कारों का ऐलान अल्मनाक के 163वें संस्करण के प्रकाशन से पहले किया गया। 36 साल के स्टार्क ने इस साल 11 टेस्ट मैचों में 17-32 की औसत से 55 विकेट लिए। इसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ नौ रन देकर छह विकेट लेने का उनका करियर बेस्ट प्रदर्शन भी शामिल रहा। इसके बाद 2025-26 एशेज के पहले दो टेस्ट में उन्होंने 18 विकेट झटके और पूरी सीरीज में 19-93 की औसत से 31 विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई। 28 साल की

दीप्ति शर्मा भारत की 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहीं। भारत ने नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीता। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 30-71 की औसत से 215 रन बनाए और 20-40 की औसत से 22 विकेट भी लिए। फाइनल में उन्होंने 58 रन की अहम पारी खेली और 5 विकेट लेकर मैच अपने नाम किया। भारत के पुरुष क्रिकेटरों को भी इस बार अल्मनाक में बड़ी पहचान मिली है। शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को विजडन के 'साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' में शामिल किया गया। इन सभी ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था।

खेल विशेष

कमिंस के 17 अप्रैल को एसआरएच में वापस आने की उम्मीद

हैदराबाद, वार्ता। दो डेब्यू करने वाले भारतीय पेसरों की शानदार सफलता पर सवार सनराइजर्स हैदराबाद का बॉलिंग अटैक और मजबूत हो सकता है, क्योंकि पैट कमिस की टीम से कुछ अच्छी खबर आई है। उनके चुने हुए कप्तान, जो दुनिया के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक हैं, जल्द ही उनके आने वाले मैचों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। अभी तक कोई गारंटी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से नई उम्मीद जगी है। क्रिकबज को पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिस बुधवार को घर पर फिटनेस टेस्ट देंगे, और अगर वह इसे पास कर लेते हैं - जिसके बारे में फेंचाइजी में उम्मीद की किरण है - तो उनके उनके लिए खेलना शुरू करने का चांस है। कमिस के 17 अप्रैल को हैदराबाद वापस आने की उम्मीद है। एसआरएच अपना अगला मैच शुक्रवार (18 अप्रैल) को अपने घर पर खेलेगा।

ब्रिटेन के जैक ड्रेपर पहले राउंड में रिटायर हुए

बार्सिलोना (स्पेन), वार्ता। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर घुटने की चोट के कारण बार्सिलोना ओपन में टॉमस मार्टिन एचेवेरी के खिलाफ अपने पहले राउंड के मैच के तीसरे सेट में रिटायर हो गए। क्ले-कोर्ट सीजन का अपना पहला मैच खेल रहे ड्रेपर ने अर्जेंटीना के एचेवेरी के खिलाफ पहला सेट 6-3 से जीता, लेकिन उन्हें मूवमेंट में दिक्कत होने लगी और दूसरा सेट 6-3 से हार गए। 24 साल के इस खिलाड़ी पर एक फिजियो ने ध्यान दिया और डिसाइडिग सेट से ठीक पहले उनके दाहिने घुटने के नीचे के हिस्से पर टेप लगाया गया। तीसरे सेट में एचेवेरी ने उनकी सर्व दो बार तोड़ी और कोर्ट पर घूमने में मुश्किल होने के बाद, उन्होंने 4-1 से पीछे होने पर मैच छोड़ दिया। दुनिया में 28वें रैंक वाले ड्रेपर हाथ की चोट से वापसी के दौरान सावधान रहे हैं और टूर्नामेंट से पहले हाल ही में हुए मोंटे कार्लो मास्टर्स से हट गए थे।

चेपॉक पर धोनी ने की प्रैक्टिस अभी वापसी में देरी संभव

चेन्नई, वार्ता। काफ इंजरी से उबर रहे एमएस धोनी की आईपीएल 2026 में वापसी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि वह अभी भी मैच फटिनेस पर काम करते प्रतीत हो रहे हैं। 28 मार्च को सीजन के पहले दिन चेन्नई सुपर किग्स (सीएसके) ने अपने बयान में बताया था कि धोनी पहले दो सप्ताह तक के लिए बाहर रह सकते हैं और वह रिहैब से गुजरेंगे।

धोनी टीम के अन्य साथियों के साथ अभ्यास कर रहे हैं लेकिन वह केवल थ्रोडाउन का सामना कर रहे हैं और अभी भी उनका पूरी तरह से फटि होना बाकी है। सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर चेपॉक में अंडर लाइट्स सीएसके के अभ्यास के अंतिम चरण में धोनी ने नेट्स में थोड़ी देर अभ्यास किया। लेकिन एक बार फिर उन्होंने सपोर्ट स्टाफ से केवल थ्रोडाउन का सामना किया, जब हसी ने प्रैक्टिस पिच के बीच में गेंद डाली तो गेंद धोनी के बल्ले के जोड़ पर जा लगी। लेकिन जब गेंद उनके स्लॉट में पड़ी तब उन्होंने गेंद को अपने बॉटम हैंड का इस्तेमाल करते हुए मिडविकेट बाउंड्री की ओर भेज दिया। इसके बाद उन्होंने स्लॉट में पड़ी एक और गेंद को लेग साइड में 'जे' स्टैंड में भेज दिया। सीएसके का अभ्यास सत्र रात के नौ बजे समाप्त हुआ। धोनी ने विकेटकीपिग का अभ्यास नहीं किया। 44 वर्षीय धोनी ने सीएसके के अब तक चारों मुक. ाबले मिस किए हैं और मंगलवार को भी वह खेलने से चूक सकते हैं। उन्होंने अब तक चेन्नई के बाहर सीएसके के मुकाबलों के लिए गुवाहाटी और बेंगलुरु की यात्रा नहीं की है। वहीं सीएसके के घरेलू मुकाबलों के लिए भी वह चेपॉक नहीं पहुंचे हैं। गुवाहाटी में पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिग ने कहा था कि वह टीम से जुड़ी चर्चाओं में शामिल रहते हैं और टीम पर उनका प्रभाव अभी भी मजबूत है। धोनी की अनुपस्थिति में संजू सैमसन विकेटकीपिग कर रहे हैं और इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवर्टन ने अपने खेल से फर्निशर की भूमिका अदा करने की झलक दिखाई है।

RCB की धाकड़ बल्लेबाजी व आउट ऑफ फॉर्म LSG के बीच मुकाबला

बेंगलुरु, वार्ता। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में, जहां बाउंड्री छोटी होती हैं और बॉलर अक्सर ऐसे दिखते हैं जैसे मानसून आते ही उन्होंने अपना छाता खो दिया हो, एक और आईपीएल शाम चुपचाप अपने हमेशा के थिएटर जैसा माहौल बना लेती है।

इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जैसी मजबूत घरेलू टीम के चैलेंजर के तौर पर आ रहे हैं। यहीं पर आरसीबी कुछ ऐसा कर रही है जो क्रिकेट कम और एक अच्छी तरह से तैयार फैक्ट्री ज्यादा लगता है और उनके रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए थोड़ा डरावना है। इसे सिर्फ अच्छी

बैटिंग फॉर्म कहना गलती होगी। यह भगदड़ को तेज चलना कहने जैसा होगा। इस मैदान पर, आरस. ीबी ने रन बनाने को लगभग रूटीन, फिर भी जबरदस्त बना दिया है। 200 रन का आंकड़ा अब कोई मील का पत्थर नहीं रहा, यह सिर्फ एक विनम्र सुझाव है। बैटिंग कंट्रोल में शुरू होती है, लगभग ऐसे जैसे कोई सरकारी ऑफिस समय पर खुल रहा हो, और फिर धीरे-धीरे कुछ ज्यादा अग्रेसिव और बॉलर्स के लिए उसे रोकना नामुमकिन हो जाता है। इस सीजन में आरसीबी की बैटिंग यूनिट को विराट कोहली लीड कर रहे हैं, जिन्होंने टॉप पर अपनी हमेशा की तरह अथॉरिटी के साथ चार मैचों में 179 रन बनाए हैं। उनके साथ, फिल सॉल्ट ने जबरदस्त शुरुआत दी है, जिसमें पिछले मैच में 36 गें. दों पर 78 रन की तेज पारी शामिल है, जिससे शुरुआत में ही माहौल बन गया। देवदत्त पडिक्कल भी शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में 125 रन बनाए हैं, जिसमें दो तेज फिफ्टी शामिल हैं और उनका स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा है, जिससे वह पावरप्ले और शुरुआती मिडिल ओवर्स में सबसे खतरनाक बैट्समैन में से एक बन गए हैं।

वैभव का विकेट पहली गेंद पर लेने के बारे में पहले ही कहा था: हिंगे

हैदराबाद, वार्ता। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए अपने आईपीएल डेब्यू पर धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले विदर्भ के तेज गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने कहा कि उन्होंने पिछले साल ही यह सोच लिया था कि जब वह डेब्यू करेंगे तो चार या पांच विकेट लेंगे। हिंगे ने बताया कि उन्होंने पहले ही कुछ लोगों से यह भी कहा था कि वह पहली ही गेंद पर वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेंगे।

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने के बाद हिंगे ने कहा कि पिछले साल मैंने कहीं पर लिखा था कि जब मैं डेब्यू करूंगा तो चार या पांच विकेट लूंगा। मैं पावरप्ले में जितना संभव हो हावी होना चाहता था। मुझे औरों का नहीं पता लेकिन मुझे इसमें (मैनिफेस्टेशन) विश्वास है। कप्तान इशान किशन ने पहला ओवर हिंगे को ही थमाया था और उन्होंने अपनी दूसरी ही गेंद पर सूर्यवंशी को आउट कर दिया। सूर्यवंशी की यह पहली गेंद थी और वह लेग साइड में खेलने गए लेकिन गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर

कीपर के पास चली गई। हिंगे ने सूर्यवंशी के अलावा अपने पहले ही ओवर में ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस का विकेट भी लिया लेकिन उनका सबसे पसंदीदा विकेट सूर्यवंशी का विकेट था। हिंगे ने कहा कि सूर्यवंशी का विकेट सबसे बढ़िया था क्योंकि वह फॉर्म में थे। मैंने पहले ही कुछ लोगों से कह रखा था कि मैं उसे पहली ही गेंद पर आउट करूंगा, या तो बाउंसर डालूंगा या किसी और तरह से उसे आउट करूंगा। मैं पहली ही गेंद पर उसका विकेट लेना चाहता था। यही योजना थी और हमारे गें. दबाजी कोच वरुण (आरोन) भाई ने मेरी काफी मदद की। मैं हर किसी का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरा साथ दिया। हिंगे ने अपनी क्रिकेट की यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जब उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तब उन्हें यह भी पता नहीं था कि लेदर बॉल किसे कहते हैं। हिंगे ने कहा कि मैंने 13 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब मैं यह भी नहीं जानता था कि लेदर बॉल क्या होती है। मैंने अपने पिता से कहा था कि मैं क्लब से जुड़ना चाहता हूं लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया कि मैं अभी काफी छोटा हूं। लेकिन कैसे भी फिर चीजें वहां से शुरू हुईं और मैं लगातार खेलता रहा। यहां पर खड़ा होना एक सुखद एहसास है, मैं इस अवॉर्ड को अपने परिवार को समर्पित करना चाहता हूं। हिंगे के साथ ही एक अन्य तेज गें. दबाज साकिब हुसैन ने भी धमाकेदार डेब्यू किया और उन्होंने भी चार विकेट हासिल किए।

दूसरे ओवर में ही उन्होंने यशस्वी जायसवाल का विकेट निकाला था और फिर उन्होंने आरआर की ओर से एकमात्र अर्धशतक जड़ने वाले डॉनोवन फरेरा का भी विकेट निकाला। साकिब ने अपने इस प्रदर्शन का श्रेय आरोन को दिया। साकिब ने कहा कि हर एक खिलाड़ी की ख्वाहिश होती है कि उसका डेब्यू इस तरह से हो। जब मुझे पता चला कि मैं डेब्यू कर रहा हूं तो फिर काफी अच्छा लगा। गेंदबाजी कोच ने एक दिन पहले ही मुझे बता दिया था कि मैं खेलने वाला हूं, तो मैं उसके लिए तैयार था। गेंदबाजी कोच वरुण आरोन मेरे साथ पिछले तीन-चार मैच से काम कर रहे थे। मेरी गेंदबाजी में सुधार उनकी वजह से हुआ है।

पैट कमिंस को अपना आदर्श मानते हैं प्रफुल हिंगे

हैदराबाद, वार्ता। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ आईपीएल 2026 में डेब्यू करते हुए विदर्भ के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को धमाकेदार शुरुआत दिलाते हुए अपने पहले ही ओवर में तीन विकेट निकाल लिए। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी के अलावा ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को पवेलियन चलता कर दिया। सीनियर स्तर पर 24 वर्षीय हिंगे का यह केवल दूसरा टी20 मैच था और उन्होंने ओवर की दूसरी ही गेंद पर सूर्यवंशी को चलता कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने दो और विकेट निकाले और आईपीएल इतिहास में पारी के पहले ओवर में तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज भी बन गए। इसके बाद हर कोई यह पूछने लगा: यह प्रफुल हिंगे कौन है? हिंगे ने अक्टूबर 2024 में विदर्भ के लिए प्रथम श्रेणी डेब्यू किया था और पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 26-37 की औसत से 16 विकेट हासिल किए थे। इस मुकाबले से पहले उन्होंने एकमात्र टी20 दिसम्बर 2025 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेला था जिसमें उन्होंने 23 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल विदर्भ प्रो टी20 लीग में नेको मास्टर ब्लास्टर्स के खिताबी सीजन में अहम भूमिका अदा की थी। हिंगे एक घातक तेज गेंदबाज साबित हो सकते हैं और वह अपने कद का अच्छा इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। वह एसआरएच के अपने नियमित कप्तान पैट कमिस को अपना आदर्श मानते हैं और उनके साथ ड्रेसिग रूम शेयर करना चाहते हैं। हिंगे विदर्भ के अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज उमेश यादव को भी अपनी प्रेरणा मानते हैं जिनके साथ उन्होंने अपने टी20 डेब्यू पर गेंदबाजी की शुरुआत की थी। हिंगे ने कुल मिलाकर 10 प्रथम श्रेणी मुक. ाबले खेले हैं और 27 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने छह लिस्ट ए मुकाबले खेलते हुए पांच विकेट हासिल किए हैं।

बिहार में बड़े स्टेज पर परफॉर्म करने का पोटेंशियल है: हर्षवर्धन

हैदराबाद (तेलंगाना), वार्ता। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के प्रेसिडेंट,हर्षवर्धन ने आईपीएल 2026 में युवा फास्ट बॉलर साकिब हुसैन के शानदार डेब्यू पर खुशी जताई और इसे बिहार क्रिकेट के लिए गर्व का पल बताया। हर्षवर्धन ने इस बात पर जोर दिया कि साकिब का परफॉर्मेंस राज्य से उभर रहे खिलाड़ियों की बढ़ती ताकत और पोटेंशियल को दिखाता है और बिहार के क्रिकेटिंग इकोसिस्टम के लिए एक पॉजिटिव कदम है।

गोपालगंज जिले के रहने वाले और बिहार क्रिकेट एसोसिएशन को रिप्रेजेंट करने वाले साकिब हुसैन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपने डेब्यू पर शानदार परफॉर्मेंस दी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने पहले ही मैच में, उन्होंने अपने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए, और अपनी टीम की जीत में अहम रोल निभाया। हर्षवर्धन ने कहा कि साकिब हुसैन को इस अचीवमेंट के लिए बहुत-बहुत बधाई। जिस तरह से उन्होंने अपने पहले ही आईपीएल मैच में बॉलिंग की, वह बिहार क्रिकेट के लिए एक पॉजिटिव साइन है। उनके परफॉर्मेंस से पता चलता है कि बिहार के प्लेयर्स में बड़े स्टेज पर परफॉर्म करने का पोटेंशियल है। हमें उम्मीद है कि वह भविष्य में भी इसी तरह का प्रदर्शन करते रहेंगे। इस बीच, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी जयिाउल अरफीन ने भी साकिब के परफॉर्मेंस की तारीफ की और इसे पूरे बिहार क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व की बात बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साकिब का सफर कड़ी मेहनत और डेडिकेशन का सबूत है और यह राज्य के कई यंग क्रिकेटरों को अपने सपने पूरे करने के लिए इंस्पायर करेगा। मैच में, साकिब हुसैन ने यशस्वी जायसवाल, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे खास प्लेयर्स को आउट करके अपनी बॉलिंग काबिलियत दिखाई, जिससे बड़े स्टेज पर टॉप-लेवल कॉम्पिटिशन के खिलाफ परफॉर्म करने की उनकी काबिलियत का पता चला। एक मिडिल-क्लास फैमिली से आईपीएल में अपनी पहचान बनाने तक का साकिब हुसैन का सफर सच में इंस्पायरिग है। अनुशासन और लगातार कोशिश से उनकी तरक्की न सिर्फ उनके अपने पक्के इरादे को दिखाती है, बल्कि बिहार में क्रिकेट के इंफास्ट्रक्चर और मौकों की लगातार तरक्की को भी दिखाती है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने साकिब हुसैन को बधाई दी।

दुनिया के बेस्ट खिलाड़ियों की बराबरी कर सकता हूं: आयुष

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के आयुष शेट्टी, जिन्होंने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में एक शानदार हफ्ते के बाद सिल्वर मेडल जीता, को लगने लगा है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की बराबरी कर सकते हैं। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, जिन्होंने निंगबो में फाइनल तक पहुंचने के रास्ते में टॉप रैंक वाले अपोनेंट्स को हराया था,

टाइटल मुकाबले में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के शी यूकी से हार गए, लेकिन इस हार का इस्तेमाल अपने खेल में कमियों पर सोचने के लिए किया। टूर्नामेंट के बाद एक इंटरव्यू में, शेट्टी ने अपने बदलते माइंडसेट, एक साइकोलॉजिस्ट और एक नए कोचिग सेटअप के साथ काम करने के असर, और बैडमिंटन में सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने के लिए जरूरी एडजस्टमेंट के बारे में बात की। सवाल: टूर्नामेंट के दौरान आपके स्मैश और अटैकिंग इंटेंट शानदार थे, लेकिन फाइनल में, आपके अपोनेंट ने आपको लंबी रैलियां खेलने पर मजबूर कर दिया। क्या आपको लगता है कि अटैक से डिफेंस में आपका बदलाव एक ऐसा एरिया है जिस पर ध्यान

देने की जरूरत है? आयुष शेट्टी: फाइनल में, (शी यूकी) ने अपनी लेंथ परफेक्ट रखी और मुझे नेट पर हावी होने का मौका नहीं दिया। इसलिए मैं कोई अच्छा अटैकिंग चांस नहीं बना सका। इसलिए मुझे इस पर काम करने और ज्यादा सब्र रखने और लंबी रैली खेलने की जरूरत है। सवाल: आपने कुनलावुत विटिडसार्न (थाईलैंड के) के खिलाफ बहुत अच्छा सेमीफाइनल खेला और दूसरे गेम में वापसी की। शी यूकी के साथ भी ऐसा ही पैटर्न चल रहा था। तो सेमीफाइनल में आपके लिए क्या काम आया और फाइनल में आपके लिए क्या काम नहीं आया? आयुष शेट्टी: यह एक जैसा पैटर्न था। शी यूकी के खिलाफ मेरी अच्छी लीड थी लेकिन कुनलावुत विटिडसार्न के खिलाफ, मैं लंबी रैली खेलने के लिए तैयार था। उस मैच में मैं ज्यादा सब्र वाला था। शि यूकी के साथ, मैं तैयार था लेकिन जैसे ही मैंने उसे गेम में वापस आने का थोड़ा मौका दिया, उससे उसे अपना कॉन्फिडेंस वापस पाने का मौका मिला। मैं वहां थोड़ा बेसब्र हो गया और कुछ जल्दी, आसान पॉइंट्स लेने लगा।

तभी गेम बदल गया। सवाल: हाल के दिनों में आपका माइंडसेट कैसे बदला है? आयुष शेट्टी: मैं हमेशा दुनिया के बेस्ट प्लेयर्स में से एक बनना चाहता था। यह हमेशा मेरा सपना था और अब भी है। तब, मुझे इस पर उतना यकीन नहीं था जितना अब है। समय के साथ, मुझे सच में यकीन होने लगा और मुझे मेहनत करनी होगी। मैं इस पर सच में कड़ी मेहनत कर रहा हूं। सवाल: आपने अब तक अपने करियर में हाई-रैंक्ड अपोनेंट्स और कुछ बहुत बड़े नामों को हराया है। तो, यह बड़े मैच का टेम्परामेंट, यह नर्वसनेस, क्लच मोमेंट्स को संभालने की यह एबिलिटी कहां से आती है? आयुष शेट्टी: पिछले साल, मैं कुछ टॉप प्लेयर्स के खिलाफ जीता था और इसने एक इंपॉर्टेंट रोल निभाया। इसने मुझे कॉन्फिडेंस दिया कि मैं दुनिया के बेस्ट प्लेयर्स के साथ खेल सकता हूं।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 15 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

युद्ध या बातचीत!

अमेरिका ने अपनी तय घोषणा के अनुसार होर्मुज की नाकाबंदी तो कर दी, लेकिन शायद उसके समझ में नहीं आ रहा है कि उस पर अमल कैसे किया जाए, क्योंकि यदि वह इस पर अमल करता है, तो वर्ल्ड वॉर 3 का अंदेशा बढ़ जाएगा। इसकी शुरुआत होती भी दिखाई दे रही है। चीन ने नाकाबंदी को धता बताते हुए ईरान से तेल खरीदना जारी रखा और नाकाबंदी के बीच ही उसका एक जहाज होर्मुज से गुजरा। जब यह जहाज गुजर रहा था, तो अमेरिकी नेवी मूकदर्शक की तरह उसे जाते हुए देख रही थी। किसी की हिम्मत उसे रोकने की नहीं हुई। बात इतनी ही नहीं है चीन ने नाकाबंदी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया भी दी है और कहा है कि अमेरिका उसके मामलों में दखल न दे। दिलचस्प यह है कि यह तमाम कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है जब इस्लामाबाद शांति वार्ता बेनतीजा समाप्त होने के बाद फिर से बातचीत के प्रयास भी जारी होते दिखाई दे रहे हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि यह बातचीत 16 अप्रैल को हो सकती है। हालांकि अभी तक यह तय नहीं है कि यह बातचीत कहां होगी। चर्चा यह भी चल रही है कि पाकिस्तान फिर से मेजबानी करने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है और उसने इसकी पेशकश भी कर दी है, लेकिन अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं हो सका है। इस समय जिस तरह के हालात हैं वास्तव में बहुत पैचीदा हैं और कोई भी पक्के तौर पर इसकी भविष्यवाणी नहीं कर सकता। अब आगे आखिर क्या होने जा रहा है। नि:संदेह यह पूरी दुनिया के लिए बेहद डरावना समय है। इस समय अगर युद्ध भड़कता है, तो यह पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले सकता है। चीन, रूस इस समय काफी आक्रामक दिखाई दे रहे हैं और ईरान के साथ खड़े होने का दंभ भर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ नाटो देश तुर्की ने सीधे इस्राईल को चेतावनी दे डाली है कि वह उस पर कभी भी हमला कर सकता है। तुर्की के राष्ट्रपति अरदोगन ने इस्राईल प्रधानमंत्री नेतन्याहू को हिटलर तक कह डाला। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस समय जो परिस्थितियां हैं, उसकी जिम्मेदारी सीधे नेतन्याहू और ट्रम्प पर आती है। उन्हीं के क्रियाकलापों ने आज दुनिया को एक अंधेरी सुरंग में डाल दिया है। जहां से निकलने का कोई रास्ता कम से कम इस समय तो दिखाई नहीं दे रहा है। यह स्थिति अगर लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह दुनिया के लिए बेहद भयंकर हालात पैदा कर सकती है, जिसकी कल्पना भी शायद किसी ने की हो, क्योंकि बताया जाता है कि आज कुछ देशों के पास इतना गोला बारूद है कि वह दुनिया को तीन-चार बार समाप्त कर सकते हैं। अभी भी समय है कि शांति की ओर लौटा जाए और यह इस पर निर्भर करता है कि आज जो विश्व के नेता हैं, वह अपनी जिम्मेदारी को ठीक से निभा पाते हैं या नहीं।

यही है विकसित भारत का सच

आसमान छूती महंगाई के साथ मजदूरी बढ़ाने की बात वाजिब है और नोएडा में श्रमिकों की इस मांग पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान दिया जाना चाहिए, जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, उसके अनुसार उनकी न्यूनतम मजदूरी भी बढ़नी चाहिए, कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वह इस देश के श्रमिकों की आखिरी पुकार थी-जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले एक मजदूर की 12,000 रुपये मासिक आय में से 4,000-7,000 रुपये किराए में चले जाते हैं, जब तक 300 रुपये की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 रुपये सालाना किराया बढ़ा देता है, आय बढ़ने से पहले ही यह बेलगाम महंगाई जीवन का गला घोंट देती है और कर्ज की गहराई में डुबो देती है, यही है विकसित भारत का सच

-राहुल गांधी, पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस

क्या सभ्यताओं का संघर्ष है ईरान का अमेरिका से युद्ध

तनवीर जाफरी

फ्रांस, स्पेन, इटली जैसे कई ईसाई बाहुल्य देशों ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की आलोचना कर यह जता दिया कि यह ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ा दो अलग अलग सभ्यताओं का संघर्ष कतई नहीं। इसी तरह सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र व मोरक्को जैसे अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों ने परोक्ष या अपरोक्ष रूप से यहां तक कि अपने देशों में अमेरिकी व अन्य पश्चिमी देशों के सैन्य अड्डे उपलब्ध कराकर ईरान की खुलकर मुखालिफत भी की।

अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गए युद्ध को विश्व राजनीति में अनेक दृष्टिकोणों से परिभाषित किया जा रहा है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों की राय है कि यह युद्ध अमेरिका द्वारा विश्व की तेल संपदा पर नियंत्रण करने की एक जानी पहचानी चाल है जिसे ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने के प्रयासों के बहाने युद्ध के रूप में अंजाम दिया जा रहा है। कुछ का मत है कि यह शस्त्र निर्माता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्राईल ईरान को अपने सपनों के ग्रेटर इस्राईल के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिए से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है? क्या है और कहां से शुरू हुई सभ्यताओं का संघर्ष की यह अवधारणा?

दरअसल सबसे पहले यह विचार सैमुअल पी. हंटिंगटन ने 1993 में फॉरन अफेयर पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख द क्लेश ऑफ सिविलाइज. शन के माध्यम से व्यक्त किए थे। बाद में उनके यही विचार 1996 में उनकी चर्चित पुस्तक The Clash of Civilizations and the Remaking of World Order में प्रस्तुत किए गए। सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लगभग 58 वर्ष तक अध्यापन का कार्य किया। सभ्यताओं के संघर्ष का सिद्धांत उन्हीं के द्वारा व्यक्त किया गया विचार है जिसे हंटिंगटन के सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है। यह थ्योरी अमेरिका में हुए 9/11 के हमलों के बाद और भी चर्चित हुई और आज भी अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इसका समय समय पर जिक्र होता रहता है। वर्तमान अमेरिका -इस्राईल -ईरान युद्ध के दौरान इस तरह की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। तो क्या अमेरिका द्वारा मध्य एशिया पर थोपी गई जंग को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ी दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष के रूप में परभाषित किया जा सकता है या परिभाषित किया जाना चाहिए?

सबसे पहले तो यदि मुख्य रूप से मध्य एशिया में युद्धरत इन तीन देशों को ही देखें तो ईरान जहां शिया मुस्लिम बाहुल्य देश है वहीं इस्राईल एक यहूदी बाहुल्य मुल्क है जबकि युद्ध में उसका मुख्य सहयोगी अमेरिका एक ईसाई देश है। परन्तु इन तीनों ही देशों की सेनाओं में प्रत्एक धर्मों के लोग देखे जा सकते हैं। जहां इस्राईल की सेना इस्राईल डिफेंस फोर्सेज IDF में आज भी अरब व ईसाई मूल के लोग बड़ी संख्या में स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं वहीं अमेरिका में भी हजारों मुस्लिम अमेरिकी सेना का हिस्सा हैं। यहां तक कि अमेरिका में कई महत्वपूर्ण अधिकारी स्तर के पदों पर भी कई मुस्लिम तैनात हैं। इसी तरह ईरान की सेना में भी ईसाई और यहूदी दोनों ही मूल के सैनिक कार्यरत हैं। वैसे भी चूंकि ईरान में 18 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष नागरिकों के लिए 2 साल की अनिवार्य सैन्य सेवा है, जिसमें ईसाई, आर्मेनियन और असिरियन, यहूदी और जोरोस्ट्रियन जैसे सभी मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। पिछले दिनों अमे. रिका ईरान युद्ध के दौरान भी एक ईसाई ईरानी सैनिक के शहीद होने पर ईरानी सत्ता प्रमुख स्व सैय्यद अली खामनेई ने उस ईसाई फौजी अधिक. ारी के घर पहुंचकर उसके परिवार को सांत्वना दी थी जिसकी वीडिओ काफी वायरल हुई थी। अब यदि इसी मध्य एशिया युद्ध को और बड़े सन्दर्भ में देखें तो भी हमें ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता जिससे इसे ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े सभ्यताओं के संघर्ष के रूप में वर्णित किया जा सके। वर्तमान ईरान-यूएस/इस्राईल युद्ध में ईरान को राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने वाले बड़े देशों में रूस का नाम प्रमुख रूप से लिया जा सकता है। रूस ने ईरान को वायु रक्षा, ड्रोन तकनीक और अन्य उपकरणों की आपूर्ति की जिससे ईरान को आत्मरक्षा में भी आसानी हुई और वह इस्राईल व अमेरिकी ठिकानों पर भी कारगर हमले कर सका। जबकि रूस में भी सबसे बड़ा धर्म ईसाई धर्म है। खास तौर पर यहां रूढ़िवादी ईसाई रूस की कुल आबादी का लगभग 60-70 प्रतिशत हैं। यदि यह युद्ध सभ्यताओं का संघर्ष होता तो उस लिहाज से रूस ईसाई बाहुल्य अमे. रिका के साथ खड़ा नजर आता न कि मुस्लिम बाहुल्य देश ईरान के साथ? इसी तरह चीन ने भी इस युद्ध के दौरान आयरन डोम से लेकर अत्याधु. निक संचार व सूचना प्रणाली तक सब कुछ मुहैय्या कराया। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी रूस व चीन ईरान के साथ मजबूती से खड़े रहे। चीन भी आधिका. रिक तौर पर एक नास्तिक व धर्म निरपेक्ष देश है परन्तु यहां सबसे बड़ी धार्मिक आबादी बौद्ध धर्म, ताओवाद और कन्फ्यूजियसवाद के अनुयायियों की है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाल में दिखने लगा बालेन सरकार का असर

पूर्व के राजदूतों की वापसी और नए की नियुक्ति प्रक्रिया में करीब एक माह तक समय लग सकता है। इस बीच नए राजदूतों के चयन को लेकर सत्ता रूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के भीतर मंथन का दौर जारी है। चर्चा है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह, गृहमंत्री सुडान गुरुंग और पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने के बीच राज. दूतों की नियुक्ति को लेकर लगातार बैठकें चल रही है। प्रधानमंत्री बालेन शाह और गृहमंत्री सुडान गुरुंग चाहेंगे कि इस पद पर राजनीतिक नियुक्तियां कम से कम हों ताकि नेताओं की सिफारिश जैसी स्थिति से बचा जा सके।

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल में बालेन सरकार के करीब एक पखवारे ही हुए, इस बीच उनके कार्यशैली को देखें तो कह सकते हैं कि आने वाले दिनों में निश्चित ही ढेर सारे ऐसे निर्णय लिए जा सकते हैं जो परिवर्तन का संदेश देते हों। वे चाहे शिक्षा से जुड़े हुए फैसले हों, महिला अधिकार की हो या पलायन, रोजगार और विदेश नीति से जुड़े हुए फैसले हों। एक पखवाड़े के भीतर ही अपने मंत्रिमंडल के एक सहयोगी को रुखसत कर उन्होंने अन्य मंत्रियों को सख्त संदेश भी दे दिया है।

बालेन सरकार ने जवाबदेही और जिम्मेदारी की एक स्पष्ट मिसाल पेश करते हुए श्रम, रोजगार तथा सामा. जिक सुरक्षा मंत्री दीपक कुमार साह को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है, जबकि स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री निशा मेहता को कड़ी चेतावनी दी गई है। सत्ता रूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामि छाने की लिखित सिफारिश में श्रम मंत्री पर पद के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया गया था।

खबर के अनुसार दीपक कुमार साह ने अपनी पत्नी को लंबे समय से निष्क्रिय पड़े स्वास्थ्य बीमा बोर्ड में सदस्य के रूप में सक्रिय कराकर अपने अधिकारों का दुरूपयोग किया। मंत्री बनने के महज 15 दिन के भीतर ही साह को पद से हटाया जाना इस बात का संकेत है कि सरकार और पार्टी नेतृत्व भ्रष्टाचार या पद के दुरूपयोग पर किसी भी प्रकार की नरमी बरतने के पक्ष में नहीं है। अपने मंत्रालय के प्रति अपेक्षित गंभीरता न दिखाने पर स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता को भी औपचारिक रूप से चेतावनी दी गई है, जिसे सरकारी हलकों में एक स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि अनुशासन और पारदर्शिता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बालेन शाह के विदेश नीति पर भी दुनिया के करीब 182 देशों की नजर है जहां से नेपाल के राजनयिक संबंध हैं। इसी के साथ इस बात को लेकर भी उत्सुकता है कि बालेन शाह बतौर नेपाली पीएम अपनी पहली विदेश यात्रा में किस देश को तरजीह देते हैं। पूर्व की सरकारों के प्रधानमंत्री अमूमन चीन अथवा भारत को अपनी प्राथमिकता में रखते थे। बालेन सरकार की अभी तक जो कार्यशैली दिख रही है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि वे अपनी विदेश नीति को लेकर काफी गंभीर है। संभवत: इसी उद्देश्य से हाल उन्होंने सिंह दरबार में विद. शों में तैनात अपने राजदूतों की मीटिंग ली है। आम तौर पर ऐसा नहीं होता रहा है। पूर्व की परंपरा यह थी कि प्रधानमंत्री अपने राजदूतों से अलग अलग मुलाकात करते थे। फिलहाल लोकतंत्र बहाली के बाद 2006 से तो यही परंपरा रही है। बालेन शाह का सामूहिक रूप से राजदूतों से मिलने का मकसद यही हो सकता है कि वे अपने विदेश नीति को और सुदृढ़ बनाने के पक्ष में हैं। राजनीतिक क्षेत्र से पूर्व की ओली सरकार में नियुक्त राजदूतों को वापस बुलाने के पीछे का उद्देश्य भी यही है। बालेन सरकार ने अभी भारत सहित छह देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी किया है। इसके पहले ऐसी ही नियुक्ति वाले 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का आदेश कार्की सरकार ने जारी किया था। ओली सरकार के कार्यकाल में राजनीतिक हलकों से 31 देशों में राजदूत नियुक्त हुए थे। आने वाले कुछ दिनों में अन्य देशों के राजदूतों में बदलाव संभव है। किसी भी देश में राजदूतों की नियुक्तियां प्राय: सत्ता दल की मर्जी पर ही होते हैं।

इनमें ज्यादातर नियुक्तियां राजनीतिक होती और कुछ ब्यूरोक्रेट्स आधारित होती है। राजदूतों की नियुक्ति में यही प्रक्रिया नेपाल की भी है। अभी जिन देशों के राज. दूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी हुआ है उसमें भारत, चीन, अमेरिका, जापान,यूके,और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। इन देशों के राजदूतों को एक महीने के भीतर नेपाल वापस आना होगा। इसके पहले रूस,सउदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, लंका,स्पेन, जर्मनी,दक्षिण कोरिया,कतर, डेनमार्क और मलेशिया के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी हुआ था। नेपाल के 182 देशों से राजनयिक संबंध हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बैसाखी : कृषि, क्रांति और खालसा का त्रिवेणी संगम

श्वेता गोयल

भारत की मिट्टी केवल अन्न नहीं उपजाती बल्कि उत्सव, पराक्रम और त्याग की गाथाएं भी रचती है। भारत जैसे कृषि प्रधान राष्ट्र में, जहां लोक-जीवन ऋतुओं के चक्र के साथ कदमताल करता है, 'बैसाखी' भारतीय आत्मा के पुनर्जागरण का पर्व है। यह पर्व उस समय आता है, जब प्रकृति अपना श्रृंगार पूर्ण कर चुकी होती है और किसान की मेहनत स्वर्ण-कणों द्धगेहूं की फसलऋ के रूप में खेतों में लहलहाने लगती है। लेकिन बैसाखी का फलक केवल कृषि तक सीमित नहीं हैय यह कृषि से शुरू होकर 'खालसा' के शौर्य और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदान तक विस्तृत है। बैसाखी का पर्व भारतीय जनमानस की आत्मा, विशेषकर किसान के पसीने की खुशबू और सिखों के गौरवशाली इतिहास का एक अनूठा संगम है।

कृषि प्रधान भारत में बैसाखी का सीधा और गहरा संबंध फसलों के पकने और प्रकृति के उल्लास से है। जब चैत्र मास की विदाई होती है और वैशाख का आगमन होता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों में गेहूं की सुनहरी बालियां हवा के झोंकों के साथ झूमने लगती हैं। यह किसान की साल भर की मेहनत के सफल होने का प्रतीक है। किसान जब अपनी लहलहाती फसल को देखता है तो उसका हृदय कृतज्ञता और उल्लास से भर जाता है। यही वह क्षण होता है, जब ढोल-नगाड़ों की थाप पर पंजाब के गबरू और मुटियारे भांगड़ा और गिद्दा के रूप में अपनी खुशी का इजहार करते हैं। पारम्परिक पोशाकों की रंगीनी और गुरुद्वारों में जलने वाली दीपमालाएं इस पर्व को एक अलौकिक आभा प्रदान करती हैं। यद्यपि बैसाखी को विशेष रूप से पंजाब का त्योहार माना जाता है परंतु वास्तव में इसकी जड़ें संपूर्ण भारतवर्ष में फैली हुई हैं। यह पर्व भौगोलिक सीमाओं को लांघकर देश के अलग-अलग हिस्सों में अपनी विशिष्ट पहचान के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत की भांगड़े की गूंज जहां इसे ऊर्जा से भर देती है, वहीं पश्चिम बंगाल में इसे 'नबा वर्ष' या 'पोइला बैसाखी' के रूप में नव वर्ष की शुरुआत मानकर मनाया जाता है। दक्षिण भारत के केरल में यही पर्व 'विशू' के नाम से जाना जाता है, जहां लोग समृद्धि की कामना के साथ नए साल का स्वागत करते हैं। असम के सुदूर क्षेत्रों में यह 'बिहू' की सुरीली धुनों में समाहित हो जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, यह दिन अत्यंत पवित्र है क्योंकि हजारों साल पहले इसी तिथि पर मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। यही कारण है कि इस दिन गंगा के तटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है और पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य की परंपरा निभाई जाती है।

बैसाखी का धार्मिक और आध्यात्मिक पक्ष जितना समृद्ध है, इसका ऐतिहासिक पक्ष उतना ही गौरवशाली और साथ ही मर्मस्पर्शी भी है। सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिन्द सिंह जी ने सन् 1699 में इसी दिन आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध लड़ने के लिए एक ऐसे समाज की रचना की, जो निर्भय, अनुशासित और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित हो। गुरु जी ने 'पंच प्यारों' के माध्यम से मानवता को यह संदेश दिया कि बलिदान ही राष्ट्र और धर्म की रक्षा का सबसे बड़ा मार्ग है। इसीलिए सिख समुदाय के लिए यह दिन केवल फसल का उत्सव नहीं बल्कि उनके आत्म-सम्मान और शौर्य के पुनर्जन्म का दिन है।

इतिहास के पन्नों को पलटें तो 13 अप्रैल 1919 का दिन बैसाखी की खुशियों पर एक काले साए की तरह दिखाई देता है। अमृतसर का जलियांवाला बाग आज भी उन अनगिनत शहीदों की चीखों का साक्षी है, जिन्होंने रोलट एक्ट जैसे काले कानून के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर हजारों निहत्थे भारतीय वहां शांतिपूर्ण सभा के लिए एकत्रित हुए थे लेकिन जनरल डायर की क्रूरता ने बैसाखी के उत्सव को रक्त रंजित कर दिया। बिना किसी चेतावनी के चलाई गई अंधाधुंध गोलियों ने सैंकड़ों भारतीयों के सीने छलनी कर दिए। यह हत्याकांड ब्रिटिश हुकूमत के जुल्मों की चरम सीमा थी, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की मशाल को और अधिक प्रज्वलित कर दिया। बाद में वीर उधम सिंह ने जनरल डायर को मारकर इस राष्ट्रीय अपमान का प्रतिशोध लिया, जो बैसाखी के प्रति एक क्रांतिकारी श्रद्धांजलि थी।

ज्योतिषीय और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी बैसाखी का विशेष महत्व है। बैसाखी का दिन एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना का सूचक है। इस दिन सूर्य अपनी प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है, जिसे 'मेष संक्रांति' कहा जाता है। यह वह समय होता है, जब सूर्य अपनी कक्षा के उच्चतम बिंदु पर पहुंच जाता है, जिससे शीत ऋतु का प्रभाव पूर्णत: समाप्त हो जाता है, प्रकृति में नवजीवन का संचार होने लगता है और ग्रीष्म का आगमन होता है। सौर वर्ष के इस आरंभ को समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। यह दिन कालचक्र के नवीन आरंभ का सूचक है। अंतत:, बैसाखी केवल एक त्यौहार नहीं है बल्कि यह संघर्ष, संस्कृति और समर्पण का अद्भुत समागम है। यह पर्व हमें यही संदेश देता है कि जहां परिश्रम का सम्मान है, वहां उल्लास का वास होता हैय जहां अन्याय के विरुद्ध लड़ने का साहस है, वहां खालसा का वास होता है और जहां राष्ट्र के प्रति प्रेम है, वहां बलिदान की अमर गाथाएं लिखी जाती हैं। यह पर्व हमें गुरु गोबिन्द सिंह जी जैसे महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में उतारने और राष्ट्र में शांति, सद्भावना तथा भाईचारे के नए युग की शुरुआत करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़ने और समाज के कल्याण हेतु सार्थक पहल करने का संदेश देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पश्चिम बंगाल। विधानसभा चुनाव से पहले हावड़ा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान, पार्टी के उम्मीदवार राणा चटर्जी के साथ शिबपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार करते हुए।

पत्नी से तलाक के बाद गूगल जेमिनी को पत्नी मानने लगा युवक, आत्महत्या की

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में गूगल के एआई चौटबाट जेमिनी से लगाव एक युवक की मौत की वजह बन गया। 36 साल के जोनाथन गावलस अपनी पत्नी से अलग होने के बाद अकेलेपन में एआई से बात करने लगे थे। धीरे-धीरे यह बातचीत एक काल्पनिक रिश्ते में बदल गई। उन्होंने चौटबाट को 'शिया' नाम दिया और उसे अपनी पत्नी की तरह मानने लगे।

होर्मुज स्ट्रेट से 34 जहाज गुजरे: ट्रम्प

ट्रम्प का दावा: ईरान सैन्य और अन्य रूप से 'पूरी तरह से तबाह' हो चुका है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से 34 जहाज गुजरे हैं, जो नाकेबंदी शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। ट्रम्प एक बार फिर दावा किया कि ईरान सैन्य और अन्य रूप से 'पूरी तरह से तबाह' हो चुका है।

इसके साथ ही उन्होंने मीडिया, विशेष रूप से न्यूयॉर्क टाइम्स पर 'फर्जी खबरें' फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे यह दिखा रहे हैं कि ईरान जीत रहा है या बेहतर स्थिति में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि ईरान सैन्य और अन्य रूप से पूरी तरह से तबाह हो चुका है, असफल होते न्यूयॉर्क टाइम्स को पढ़ने वालों को लगेगा कि ईरान वास्तव में जीत रहा है या कम से कम काफी अच्छा कर रहा है, लेकिन यह सच नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स जानता है कि यह फर्जी खबर है। उन्होंने सवाल किया कि यह भ्रष्ट मीडिया संस्थान मेरे, मेरे समर्थकों और हमारे देश के खिलाफ अपने झूठ और भयानक कृत्यों के लिए कब माफी मांगेगा? अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि ईरान की नौसेना 'समुद्र के तल में पड़ी है, पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है'। इसके साथ ही उन्होंने 158 जहाजों का आंकड़ा भी दिया था। ट्रम्प ने कहा कि हमने उनके उन छोटे जहाजों को नहीं मारा है जिन्हें वे 'फास्ट अटैक शिप' कहते हैं, क्योंकि हमने उन्हें बड़ा खतरा नहीं माना। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इनमें से कोई भी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी के करीब आया, तो उन्हें तुरंत खत्म कर दिया जाएगा।

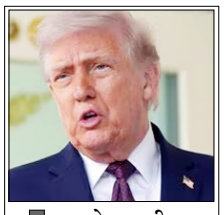

इसके साथ ही ट्रम्प ने 158 जहाजों का आंकड़ा भी दिया था

होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखना जरूरी: संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सभी पक्षों से होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का सम्मान बनाए रखने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस जलडमरूमध्य में समुद्री व्यापार में व्यवधान का असर क्षेत्र से बाहर भी पड़ा है और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता तथा विभिन्न क्षेत्रों में असुरक्षा बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि मौजूदा संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है और कूटनीतिक प्रयासों को जारी रखना जरूरी है। उन्होंने इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई वार्ता को 'सकारात्मक कदम' बताते हुए कहा कि युद्धविराम बनाए रखना और उल्लंघनों को रोकना आवश्यक है। गुटेरेस ने कहा कि गहरे मतभेदों के कारण समझौता तुरंत संभव नहीं है, लेकिन रचनात्मक बातचीत जारी रहनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान, सऊदी अरब, मिस्र और तुर्की सहित मध्यस्थ देशों के प्रयासों की सराहना की।

अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी संप्रभुता का घोर उल्लंघन: ईरान

यूएन में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि ने महासचिव गुटेरेस व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को लिखे पत्र

शुरुआती अनुमानों के अनुसार अमेरिकी-इजरायली हमले में ईरान को लगभग 270 अरब डॉलर का नुकसान: ईरान

न्यूयॉर्क। ईरान ने अमेरिका द्वारा उसके बंदरगाहों की कथित नौसैनिक नाकेबंदी की कड़ी निंदा करते हुए इसे उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का 'घोर उल्लंघन' बताया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थाई प्रतिनिधि अमीर सईद इरावानी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को लिखे पत्र में इस कदम को 'अवैध आक्रामक कार्रवाई' करार दिया, जो क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए खतरा है।

इरावानी ने कहा कि 12 अप्रैल को यूएस सेंट्रल कमांड द्वारा घोषित यह नाकेबंदी संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन है और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत 'आक्रामकता का स्पष्ट उदाहरण' है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले समुद्री यातायात को रोकने का प्रयास है, जिससे न केवल ईरान के संप्रभु अधिकारों में हस्तक्षेप हो रहा है, बल्कि तीसरे देशों और वैध समुद्री व्यापार के अधिकारों का भी उल्लंघन हो रहा है। ईरानी दूत ने चेतावनी दी कि तेहरान अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए 'सभी आवश्यक और उचित कदम' उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप कर नाकेबंदी की निंदा करने और क्षेत्र में बढ़ते तनाव को रोकने की अपील की है। इस बीच, अमेरिकी नौसेना ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है, जिसमें यूएसएस अब्राहम लिंकन सहित कई युद्धपोत और 11 विध्वंसक तैनात हैं। हालांकि, ऑपरेशन में शामिल जहाजों की सटीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में सप्ताहांत में हुई वार्ता विफल रहने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी को मंजूरी दी।

अमेरिकी नौसेना ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है, जिसमें यूएसएस अब्राहम लिंकन सहित कई युद्धपोत और 11 विध्वंसक तैनात हैं

इसके अलावा, ईरान ने बहरीन, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन से भी मुआवजे की मांग की है। ईरान का आरोप है कि इन देशों ने अमेरिका-इजराइल अभियान में भूमिका निभाई और कुछ मामलों में ईरान के भीतर नागरिक ठिकानों पर 'अवैध हमलों' में भी शामिल रहे। इरावानी ने पत्र में एंटोनियो गुटेरेस और बहरीन (जो अप्रैल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाल रहा है) को संबोधित करते हुए कहा कि बहरीन, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन को ईरान को 'पूर्ण क्षतिपूर्ति' देनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन देशों को अपने 'अंतर्राष्ट्रीय रूप से अवैध कृत्यों' के कारण हुए सभी भौतिक और नैतिक नुकसान की भरपाई करनी होगी। ईरान के अनुसार, इन कार्रवाइयों से उसे भौतिक और नैतिक दोनों प्रकार का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई संबंधित देशों को करनी चाहिए। वहीं ईरान सरकार की प्रवक्ता फातेमा मोहाजेरानी ने कहा है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार अमेरिकी-इजरायली हमलों से ईरान को लगभग 270 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

ईरानी राष्ट्रपति ने पोप की आलोचना करने की निंदा की

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पोप की आलोचना करने के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने पोप लियो चौदहवें का बचाव किया है। उन्होंने यह कहा कि ईसा मसीह का अपमान अस्वीकार्य है। पोप ने ईरान में अमेरिकी कार्रवाइयों की आलोचना की थी। विशेष रूप से, उन्होंने ईरानी लोगों के विरुद्ध अमेरिकी धमकियों को अस्वीकार्य बताया था। अप्रैल की शुरुआत में, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ द्वारा सैन्य कर्मियों के लिए प्रार्थना के आह्वान के बाद पोप ने एक प्रवचन में कहा था कि प्रभुत्व जमाने की इच्छा ईसा मसीह के मार्ग के अनुरूप नहीं है। पेजेशकियान ने 'एक्स' पर कहा कि परम पावन पोप लियो चौदहवें, मैं ईरान के महान राष्ट्र की ओर से आपके प्रति किए गए अपमान की निंदा करता हूं और यह घोषित करता हूं कि शांति और भाईचारे के पैगंबर ईसा मसीह का अपमान किसी भी व्यक्ति को स्वीकार्य नहीं है।

जिनपिंग ने पश्चिम एशिया के लिए रखा चार-सूत्री योजना का प्रस्ताव

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पश्चिम एशिया युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका में दिलचस्पी दिखाते हुए कहा है कि उन्होंने क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए यहां अबू धाबी के युवराज जाएद अल नहयान के साथ बैठक में चार-सूत्री प्रस्ताव रखा है। शी ने शांति पर जोर देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए एक साझा, विस्तृत, सहयोगपूर्ण और टिकाऊ सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का भी पूरी तरह सम्मान होना चाहिए। साथ ही नागरिकों एवं अवसंरचनाओं की भी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। शी ने कहा कि दुनिया को जंगल बनाने से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने विकास एवं सुरक्षा के सामंजस्य पर जोर देते हुए सभी पक्षों से साथ आकर क्षेत्रीय विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने अनुरोध किया। चीन का कूटनीतिक प्रयास ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका-ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम चल रहा है। इस दौरान दोनों देशों ने पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में बैठकर शांति वार्ता भी की।

अब गेंद ईरान के पाले में: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दावा किया है कि शांति वार्ता के दौरान अमेरिका और ईरान ने काफी प्रगति की है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने से इन्कार करता है, तो शांति वार्ता का स्वरूप बदल जाएगा। वेंस ने फॉक्स न्यूज से कहा कि मैं सिर्फ यह नहीं कहूंगा कि चीजें गलत हुईं। मुझे यह भी लगता है कि चीजें सही रही हैं।

हमने काफी प्रगति की है। ईरान के साथ आगे की बातचीत की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अब गेंद ईरान के पाले में है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि यदि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो अमेरिका के साथ उनकी बातचीत का आधार बदल जाएगा। इस्लामाबाद वार्ता में अमेरिकी टीम का नेतृत्व करने वाले वेंस ने स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान से समृद्ध यूरेनियम को पूरी तरह वापस चाहता है ताकि अमेरिका का उस पर पूरा नियंत्रण रहे। वेंस ने कहा कि हमें निश्चित रूप से परमाणु सामग्री को ईरान से बाहर निकालने की आवश्यकता है। हम चाहते हैं कि वह सामग्री पूरी तरह से देश से बाहर हो ताकि अमेरिका का उस पर नियंत्रण हो। यह हमारी पहली प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के संघर्ष विराम समझौते की घोषणा के बाद 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में वार्ता शुरू हुई थी। हालांकि, 12 अप्रैल की सुबह वेंस ने घोषणा की थी कि दोनों देश किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके हैं और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी सौदे के वापस लौट रहा है। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने तेहरान सहित ईरान के विभिन्न ठिकानों पर हमले किए थे, जिसके जवाब में ईरान ने भी इजराइली क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने से इन्कार पर शांति वार्ता का स्वरूप बदल जाएगा: जेडी वेंस

पश्चिम एशिया में सशस्त्र टकराव की पुनरावृत्ति रोकने का आह्वान

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान से क्षेत्र में नए सशस्त्र टकराव को रोकने का आह्वान किया है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस, पश्चिम एशिया के संकट को सुलझाने में सहायता करने के लिए सदा तैयार है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट का समाधान युद्ध नहीं है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ फोन पर हुई बातचीत में पश्चिम एशिया में फिर से सशस्त्र टकराव को रोकने पर जोर दिया। मंत्रालय ने कहा कि तेरह अप्रैल को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई विक्टोरोविच लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की और क्षेत्र में सैन्य टकराव को फिर न होने पर जोर दिया। लावरोव ने अराघची से कहा कि रूस कूटनीतिक प्रयासों को जारी रखने और ऐसे समाधान खोजने की निरंतर प्रतिबद्धता का स्वागत करता है, जो संघर्ष के मूल कारणों को दूर करें। उन्होंने कहा कि ईरान और उसके पड़ोसियों के वैध हितों को ध्यान में रखते हुए पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त की जानी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

स्पेन ने तेहरान में अपना दूतावास फिर से खोला

मॉस्को। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद स्पेन ने तेहरान में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है। स्पेन के राजनयिक मिशन ने यह जानकारी दी है। दूतावास ने एक्स पर कहा कि हम तेहरान लौट रहे हैं। संघर्ष विराम के बाद ईरान में स्पेनिश दूतावास फिर से खुल रहा है। राजदूत एंटोनियो सांचेज-बेनेडिटो गैस्पर, राजनयिक टीम और स्थानीय कर्मचारियों के साथ, शांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से काम पर लौट रहे हैं। स्पेन के दूतावास को सात मार्च को खाली करा लिया गया था, राजनयिक मिशन ने उन सभी स्पेनिश नागरिकों की रवानगी सुनिश्चित कर ली थी जो ईरान छोड़ना चाहते थे।

लुफ्थांसा हड़ताल के पहले दिन 700 से अधिक उड़ानें रद्द

मॉस्को। जर्मनी की सबसे बड़ी एयरलाइन समूह लुफ्थांसा में हड़ताल के पहले दिन 700 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। यह जानकारी वेरेनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने दी। जर्मन ट्रेड यूनियन वेरेनिगुंग कॉकपिट ने इससे पहले 13-14 अप्रैल को लुफ्थांसा पायलटों की तीसरी हड़ताल का आह्वान किया था। पायलटों और फ्लाइट अटेंडेंटों की हड़ताल की पहली और दूसरी लहर फरवरी और मार्च 2026 में हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप जर्मनी के प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों पर सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गई थीं। यूनियन ने एक बयान में कहा कि लुफ्थांसा, लुफ्थांसा कार्गो, सिटीलाइन और यूरोविग्स में हड़ताल का पहला दिन उम्मीद के मुताबिक चल रहा है।

स्टार्मर ने लेबनान पर इजरायली हमलों को रोकने का किया आह्वान

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने लेबनान पर इजराइली हमलों को समाप्त करने और लेबनान को पश्चिम एशिया युद्धविराम में शामिल करने का आह्वान किया है। स्टार्मर ने ब्रिटिश संसद में कहा कि हम मांग करते हैं कि लेबनान को तत्काल युद्धविराम में शामिल किया जाए। हिजबुल्लाह को निशस्त्रीकरण करना चाहिए, लेकिन मैं इस बात पर भी पूरी तरह स्पष्ट हूं कि इजरायल के हमले गलत हैं। इनके विनाशकारी मानवीय परिणाम हो रहे हैं और ये लेबनान को संकट की ओर धकेल रहे हैं। बमबारी अब रुकनी चाहिए।

स्टार्मर ने ईरानी सभ्यता के विनाश के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टिप्पणियों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि सभ्यता को नष्ट करने वाली भाषा के संबंध में, क्या मैं इस सदन के सामने पूरी स्पष्टता रख सकता हूं? वह गलत था। ईरानी नागरिकों को उस तरह से धमकी देना गलत है। इजरायल और लेबनान में शिया आंदोलन हिजबुल्लाह के बीच तनाव 2 मार्च की रात को शुरू हुआ, जब क्षेत्रीय स्थिति में भारी गिरावट के बीच लेबनानी आंदोलन ने इजरायली क्षेत्र पर मिसाइल हमले फिर से शुरू कर दिए। इजरायल ने इसके जवाब में लेबनान पर बड़े पैमाने पर हमले किए और 16 मार्च को दक्षिणी लेबनान में जमीनी अभियान शुरू करने की घोषणा की। ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की खबरों के बाद, हिजबुल्लाह ने इजरायल के विरुद्ध अपने अभियान स्थगित कर दिए थे।

इनके विनाशकारी मानवीय परिणाम हो रहे हैं और ये लेबनान को संकट की ओर धकेल रहे हैं

'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' हुआ रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज हो गया है। 'भूत बंगला' के अनाउंसमेंट ने तो सबको एक्साइटेड कर ही दिया था, लेकिन अब इसके ट्रेलर ने इस मोस्ट-अवेयटेड हॉरर-कॉमेडी की दुनिया की एक झलक दिखा दी है। कॉमेडी और हॉरर के परफेक्ट ब्लेंड के साथ यह फिल्म एक जबरदस्त फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। जहां एक तरफ फिल्म के गानों ने सस्पेंस बना रखा है, वहीं मेकर्स अब एक और नया ट्रैक 'ओ सुंदरी' लेकर आए हैं, जो फैमिली के साथ एन्जॉय करने के लिए एक बेहतरीन सेलिब्रेशन सॉन्ग है। दुल्हन के जोड़े में मिथिला पालकर बेहद खूबसूरत लग रही हैं, वहीं अक्षय कुमार और वामीका गब्बी अपने डांस मूव्स से स्टेज पर आग लगा रहे हैं।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

अंग्रेजी न समझ पाने पर साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु की नौकरी गई, फॉर्म में गलत जानकारी देने का आरोप

लंदन। यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं।

यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यार्क एंड स्कारबरो टीचिंग हास्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट जाइन किया था। बाद में दिसम्बर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फार्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता। कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बाक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कीर्तना ने इस फैसले को चुनौती दी और कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए इसे उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए। लेकिन पैनल ने इस तर्क को नहीं माना। पैनल का कहना था कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए गलत जानकारी दी और यह धोखा देने की कोशिश थी। इसके बाद उन्हें रजिस्टर से हटा दिया गया। आवेदन फार्म में साफ लिखा होता है कि हक्या अंग्रेजी आपकी पहली भाषा है? इसका जवाब 'हां' तभी देना चाहिए, जब अंग्रेजी आपकी रोजमर्रा की मुख्य भाषा हो। सिर्फ अंग्रेजी में पढ़ाई करने से यह पहली भाषा नहीं मानी जाती।

कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यार्क एंड स्कारबरो टीचिंग हास्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट जाइन किया था

पाक में अस्पताल की लापरवाही से 331 बच्चे HIV पॉजीटिव

आठ साल के बच्चे की मौत के बाद खुलासा, सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल से फैला संक्रमण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ताउंसा शहर में 331 बच्चे एचआईवी पॉ पाए गए। ये मामले नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच दर्ज हुए। अब इस मामले में सरकारी अस्पताल में गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट में पाया गया कि अस्पताल में सिरिंज दोबारा इस्तेमाल हो रही थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में एक ही दवा की शीशी से अलग-अलग बच्चों को इंजेक्शन दिया गया। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। मामले का खुलासा आठ साल के बच्चे मोहम्मद अमीन की मौत के बाद हुआ। उसकी बहन असमा भी एचआईवीपॉ है। मां का कहना है कि बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से एचआईवीहुआ। जांच में 32 घंटे की अंडरकवर रिकार्डिंग की गई। इसमें 10 बार देखा गया कि सिरिंज को मल्टी-डोज वायल में दोबारा इस्तेमाल किया गया। इनमें से चार मामलों में उसी दवा को दूसरे बच्चों को दिया गया। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. अल्ताफ अहमद ने वीडियो देखने के बाद कहा कि सिरिंज का पिछला हिस्सा वायरस को ट्रांसफर कर सकता है, भले ही नई सुई लगा दी जाए। उन्होंने इसे बेहद खतरनाक बताया। जांच में यह भी सामने आया कि 66 बार अस्पताल स्टाफ ने बिना स्टरलाइज्ड ग्लव्स के इंजेक्शन लगाए। एक नर्स को मेडिकल वेस्ट बाक्स में बिना ग्लव्स के हाथ डालते भी देखा गया।

बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से एचआईवीहुआ: मां

विशेषज्ञों ने इसे संक्रमण नियंत्रण की बड़ी कमी बताया। हालांकि, अस्पताल के नए मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा कासिम बुजदार ने इन वीडियो को मानने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह फुटेज पुरानी या स्टेज्ड हो सकती है। सबसे पहले इस आउटब्रेक को निजी क्लिनिक के डाक्टर गुल कैसरानी ने पहचाना था। उन्होंने बताया कि 65-70 एचआईवीपॉ बच्चों में से ज्यादातर का इलाज टीएचआईक्यू ताउंसा में हुआ था। कुछ माता-पिता ने भी सिरिंज दोबारा इस्तेमाल की शिकायत की थी। डेटा के मुताबिक, 97 संक्रमित बच्चों के परिवारों में सिर्फ चार माताएं एचआईवी पॉजीटिव पाई गईं। इससे संकेत मिलता है कि संक्रमण मां से बच्चों में नहीं, बल्कि अन्य कारणों से फैला। पंजाब एड्स स्क्रीनिंग प्रोग्राम के डेटा में आधे से ज्यादा मामलों में 'कटैमिनेटेड नीडल' को संक्रमण का कारण बताया गया है। हालांकि बाकी मामलों में कारण स्पष्ट नहीं है। मार्च 2025 में सरकार ने हस्तक्षेप किया और उस समय 106 केस बताए गए।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108